वर्ष- 14 अंक - 20
लखनऊ, सोमवार 28 सितम्बर, 2026
पृष्ठ- 12 मूल्य- ₹ 3.00
लखनऊ से प्रकाशित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

समृद्धि न्यूज

समृद्ध समाज का आधार

samradhinewslko@gmail.com, www.samriddhisamachar.com, info@samriddhinews.com

ईंट भट्ठे के गहरे गड्ढे में नहाते समय दो बालक डूबे 10

संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम कर रहा विपक्ष : पंकज चधरी 02

कोहली-गिल के शतक से भारत की शानदार जीत

- पहले वनडे में वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हराया
- कोहली ने सबसे तेज पूरे किए 15 हजार वनडे रन

एजेंसी, तिरुवनंतपुरम।

विराट कोहली और कप्तान शुभमन गिल के शानदार शतकों की बदौलत भारत ने पहले वनडे में वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हरा दिया।

तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड स्टेडियम में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 295 रन बनाए। जवाब में भारत ने 41.4 ओवर में दो विकेट पर 300 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। भारत की जीत के नायक विराट कोहली रहे। उन्होंने 88 गेंदों पर नाबाद 139 रन की विस्फोटक पारी खेली। कोहली ने वनडे करियर का 55वां और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का 86वां शतक लगाया।

आतंकियों ने आंख उठाई तो करारा जवाब देंगे: मोदी

मन की बात

- सर्जिकल स्ट्राइक के 10 साल पूरे होने पर बोले पीएम मोदी
- गिनाए बालाकोट से ऑपरेशन सिंदूर तक के उदाहरण

एजेंसी, नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' की 138वीं कड़ी में आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति को दोहराते हुए कहा कि आतंकवादी भारत की ओर आंख उठाएंगे तो उन्हें करारा जवाब दिया जाएगा। 28-29 सितंबर 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक के 10 वर्ष पूरे होने से एक दिन पहले प्रधानमंत्री ने इसे आतंकवाद के खिलाफ भारत की निर्णायक प्रतिक्रिया बताया। उन्होंने कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक ने दुनिया के सामने भारत की आतंकवाद विरोधी नीति का नया उदाहरण रखा। बालाकोट एयर स्ट्राइक से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक भारत ने बार-बार यह संदेश दिया है कि आतंकवाद का जवाब दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवादी हमलों ने भारत को लंबे समय तक चोट पहुंचाई है। उन्होंने सितंबर 2008 के दिल्ली सीरियल ब्लास्ट और 26/11 मुंबई हमले का उल्लेख किया। उनके अनुसार पहले आतंकी हमलों के बाद कार्रवाई की मांग होती थी, लेकिन अब भारत आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर आगे बढ़ रहा है।

मोदी ने अमेरिका में 9/11 आतंकी हमले के 25 वर्ष पूरे होने का भी उल्लेख किया। उन्होंने हमले में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि दी। कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद अमेरिका यात्रा के दौरान उन्होंने न्यूयॉर्क में पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी थी। प्रधानमंत्री ने जनगणना को राष्ट्रीय दायित्व बताते हुए लोगों से इसमें भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनगणना का पहला चरण राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लगभग पूरा हो चुका है और 32 करोड़ से अधिक परिवारों की जानकारी दर्ज की जा चुकी है। मोबाइल के जरिए स्व-गणना की सुविधा भी उपलब्ध है। अब तक 2.60 करोड़ से अधिक लोग इस माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज कर चुके हैं।

बापू की जयंती पर स्वच्छता का आह्वान

दो अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती से पहले मोदी ने स्वच्छता को बापू के प्रमुख संदेशों में शामिल बताया। मध्य प्रदेश में नदी सफाई, आंध्र प्रदेश में बावड़ियों और कुओं की सफाई, मुंबई में समुद्र तटों की सफाई और दिल्ली में कचरा अलग करने के लिए चल रहे जनअभियानों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति से शुरू हुआ प्रयास जनभागीदारी से बड़ा अभियान बन सकता है। 27 सितंबर को विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अशोक सिंघल की 100वीं जयंती पर प्रधानमंत्री ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने राम जन्मभूमि आंदोलन में सिंघल के योगदान और सामाजिक भेदभाव के खिलाफ उनके प्रयासों का भी उल्लेख किया।

सर्राफा बाजार

गोल्ड	24 कैरेट	= 1,52,830/10 ग्राम
	22 कैरेट	= 1,40,100/10 ग्राम
	18 कैरेट	= 1,14,660/10 ग्राम
चांदी		= 2,45,000/किग्रा

संक्षिप्त समाचार

उत्तराखंड में 179 पर्वतारोही फंसे

देहरादून। खराब मौसम के चलते उत्तरकाशी में 10 ट्रेकिंग दलों के 136 पर्वतारोही विभिन्न स्थानों पर फंसे हैं। बागेश्वर में भी तीन दलों के 43 पर्वतारोहियों को सुरक्षित स्थानों पर रोका गया है। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र पहुंचकर राहत-बचाव अभियान की समीक्षा की। सभी पर्वतारोही सुरक्षित हैं और उपग्रह के जरिये संपर्क में हैं। मौसम अनुकूल रहने पर सोमवार को आठ हेलीकॉप्टरों से बचाव अभियान चलाया जाएगा।

जगह नहीं मिली तो महिला को दफनाया

हरदोई। सड़क हादसे में मृत मां-बेटे समेत तीन लोगों का रविवार को अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार स्थल पर पानी भरने और सूखी लकड़ी उपलब्ध न होने के कारण विद्यावती का दाह संस्कार नहीं हो सका। उन्हें दफन किया गया। अविवाहित बेटे सुहेल का शव भी दफनाया गया, जबकि बहनोई रमेश का दाह संस्कार किया गया। तीनों की शनिवार को सड़क हादसे में मौत हुई थी।

बश्नोई गिरोह के नाम पर रंगदारी का आरोप

रायपुर। कांग्रेस नेता आनंद कुकरेजा से लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के नाम पर 25 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने के मामले में पुलिस ने शोएब ढेबर को हिरासत में लिया है। पुलिस ने पहले एक युवक को पकड़ा था, जिसने करीब पांच हजार रुपये लेकर धमकी भरा फोन करने की बात स्वीकार की। पूछताछ में शोएब का नाम सामने आया। पुलिस मोबाइल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की जांच कर रही है। इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार पर यह तय किय जायेगा कि आरोपों में कितनी सत्यता है। यह आरोप यदि सही पाये जाते है तो कानूनी शिकंजा भी कसेगा।

एशियन गेम्स में भारत को पदकों की झड़ी

एक दिन में सात पदक

- चार रजत और तीन कांस्य मिलाकर अब तक 37 पदक हासिल
- सर्वेश, एंसी, अभय और अनाहत ने जीते रजत पदक

एजेंसी, नागोया।

दो और पदक पक्के

मुक्केबाजी में अंकुश पंघाल और प्रवीण हुड्डा ने अपने-अपने क्वार्टर फाइनल जीतकर भारत के दो और पदक पक्के कर दिए। अंकुश ने पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग में ताजिकिस्तान के नेक्रूज सलीमोव को 5-0 से हराया। प्रवीण ने महिलाओं के 65 किग्रा वर्ग में उज्बेकिस्तान की नवबहोर खामिदोवा को 5-0 से शिकस्त दी।उधर, मुरली श्रीशंकर और डेविड सोलोमन ने पुरुष लॉन्ग जंप के फाइनल में जगह बनाई है। महिला हॉकी टीम ने सिंगापुर को 7-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भारत का सामना 30 सितंबर को दक्षिण कोरिया से होगा।

एशियन गेम्स में रविवार को भारत ने पदकों की झड़ी लगा दी। आठवें दिन भारतीय खिलाड़ियों ने चार रजत और तीन कांस्य समेत सात पदक अपने नाम किए। इसके साथ ही भारत के कुल पदकों की संख्या 37 पहुंच गई है। इनमें चार स्वर्ण, 16 रजत और 17 कांस्य पदक शामिल हैं।

एथलेटिक्स में सर्वेश कुशारे ने पुरुषों की हाई जंप में रजत पदक जीता। उन्होंने 2.25 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाई। चीनी ताइपे के फू चाओ-शुआन ने स्वर्ण पदक जीता। सर्वेश 2.28 मीटर की ऊंचाई पार नहीं कर सके और काउंटबैक के आधार पर उन्हें रजत मिला।

महिला लॉन्ग जंप में एंसी सोजन ने 6.53 मीटर की छलांग के साथ रजत पदक जीता। चीन की हुआंग यिंगयिंग ने 6.55 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण हासिल किया। भारत की शैली सिंह 6.42 मीटर के साथ चौथे स्थान पर रहीं। स्क्वॉश में भारत को दो रजत मिले। अभय सिंह पुरुष एकल के फाइनल में मलेशिया के एनजी एइन योव से 0-3 से हार गए। वहीं अनाहत सिंह को महिला एकल के फाइनल में मलेशिया की सिवासंगरी सुब्रमण्यम ने 3-0 से हराया। दोनों भारतीय खिलाड़ियों को रजत पदक मिला। एथलेटिक्स में तेजस्विन शंकर ने डेकाथलॉन में 7934 अंक के साथ कांस्य जीता। जापान के युमा मारुयामा ने स्वर्ण और चीन के चेन शिंगहुआ ने रजत जीता। पारुल चौधरी ने महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज में 9:08.67 सेकेंड का समय निकालकर कांस्य पदक जीता। उन्होंने अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड बेहतर किया। हरिता भद्रा ने महिलाओं की 200 मीटर दौड़ में 23.20 सेकेंड के समय के साथ कांस्य हासिल किया। इस तरह एथलेटिक्स से भारत को एक दिन में पांच पदक मिले।

नेपाल में फिर बाढ़-भूस्खलन का कहर, छह की मौत

प्राकृतिक आपदा

- घर-पुल बहे, हाईवे बंद नारायणी नदी खतरे के निशान से दो मीटर ऊपर
- बुटवल में 1,000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित निकाला

एजेंसी, काठमांडू।

नेपाल में लगातार हो रही भारी बारिश ने एक बार फिर बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बढ़ा दिया है। कई नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ने से निचले इलाकों में पानी भर गया है। बाढ़ और भूस्खलन की अलग-अलग घटनाओं में अब तक छह लोगों की मौत हो चुकी है। बागलुंग में भूस्खलन से एक घर मलबे में दब गया। हादसे में एक महिला और उसके तीन बेटों की मौत हुई। पाल्पा जिले में भी दो लोगों की जान गई है।

बाढ़ के पानी और भूस्खलन से कई घर और पुल बह गए हैं। कई स्थानों पर हाईवे बंद होने से आवागमन प्रभावित हुआ है। बुटवल में बाढ़ प्रभावित इलाकों से 1,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला गया, जबकि करीब 200 परिवारों को एहतियातन घरों से हटाया गया है। निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने को कहा गया है। लगातार बारिश के कारण नारायणी समेत कई नदियों में उफान है।

देवघाट में रविवार सुबह 7:45 बजे नारायणी नदी का जलस्तर 11 मीटर दर्ज किया गया। यह खतरे के निशान से करीब दो मीटर ऊपर है। अधिकारियों ने जलस्तर और बढ़ने की आशंका जताई है। चितवन में नदी का पानी घाट पर बनी बुद्ध की प्रतिमा तक पहुंच गया है। कई नदी किनारे के घर भी बाढ़ की चपेट में आए हैं। बाढ़ का असर नेपाल के बिजली उत्पादन पर भी पड़ा है।

बैंक कर्मियों की तीन दिवसीय हड़ताल आज से

समृद्धि न्यूज, लखनऊ। पांच दिवसीय बैंकिंग, भेदभाव रहित पीएलआई योजना समेत लंबित मांगों के समर्थन में बैंक कर्मचारियों ने रविवार को काला दिवस मनाया। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस की लखनऊ जिला इकाई से जुड़े कर्मचारियों ने काला फीता बांधकर और काले कपड़े पहनकर काम किया। फोरम ने कहा कि मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। सोमवार से बुधवार तक तीन दिन देशव्यापी बैंक हड़ताल रहेगी। जिला संयोजक अनिल श्रीवास्तव ने बताया कि रिजर्व बैंक के अनुमोदन पर इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) ने रविवार को बैंक खोलने के लिए कार्य दिवस घोषित किया था। फोरम ने इसका विरोध किया।

डिप्टी सीएम प्रवेश ने युवक को मारा थप्पड़

- सड़क की गुणवत्ता पर तीखी बहस के बाद युवक से भिड़े मंत्री
- बोले- परिवार को गाली देने पर गुस्से में दी प्रतिक्रिया

एजेंसी, नई दिल्ली।

दिल्ली के तिलक नगर में रविवार को सड़क निर्माण की गुणवत्ता को लेकर चल रहा विवाद उस समय गरमा गया, जब उपमुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण विभाग मंत्री प्रवेश वर्मा ने वीडियो बना रहे एक युवक को थप्पड़ मार दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद आम आदमी पार्टी ने भाजपा सरकार और प्रवेश वर्मा पर हमला बोल दिया।

मामला तिलक नगर में सड़क निरीक्षण से जुड़ा है। स्थानीय आम आदमी पार्टी विधायक जरनैल सिंह भी मौके पर पहुंचे थे। उन्होंने सड़क की ऊपरी परत का हिस्सा हाथ से उखाड़कर उसकी गुणवत्ता पर सवाल उठाए। इस दौरान उनकी प्रवेश वर्मा से तीखी बहस हुई। जरनैल सिंह ने कहा कि ऐसी सड़क 15 घंटे भी नहीं चल सकती। वर्मा ने जवाब दिया कि पिछली सरकार 15 साल में सड़क नहीं बना पाई। बहस के बाद प्रवेश वर्मा अपनी गाड़ी की ओर बढ़े। इसी दौरान एक युवक मोबाइल से उनका वीडियो बना रहा था। सामने आए वीडियो में वर्मा युवक का मोबाइल नीचे करते और उसके बाद उसके चेहरे पर थप्पड़ मारते दिखाई दे रहे हैं। सुरक्षाकर्मियों और वहां मौजूद लोगों ने युवक को पीछे किया। युवक ने आरोप लगाया कि उसके साथ मारपीट की गई और बाद में धमकी भी दी गई।

एसआईआर पर भ्रम फैला रहा समूचा विपक्ष : मुख्यमंत्री

समृद्धि न्यूज, लखनऊ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अपने सरकारी आवास पर पत्रकारों से बातचीत में एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) को लेकर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी दलों पर निशाना साधा।

उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक स्वार्थ के लिए संवैधानिक संस्थाओं को कटघरे में खड़ा किया जा रहा है और इससे लोकतांत्रिक मूल्यों को नुकसान पहुंचता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एसआईआर पहली बार नहीं हो रहा है। इस बार कांग्रेस, सपा और अन्य दलों ने एसआईआर को लेकर अनावश्यक भ्रम पैदा किया है।

(विस्तृत खबर पेज 3 पर)

पेपर लीक के बाद एनटीए के गोपनीय केंद्रों पर सीआईएसएफ का पहरा

एजेंसी, नई दिल्ली। पेपर लीक और परीक्षा व्यवस्था में गड़बड़ियों को लेकर उठे सवालों के बीच राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने अपने गोपनीय परीक्षा कार्यों की सुरक्षा कड़ी कर दी है। नई दिल्ली स्थित एनटीए कार्यालय में अब केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के 39 जवान तैनात किए गए हैं। जवान परीक्षा से जुड़े संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा के साथ वहां आने-जाने वालों पर भी नजर रखेंगे। सीआईएसएफ की तैनाती सरकार के नए मिंटो रोड स्थित भारत सरकार प्रेस भवन में की गई है। यहां एनटीए के परीक्षा संबंधी गोपनीय कामकाज से जुड़े क्षेत्र हैं।

रूस ने भारत की स्थायी सदस्यता का किया समर्थन

एजेंसी, न्यूयॉर्क।

- एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका का प्रतिनिधित्व बढ़े : लावरोव
- जर्मनी-जापान को नई स्थायी सीट देने का विरोध

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता की मांग को रूस का खुला समर्थन मिला है। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने शनिवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में कहा कि सुरक्षा परिषद में एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका का प्रतिनिधित्व बढ़ाया जाना चाहिए। रूस भारत और ब्राजील की स्थायी सदस्यता की दावेदारी का समर्थन करता है। साथ ही उन्होंने जर्मनी और जापान को अतिरिक्त स्थायी सीट देने का विरोध किया।

लावरोव ने कहा कि सुरक्षा परिषद में सुधार के दौरान मौजूदा स्थायी सदस्यों के अधिकार और शक्तियां कम नहीं होनी चाहिए। रूस की यह स्थिति 22 सितंबर को क्रेमलिन की उस बात के अनुरूप भी है, जिसमें सुरक्षा परिषद में नए स्थायी सदस्यों को शामिल करने का समर्थन करते हुए मौजूदा वीटो व्यवस्था बनाए रखने की बात कही गई थी।

भारत की स्थायी सदस्यता को हाल के दिनों में कई देशों का समर्थन मिला है। 22 सितंबर को हंगरी, पोलैंड, स्लोवाकिया और चेक गणराज्य वाले वीसग्राद समूह ने भी भारत की दावेदारी का समर्थन किया था। मॉरीशस और पुर्तगाल ने भी संयुक्त राष्ट्र सुधार और भारत की स्थायी सदस्यता के पक्ष में रुख जताया है।

ट्रंप ने ईरान का सात दिन में युद्ध खत्म करने का ठुकराया प्रस्ताव

एजेंसी, न्यूयॉर्क।

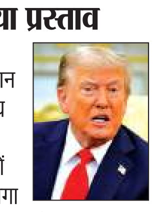

अमेरिका और ईरान के बीच जारी सैन्य संघर्ष को खत्म करने की कोशिशों को बड़ा झटका लगा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के सात दिन में युद्ध रोकने और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज खोलने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। ट्रंप ने कहा कि ईरान मुश्किल में है और इसी वजह से वह तत्काल होर्मुज खोलने का समझौता करना चाहता है। इसके जवाब में ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि संकट का समाधान बातचीत के जरिए ही निकल सकता है।

प्रदेश के 26 जिलों में बाढ़ का कहर कई नदियां खतरे के निशान के पार

- चित्रकूट में एक सीजन में 10वीं बार लाल निशान के पार पहुंची नदी

समृद्धि न्यूज, लखनऊ।

उत्तर प्रदेश में बारिश और बाढ़ का संकट एक बार फिर गहरा गया है। प्रदेश के 26 जिलों में बाढ़ का असर है, जबकि करीब 63 जिलों में बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ है। चित्रकूट में मंदाकिनी ने इस सीजन में 10वीं बार खतरे का निशान पार कर चिंता बढ़ा दी। उधर सिद्धार्थनगर में बूढ़ी राप्ती, तेलार, कूड़ा और बानगंगा नदियां लाल निशान के ऊपर बह रही हैं। श्रावस्ती में राप्ती भी खतरे के निशान से ऊपर है। ऐसे में पूर्वी उत्तर प्रदेश से बुंदेलखंड तक कई इलाकों में बाढ़ का खतरा फिर मंडराने लगा है। पहाड़ी क्षेत्रों और मध्य प्रदेश में तीन दिन से हो रही बारिश का असर मंदाकिनी पर पड़ा। शनिवार को नदी रामघाट में खतरे के निशान के ऊपर पहुंच गई। रविवार को जलस्तर करीब दो मीटर घटकर 124.750 मीटर पर आया, लेकिन नदी करीब 20 घंटे से अधिक समय तक खतरे के निशान के आसपास रही। रामघाट की 200 से अधिक दुकानों में दो से तीन फीट पानी घुस गया।

उपलब्धि

निर्यात 63 प्रतिशत बढ़कर 38 हजार करोड़ के करीब पहुंचा

रक्षा उत्पादन में भारत की बड़ी छलांग, 1.80 लाख करोड़ का रिकॉर्ड

- 80 से अधिक देशों तक पहुंची भारतीय रक्षा सामग्री
- रक्षा क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी भी बढ़ी

एजेंसी, नई दिल्ली।

भारत का रक्षा उद्योग स्वदेशीकरण और वैश्विक विस्तार के नए चरण में पहुंच गया है। वित्त वर्ष 2026 में देश का रक्षा उत्पादन रिकॉर्ड 1.80 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। यह वित्त वर्ष 2025 के मुकाबले 15.6 प्रतिशत अधिक है। रक्षा निर्यात ने भी बड़ी छलांग लगाई और करीब 38 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया। इसमें सालाना 63 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। भारत अब 80 से अधिक देशों को रक्षा उत्पाद और प्रणालियां निर्यात कर रहा है। अमेरिका, फ्रांस और आर्मेनिया प्रमुख खरीदारों में शामिल हैं।

एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की रक्षा क्षेत्र पर जारी रिपोर्ट के मुताबिक, सरकारी खरीद में बदलाव, निजी उद्योग की बढ़ती भागीदारी, स्वदेशी डिजाइन क्षमता और बड़े रक्षा कार्यक्रमों ने उत्पादन को गति दी है। सरकार ने वित्त वर्ष 2029 तक रक्षा उत्पादन को तीन लाख करोड़ रुपये और रक्षा निर्यात को 50 हजार करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।

रक्षा उपकरणों के घरेलू निर्माण को बढ़ावा देने के लिए स्वदेशीकरण अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है। पांच सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियों में 5,012 महत्वपूर्ण वस्तुओं को शामिल किया गया है। इनमें से 3,025 वस्तुओं का स्वदेशीकरण पूरा हो चुका है। वहीं, सृजन पोर्टल के माध्यम से स्वदेशीकरण के लिए 38 हजार से अधिक वस्तुओं की पहचान की गई। इनमें 13,900 से अधिक का स्वदेशीकरण हो चुका है।

रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी भी लगातार बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2025 में कुल रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 22 प्रतिशत थी, जो वित्त वर्ष 2026 में बढ़कर 24 प्रतिशत हो गई। निजी क्षेत्र का उत्पादन करीब 42 हजार करोड़ रुपये रहा। भारतीय कंपनियां अब केवल तय डिजाइन के आधार पर निर्माण तक सीमित नहीं हैं। वे डिजाइन तैयार करने, जटिल प्रणालियों को एकीकृत करने और सेना की जरूरत के मुताबिक समाधान विकसित करने की दिशा में भी आगे बढ़ रही हैं। वित्त वर्ष 2027 के लिए रक्षा पूंजीगत परिव्यय करीब 1.90 लाख करोड़ रुपये रखा गया है। यह पिछले वर्ष से 24 प्रतिशत अधिक है। आधुनिकीकरण के करीब 1.40 लाख करोड़ रुपये के बजट में 75 प्रतिशत हिस्सा घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित किया गया है। वायुसेना के लिए तेजस एमके-2, सुखोई-30 एमकेआई के उन्नयन, अतिरिक्त एस-400 और मध्यम परिवहन विमान समेत कई कार्यक्रमों पर काम चल रहा है। सेना की योजनाओं में भविष्य के पैदल सेना लड़ाकू वाहन, भविष्य के लिए तैयार लड़ाकू वाहन, क्यूआरएसएएम, आकाश-एनजी, पिनाका और ड्रोन आधारित हथियार प्रणालियां शामिल हैं। नौसेना भी प्रोजेक्ट-75आई, अतिरिक्त स्कॉर्पीन पनडुब्बियों, अगली पीढ़ी के फ्रिगेट और अन्य स्वदेशी प्रणालियों पर आगे बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2026 में रक्षा अधिग्रहण परिषद ने करीब 6.8 लाख करोड़ रुपये के 55 प्रस्तावों को आवश्यकता की स्वीकृति दी।

डीएम ने फसलों की हुई क्षति का लिया जायजा

- जिलाधिकारी ने ग्रामीणों से किया संवाद
- घाघराघाट पहुंच कर नदी के जल स्तर का लिया जायज़ा

समृद्धि न्यूज, बहराइच।

जिले में लगातार हो रही भारी बारिश और नदियों के बढ़ते जलस्तर के बीच जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने रविवार को तहसील कैसरगंज के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर फसलों को हुए नुकसान का जायजा लिया। पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव, मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार धनवंता समेत अन्य अधिकारियों के साथ डीएम खेतों की पगडंडियों तक पहुंचे और धान, गन्ना व केला आदि फसलों की क्षति का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं भी जानीं।

जिलाधिकारी ने संजय सेतु पहुंचकर घाघरा नदी के जलस्तर की स्थिति देखी। बताया गया कि एल्गिन ब्रिज पर नदी का जलस्तर खतरे के निशान 106.07 मीटर के सापेक्ष 106.14 मीटर दर्ज किया गया है। डीएम ने सभी उप जिलाधिकारियों को अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहने और नदियों के जलस्तर पर सतर्क निगरानी रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने ग्रामीणों से अनावश्यक रूप से पानी में न जाने और बच्चों की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतने की अपील की। जलभराव या बाढ़ की स्थिति में प्रभावित लोगों को हरसंभव मदद करने के निर्देश भी दिए। डीएम ने राजस्व एवं कृषि विभाग की संयुक्त टीम गठित कर बारिश से प्रभावित फसलों का पारदर्शी सर्वे कराने को कहा। वास्तविक रूप से प्रभावित किसानों का विवरण तैयार कर शासन के मानकों के अनुसार पात्र किसानों को क्षतिपूर्ति दिलाने की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

आपात स्थिति में तहसील प्रशासन या आपदा कंट्रोल रूम के 230132 तथा टोल फ्री 1077 पर सूचना देने को कहा गया। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से जुड़े किसान नुकसान की सूचना 72 घंटे के भीतर बीमा कंपनी, बैंक, कृषि विभाग या 14447 पर दें।

खेत-खेत पहुंचीं एसडीएम, परखी फसल क्षति

मिहींपुरवा। लगातार बारिश और तेज हवाओं से फसलों को हुए नुकसान का जायजा लेने एसडीएम मोनालिसा जौहरी ने रविवार को गायघाट, रायबोझा, पुरैना भवानी भवश, सरौमुंदी और कुड़वा गांवों का निरीक्षण किया। उन्होंने किसानों, ग्राम प्रधानों और पंचायत सहायकों से नुकसान की जानकारी ली। एसडीएम ने तहसीलदार व लेखपालों को निर्देश दिया कि फसल क्षति का आकलन मौके पर जाकर निष्पक्षता से किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि रिपोर्ट कागजों तक सीमित न रहे और वास्तविक नुकसान दर्ज किया जाए। लापरवाही मिलने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई। उन्होंने जलभराव व आपदा की संभावित स्थिति को देखते हुए संवेदनशील क्षेत्रों पर नजर रखने और जरूरत पड़ने पर राहत-बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, लेखपाल सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

जरवल ब्लॉक में भ्रष्टाचार का मास्टर मस्टर रोल

समृद्धि न्यूज
कैसरगंज बहराइच।

शुक्रवार को क्षेत्र में मूसलाधार बारिश और जलभराव के चलते जनजीवन प्रभावित रहा। इसी बीच जरवल ब्लॉक की कुछ ग्राम पंचायतों में मनरेगा के तहत मिट्टी खुदाई-पटाई और रास्ता निर्माण से जुड़े कार्यों के लिए ऑनलाइन हाजिरी दर्ज होने का मामला सामने आया है। इन प्रविष्टियों को लेकर ग्रामीणों ने कार्यस्थल पर वास्तविक उपस्थिति और सरकारी पोर्टल पर दर्ज हाजिरी के बीच अंतर होने की आशंका जताते हुए जांच की मांग की है।

सरकारी पोर्टल पर 25 सितंबर 2026 को उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, ग्राम पंचायत अठैसा में तीन कार्यों के लिए सात मस्टर रोल जारी किए गए और 44 श्रम दिवस दर्ज हुए। भरथा सहबाजपुर में एक कार्य के तहत नौ मस्टर रोल पर 62 श्रम दिवस, चहलार में आठ मस्टर रोल के माध्यम से 70 श्रम दिवस, धनसरी में छह मस्टर रोल पर 37 मानव दिवस तथा उपधी में दो मस्टर रोल के जरिए 20 श्रम दिवस दर्ज किए गए।

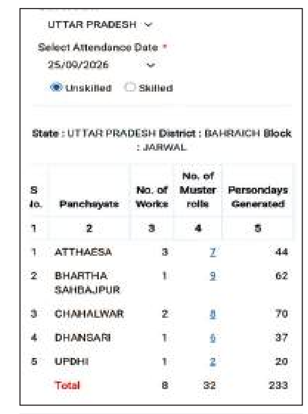

UTTAR PRADESH
Select Attendance Date: 25/09/2026
Unskilled / Skilled
State : UTTAR PRADESH District : BAHRAICH Block : JARWAL

S No.	Panchayats	No. of Works	No. of Muster rolls	Persondays Generated
1	2	3	4	5
1	ATTHAESA	3	7	44
2	BHARTHA SAHBAJPUR	1	9	62
3	CHAHALWAR	2	8	70
4	DHANSARI	1	6	37
5	UPDHI	1	2	20
	Total	8	32	233

- बारिश में भी 32 मस्टर रोल पर 233 फर्जी हाजिरी दर्ज

इस प्रकार इन पांच ग्राम पंचायतों में कुल 32 मस्टर रोल के माध्यम से 233 श्रम दिवस दर्ज होने की जानकारी पोर्टल पर दिखाई दे रही है। हालांकि, इन प्रविष्टियों के आधार पर वास्तविक रूप से कितने मजदूरों ने काम किया और कितने श्रम दिवस का भुगतान हुआ, इसकी स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हो सकी है।

मामले को लेकर कुछ ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि ऐसे लोगों के नाम मस्टर रोल में दर्ज किए गए, जो नियमित मजदूरी करने की स्थिति में नहीं हैं। इनमें वृद्धावस्था पेंशन प्राप्त करने वाले बुजुर्गों और प्राथमिक विद्यालय की रसोइया के नाम शामिल होने का दावा किया गया है। यदि ये दावे सही पाए जाते हैं तो यह मनरेगा अभिलेखों की जांच का विषय हो सकता है।

ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से मौके पर कार्य की जांच, मजदूरों की उपस्थिति का सत्यापन और भुगतान संबंधी अभिलेखों की जांच कराने की मांग की है। मामले में संबंधित विभाग का पक्ष मिलने के बाद स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

खबरें एक नजर में

मोदी के मन की बात को किया आत्मसात

बहराइच। भारतीय जनता पार्टी द्वारा रविवार को जनपद के सभी संगठनात्मक बूथों पर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात के प्रसारण को सामूहिक रूप से सुना गया। इस अवसर पर जिले के तमाम जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने क्षेत्रों व बूथों पर आम जनता के साथ बैठकर प्रधानमंत्री के संबोधन को सुना। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में देश की प्रगति, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने (वोकल फॉर लोकल) और विभिन्न क्षेत्रों में अनुकरणीय कार्य कर रहे नागरिकों के प्रयासों की सराहना की। उनके इस उद्बोधन से उपस्थित कार्यकर्ताओं और आम जनमानस में भारी उत्साह देखने को मिला। जिले में कार्यक्रम के निमित्त आयोजित विभिन्न बैठकों में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह कार्यक्रम दलगत राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्र निर्माण और समाज सुधार की प्रेरणा देता है। प्रत्येक महीने के अंतिम रविवार को होने वाला यह कार्यक्रम समाज में सकारात्मक बदलाव ला रहा है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष, क्षेत्रीय विधायक, सांसद, विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, सेक्टर प्रभारी और सम्मानित बूथ अध्यक्षों सहित भारी संख्या में स्थानीय नागरिक और देवतुल्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने प्रधानमंत्री के विचारों को आत्मसात कर राष्ट्रहित में अपना योगदान देने का संकल्प लिया।

भूमि विवादों पर मौके पर कार्रवाई के निर्देश

बलरामपुर। थाना तुलसीपुर में 26 सितंबर को जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन और पुलिस अधीक्षक मार्तण्ड प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में थाना समाधान दिवस आयोजित हुआ। अधिकारियों ने फरियादियों की शिकायतें सुनकर संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनशिकायतों का समाधान केवल औपचारिकता तक सीमित न रहे, बल्कि शिकायतकर्ता की वास्तविक समस्या का समाधान सुनिश्चित किया जाए। भूमि विवादों के मामलों में पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम मौके पर जाकर स्थलीय जांच करे और नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करे। उन्होंने अधिकारियों को शिकायतों के निस्तारण में अनावश्यक देरी न करने तथा पूरी पारदर्शिता के साथ कार्रवाई के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अधिकारियों को राजस्व विभाग के साथ समन्वय बनाकर मामलों का प्रभावी निस्तारण करने को कहा। इस दौरान एसडीएम तुलसीपुर हेमंत गुप्ता, क्षेत्राधिकारी तुलसीपुर तथा पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

स्वास्थ्य शिविर का 109 मरीजों ने उठाया लाभ

बलरामपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत रविवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उतरौला में स्वास्थ्य परीक्षण एवं जागरूकता शिविर आयोजित हुआ। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने शिविर का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली और मरीजों से सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।
शिविर में 109 मरीजों की रक्तचाप, ब्लड शुगर सहित विभिन्न जांचें की गईं और चिकित्सकीय परामर्श के बाद आवश्यक दवाएं वितरित की गईं। आयुष्मान भारत योजना के तहत 12 पात्र लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। गर्भवती महिलाओं, बच्चों और किशोर-किशोरियों को भी स्वास्थ्य सेवाएं एवं परामर्श दिया गया। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में रविवार को 35 मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले आयोजित हुए। इनमें 1,324 मरीजों का उपचार किया गया। इसमें 590 पुरुष, 511 महिलाएं और 223 बच्चे शामिल रहे। मेलों में जांच, उपचार, दवा वितरण और स्वास्थ्य परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इस दौरान अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. बीपी सिंह, जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा, सीएचसी उतरौला अधीक्षक डॉ. चंद्र प्रकाश, डॉ. श्याम जी श्रीवास्तव, जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

मृत चार लोगों के परिजनों से मिले विधायक

बलरामपुर। भीषण चक्रवात और पेड़ गिरने से हुई दुर्घटना में मृत चार लोगों के परिजनों से रविवार को सदर विधायक पलटू राम ने संयुक्त चिकित्सालय स्थित पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर मुलाकात की। उन्होंने शोकाकुल परिवारों को सांत्वना देते हुए हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। विधायक ने संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर आपदा राहत कोष से प्रत्येक मृतक के आश्रित परिवार को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता शीघ्र दिलाने की मांग की। उन्होंने राहत राशि की प्रक्रिया तत्काल पूरी कराने की बात कही। मृतकों में कलंदरपुर निवासी प्रेम नारायण शुक्ला व उनकी पत्नी चंपा देवी, जिगना निवासी रेनू देवी और पचौथा निवासी संदीप कुमार गौतम शामिल हैं। विधायक ने घटना को बेहद दुखद बताते हुए पीड़ित परिवारों के साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया। इस दौरान भाजपा जिला उपाध्यक्ष बृजेंद्र तिवारी समेत पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और मृतकों के परिजन मौजूद रहे।

नुक्कड़ नाटक से योजनाओं का संदेश

बलरामपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत रविवार को लालपुर चौराहा और मणिपुर साप्ताहिक बाजार में नुक्कड़ नाटक व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कलाकारों ने रोचक प्रस्तुतियों के माध्यम से लोगों को जनकल्याणकारी योजनाओं, सामाजिक जिम्मेदारी और जनभागीदारी के प्रति जागरूक किया।
स्थानीय संवाद शैली में प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक के जरिए पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ लेने तथा आसपास के जरूरतमंद लोगों को भी इसकी जानकारी देने के लिए प्रेरित किया गया। भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर आयोजित कार्यक्रमों से जनकल्याणकारी योजनाओं का संदेश सीधे आमजन तक पहुंचा। सेवा संकल्प अभियान के तहत विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं के प्रचार-प्रसार के साथ पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ने के लिए जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

हैदरगढ़-बाराबंकी मार्ग होगा डबल लेन

समृद्धि न्यूज, बाराबंकी।

हैदरगढ़-बाराबंकी मार्ग पर स्थित रेलवे क्रॉसिंग पर लंबे समय से बनी जाम की समस्या से अब क्षेत्रवासियों को राहत मिलने की उम्मीद जगी है। रेलवे क्रॉसिंग के ऊपर डबल लेन उपरगामी पुल के निर्माण को स्वीकृति प्रदान करते हुए करीब 84 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की गई है। पुल के निर्माण से रेलवे क्रॉसिंग पर बार-बार लगने वाले जाम से निजात मिलने के साथ ही क्षेत्र में आवागमन अधिक सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित होने की उम्मीद है।

इस संबंध में विधायक दिनेश रावत ने पत्रकारों से वार्ता कर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हैदरगढ़ क्षेत्र के विकास को गति देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। रेलवे क्रॉसिंग पर आरओबी का निर्माण क्षेत्र के लिए

- 84 करोड़ रुपये की धनराशि जारी
- रेलवे क्रॉसिंग पर जाम से मिलेगी राहत

महत्वपूर्ण परियोजना है, जिससे स्थानीय लोगों के साथ-साथ हैदरगढ़-बाराबंकी मार्ग से गुजरने वाले यात्रियों को भी सुविधा मिलेगी। विधायक दिनेश रावत ने कहा कि हैदरगढ़ के विकास की यात्रा निरंतर जारी है। मेरे हैदरगढ़ का विकास ही मेरी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में सड़क, आवागमन और अन्य मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए आगे भी प्रयास जारी रहेंगे। आरओबी निर्माण की स्वीकृति और धनराशि जारी होने की जानकारी मिलने पर क्षेत्रवासियों ने खुशी जताई। लोगों ने इस महत्वपूर्ण विकास कार्य के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और विधायक दिनेश रावत के प्रति आभार व्यक्त किया। क्षेत्रवासियों का कहना है कि रेलवे क्रॉसिंग पर आरओबी बनने से जाम की समस्या काफी हद तक कम होगी और रोजाना आवागमन करने वाले लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। स्थानीय लोगों के अनुसार रेलवे क्रॉसिंग बंद होने के दौरान दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग जाती है, जिससे यात्रियों को काफी समय तक इंतजार करना पड़ता है। ऐसे में डबल लेन उपरगामी पुल का निर्माण हैदरगढ़ क्षेत्र के यातायात के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

पुलिस यार्ड के लिए आवंटित भूमि का डीएम ने किया निरीक्षण

- बनवारी गोपालपुर के तालाब को होगा जीर्णोद्धार

समृद्धि न्यूज, बहराइच।

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव, मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार धनवंता के साथ तहसील व परगना बहराइच अन्तर्गत ग्राम रिसिया जमाल में पुलिस यार्ड के निर्माण हेतु आवंटित 4.000 हेक्टयर क्षेत्रफल भूमि श्रेणी 5-3(ड) बंजर भूमि का स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर डीएम श्री पाण्डेय ने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देश दिया कि ग्राम बनवारी गोपालपुर स्थित तालाब

का विकसित भारत रोज़गार और आजीविका मिशन की गारंटी (वीबी जी राम जी) योजना से सुदृढ़ीकरण एवं सौन्दर्यीकरण कराया जाय तथा पुलिस यार्ड की भूमि का समतलीकरण कराकर पहुंच मार्ग को विकसित किया जाय। इस अवसर पर थानाध्यक्ष रिसिया करूणाकर पाण्डेय, राजस्व निरीक्षक राम सजीवन पाण्डेय व लेखपाल मनीष मौर्या मौजूद रहे।

80 घंटे की बारिश-तेज हवा से फसलें बर्बाद

समृद्धि न्यूज, रामनगर, बाराबंकी। करीब 80 घंटे तक चली तेज हवाओं और बारिश से क्षेत्र में किसानों की तैयार फसलें बर्बाद हो गईं। धान, गन्ना, मक्का और उड़द की फसलें खेतों में धराशायी हो गईं। सबसे अधिक नुकसान धान को हुआ है। पानी में पड़ी धान की बालियां खराब होने के साथ कई जगह अंकुरित भी होने लगी हैं।

किसानों के मुताबिक फसल गिरने से कटाई और मजदूरी का खर्च बढ़ गया है, जिससे आर्थिक संकट और गहरा गया है। तेज हवाओं से कई पेड़ भी गिर गए, जिससे आवागमन प्रभावित हुआ। किसानों ने प्रशासन से जल्द फसल सर्वे कराकर उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है।

जलभराव से आवागमन मुश्किल

समृद्धि न्यूज
फतेहपुर बाराबंकी।

कई दिनों से हो रही बारिश के कारण फतेहपुर कस्बे और ग्रामीण इलाकों में जलभराव हो गया है। प्रमुख जगहों पर पानी भरने से लोगों को आने-जाने में दिक्कत हो रही है।जल निकासी के सही इंतजाम न होने से समस्या बढ़ गई है।

फतेहपुर तहसील परिसर के मुख्य गेट और नेशनल इंटर कॉलेज के मैदान में पानी भर गया है।इससे छात्रो और शिक्षकों को परेशानी हो रही है।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहपुर के परिसर में भी जलभराव है। अस्पताल आने वाले मरीजों और उनके तीमारदारों को पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है, जिससे उन्हें इलाज तक पहुंचने में दिक्कत हो रही है।

फतेहपुर नगर में रामबाबू होटल के पास मुख्य सड़क पर भी बारिश का पानी जमा है। इससे पैदल चलने वालों और दोपहिया वाहन चालकों को आने-जाने में परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों ने विभाग से जल निकासी के इंतजाम ठीक करने और जमा पानी निकालने की मांग की है।उनका कहना है कि बारिश जारी रही तो हालात और खराब हो सकते हैं।

राज्यमंत्री ने किसानों को दिया मदद का भरोसा

समृद्धि न्यूज
रामसनेहीघाट बाराबंकी।

लगातार तीन दिनों से हो रही भारी बारिश से किसानों की धान, केला, गन्ना समेत विभिन्न फसलों को हुए नुकसान के बीच खाद्य एवं रसद राज्य मंत्री सतीश शर्मा ने किसानों को भरोसा दिलाया कि प्राकृतिक आपदा की इस घड़ी में सरकार उनके साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा कि फसल क्षति का पारदर्शी और शीघ्र सर्वे कराया जाएगा तथा नियमानुसार पात्र किसानों को राहत एवं क्षतिपूर्ति उपलब्ध कराई जाएगी।

रविवार को विधानसभा दरियाबाद के तहसील रामसनेहीघाट क्षेत्र के ग्राम इब्राहिमाबाद सहित प्रभावित इलाकों में मंत्री सतीश शर्मा ने एसडीएम बृजेंद्र उपाध्याय के साथ स्थलीय निरीक्षण

किया। खेतों में पहुंचकर उन्होंने बारिश से प्रभावित धान, केला, गन्ना और अन्य फसलों की स्थिति देखी। इस दौरान किसानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और फसल नुकसान की जानकारी ली।

मंत्री ने एसडीएम को निर्देश दिया कि राजस्व कर्मियों के माध्यम से तहसील क्षेत्र में बारिश से हुई फसल क्षति का वास्तविक आकलन कराया जाए। सर्वे में किसी पात्र किसान का नुकसान छूटने न पाए और रिपोर्ट पारदर्शी तरीके से तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि सर्वे पूरा होने के बाद नियमानुसार किसानों को राहत और क्षतिपूर्ति दिलाने की कार्रवाई प्राथमिकता से की जाए।

सतीश शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार किसानों के हितों के प्रति संवेदनशील है। प्राकृतिक आपदा से किसानों को हुई क्षति सरकार के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने अधिकारियों को राहत कार्य में किसी तरह की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान राजस्व कर्मियों के साथ प्रदीप द्विवेदी समेत कई भाजपा नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पीडीए महापंचायत से सपा ने फूंका 2027 का बिगुल

- श्याम लाल पाल ने भाजपा सरकार पर साधा निशाना
- रोजगार, पेपर लीक और बुनकरों के मुद्दे उठाए

समृद्धि न्यूज, अम्बेडकरनगर।

विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के बीच समाजवादी पार्टी ने टांडा विधानसभा क्षेत्र में पीडीए महापंचायत के जरिए चुनावी सक्रियता का संदेश दिया। महापंचायत में मुख्य अतिथि सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल रहे।

उन्होंने भाजपा सरकार पर पीडीए समाज के हितों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए युवाओं के रोजगार, भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक और बुनकरों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया।

बुनकरों के मुद्दे पर भी घेरा

टांडा की बड़ी बुनकर आबादी से जुड़े मुद्दे पर श्याम लाल पाल ने सपा सरकार के पिछले कार्यकाल का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि उस दौरान बुनकरों को बाजार उपलब्ध कराने के साथ निर्धारित दर पर बिजली की सुविधा दी गई थी। उन्होंने दावा किया कि सपा सरकार बनने पर बुनकरों के हित में फिर योजनाएं और सुविधाएं लागू की जाएंगी। महापंचायत में सामाजिक न्याय, रोजगार, बुनकरों की समस्याओं तथा पिछड़े-दलित वर्गों से जुड़े मुद्दे प्रमुख रहे। सम्मेलन के जरिए सपा ने 2027 के लिए अपने प्रमुख मुद्दों की दिशा स्पष्ट करने की कोशिश की।

श्याम लाल पाल ने कहा कि सरकार ने युवाओं को रोजगार देने के बड़े वादे किए, लेकिन नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं को निराशा हाथ लगी। भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने सरकार से युवाओं के रोजगार और उनके भविष्य से जुड़े सवालों का जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सामाजिक न्याय पर आधारित सरकार की जरूरत है और समाजवादी पार्टी इसी मुद्दे को लेकर जनता के बीच जा रही है।

सपा प्रदेश अध्यक्ष ने वर्ष 2027 में पार्टी की सरकार बनने तथा अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री बनने का दावा किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया।

टांडा में सजी काव्य संध्या

हास्य-व्यंग्य से गूंजा सभागार

समृद्धि न्यूज, अम्बेडकरनगर।

हिंदी पखवाड़ा-2026 के तहत एनटीपीसी टांडा में काव्य सम्मेलन आयोजित हुआ।

सुप्रसिद्ध कवि अरुण जेमिनी, राजेश अग्रवाल, उपेंद्र पांडेय और शैलेंद्र मधुर ने हास्य-व्यंग्य, देशभक्ति और समसामयिक विषयों पर रचनाएं प्रस्तुत कर श्रोताओं को खूब गुदगुदाया और सोचने पर मजबूर किया। देशभक्ति की कविताओं ने माहौल में जोश भरा। हर प्रस्तुति पर देर तक तालियां गूंजती रहीं।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी ईशा प्रिया, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) रंजीत कुमार और एनटीपीसी टांडा के परियोजना प्रमुख राजीव कुमार सिन्हा सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। काव्य संध्या ने हिंदी पखवाड़े में साहित्य और संस्कृति का रंग भर दिया।

थाना समाधान दिवस में सुनीं जनशिकायतें

समृद्धि न्यूज, बलरामपुर।

थाना तुलसीपुर में शनिवार को जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन एवं पुलिस अधीक्षक मार्तण्ड प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में थाना समाधान दिवस आयोजित हुआ।

अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है। प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए ऐसा निस्तारण किया जाए, जिससे फरियादियों को बार-बार अधिकारियों के चक्कर न लगाने पड़ें।

भूमि विवाद से संबंधित मामलों में पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम को मौके पर जाकर स्थलीय जांच करने और नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने दोनों विभागों को आपसी समन्वय के साथ पारदर्शिता से कार्य करने को कहा। पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अधिकारियों को थाना समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई करने तथा राजस्व विभाग से जुड़े मामलों में संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम तुलसीपुर हेमंत गुप्ता, क्षेत्राधिकारी तुलसीपुर सहित पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

‘मन की बात’ के बहाने बूथों तक पहुंची सियासी हलचल

- अम्बेडकरनगर में अलग-अलग बूथों पर जुटे भाजपा कार्यकर्ता
- पीएम के संदेश के साथ संगठन ने दिखाया जमीनी जुड़ाव

समृद्धि न्यूज, अम्बेडकरनगर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम ‘मन की बात’ के 138वें संस्करण को रविवार को अम्बेडकरनगर जिले के विभिन्न बूथों पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से सुना। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय मुद्दों, जनभागीदारी, स्वच्छता और आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति जैसे विषयों पर प्रधानमंत्री के संदेशों को कार्यकर्ताओं तक पहुंचाया गया। बूथ स्तर पर हुई सक्रियता से भाजपा के संगठनात्मक जुड़ाव की तस्वीर भी सामने आई।

जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल देव के मार्गदर्शन और जिला उपाध्यक्ष डॉ. राना रणधीर सिंह के संयोजन में अलग-अलग बूथों पर कार्यक्रम आयोजित हुए।

बूथ संख्या 42 नासिरपुर अकबरपुर में कार्यक्रम सुनने के बाद ‘मन की बात’ कार्यक्रम प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक डॉ. मिथिलेश त्रिपाठी ने प्रधानमंत्री के संबोधन में आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति से जुड़े विषयों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक के दस वर्ष पूरे होने के संदर्भ में बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर का भी उल्लेख किया।

बूथ संख्या 196 प्राथमिक विद्यालय कटेहरी में कार्यक्रम सुनने के बाद डॉ. राना रणधीर सिंह ने जनगणना को नागरिकों की राष्ट्रीय जिम्मेदारी से जोड़ते हुए प्रधानमंत्री के आह्वान का उल्लेख किया। इस दौरान स्वच्छता को लेकर भी चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने युवाओं द्वारा नदियों, समुद्र तटों, कुओं, बावड़ियों और सार्वजनिक स्थलों की सफाई के प्रयासों का उल्लेख किया।

कार्यक्रम में एमएलसी डॉ. हरिओम पांडेय, विधायक धर्मराज निषाद, निवर्तमान जिलाध्यक्ष त्र्यंबक तिवारी, पूर्व जिलाध्यक्ष कपिल देव वर्मा, जिला पंचायत प्रशासक श्याम सुंदर वर्मा, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सुधीर सिंह मिंटू, चेयरमैन चंद्र प्रकाश वर्मा और जिला मीडिया प्रभारी वाल्मीकि उपाध्याय समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे डीएल संख्या 12750 में मेरा नाम हरि ओम पुत्र राम दुलारे अंकित है जबकि ऑनलाइन व ऑफिस रजिस्टर में हरि ओम पुत्र राम कुमार हो गया है। जबकि पिता का नाम राम दुलारे है। मेरे आधार कार्ड एवं बैंक पासबुक में हरि ओम पुत्र राम दुलारे अंकित है यह दोनों नाम मेरे और मेरे पिताजी के हैं। इसलिए मेरे डीएल में हरि ओम पुत्र राम दुलारे अंकित किया जाए।

हरि ओम पुत्र राम दुलारे ग्राम व पोस्ट उर्रा बाजार थाना मोतीपुर जिला बहराइच।
मो 9935774363

सूचना

मेरा हाई स्कूल परीक्षा वर्ष 2017 अनुक्रमांक 2123544 का अंक सह प्रमाण पत्र वास्तव में खो गया है।

गोलीराम वर्मा पुत्र मोतीलाल वर्मा लक्ष्मणनगर फतुहापुर श्रावस्ती

सूचना

सर्वसाधारण की सूचित किया जाता है कि मेरे एलआईसी पॉलिसी संख्या 213466407 मे मेरा नाम अभय कुमार मिश्रा पुत्र नरेंद्र कुमार मिश्रा अंकित है, जबकि मेरे आधार कार्ड एवं बैंक पासबुक में अभिषेक पुत्र नरेंद्र शास्त्री अंकित है यह दोनों नाम मेरेऔर मेरे पिता जी के है इसलिए मेरे एलआईसी पॉलिसी में अभिषेक पुत्र नरेंद्र शास्त्री अंकित किया जाए।

अभय कुमार मिश्रा उर्फ अभिषेक पुत्र नरेंद्र कुमार मिश्रा उर्फ नरेंद्र शास्त्री ग्राम हेमना पुर पोस्ट जैतापुर जिला बहराइच 6239865186

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पति तेज राम ने एलआईसी पॉलिसी संख्या 218156186 में नॉमिनी का नाम गीता देवी वर्मा रखा गया था जबकि मेरे आधार कार्ड बैंक पासबुक मेरा नाम सीमा देवी है। यह दोनों नाम मेरे ही है इसलिए मेरे पति की एलआईसी पॉलिसी में नॉमिनी में सीमा देवी अंकित किया जाए।

गीता देवी वर्मा उर्फ़ सीमा देवी पत्नी तेजराम ग्राम चाँदपारा पोस्ट महसी जिला बहराइच।

एसआईआर पर विपक्ष की हायतौबा दुर्भाग्यपूर्ण : योगी

- संवैधानिक संस्थाओं को कठघरे में खड़ा करना ठीक नहीं
- रामकाज में अशोक सिंघल शेर की तरह डटे रहे : सीएम

समृद्धि न्यूज, लखनऊ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल समेत अन्य विपक्षी दलों पर एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) को लेकर भ्रम फैलाने और संवैधानिक संस्थाओं को कठघरे में खड़ा करने का आरोप लगाया। अपने सरकारी आवास पर पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि राजनीतिक स्वार्थ के लिए लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल चुनाव जीतने पर इसे अपना पुरुषार्थ बताते हैं, लेकिन परिणाम प्रतिकूल आने पर चुनाव आयोग और ईवीएम पर सवाल खड़े करते हैं।

योगी ने कहा कि एसआईआर कोई नई प्रक्रिया नहीं है। देश में 1952, 1957, 1961, 1965-66 और 2003 में भी विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया अपनाई जा चुकी है। उन्होंने कहा कि इस बार कांग्रेस, सपा, राजद और अन्य दलों की ओर से जिस तरह विरोध और बयानबाजी की जा रही है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तीनों चुनाव आयुक्त एसआईआर की प्रक्रिया, छूटे हुए मतदाताओं और फॉर्म-6 को लेकर स्थिति स्पष्ट कर चुके हैं। पात्र मतदाताओं को निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपना नाम मतदाता सूची में शामिल कराने का अवसर है। इसके बावजूद संवैधानिक संस्थाओं पर लगातार सवाल उठाना उचित नहीं है। उन्होंने कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों से गैरजिम्मेदाराना गतिविधियों पर नियंत्रण रखने तथा जनता से माफी मांगने को कहा।

मुख्यमंत्री ने राममंदिर आंदोलन के दौरान उनके योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उनके प्रयासों ने आंदोलन को व्यापक सामाजिक आधार देने में भूमिका निभाई।

समारोह में योगी ने कांग्रेस और सपा पर राममंदिर से जुड़े आयोजनों में शामिल नहीं होने को लेकर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि राममंदिर के शिलान्यास और रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के लिए आमंत्रण के बावजूद दोनों दलों के नेता नहीं पहुंचे। उन्होंने रामकाज में ऐसे लोगों से सावधान रहने की बात कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अशोक सिंघल का जीवन और उनका संगठनात्मक योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए स्मरणीय है। जन्मशताब्दी वर्ष के दौरान उनके विचारों, सामाजिक कार्यों और रामजन्मभूमि आंदोलन में भूमिका को विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से याद किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल सिर्फ जनता को गुमराह करने में लगे हुए हैं लेकिन उनकी दाल गलने वाली नहीं है, जनता सजग है और समय आने पर जवाब देगी।

अशोक सिंघल को किया याद

सीएम योगी रविवार को ही लखनऊ के सीएमएस स्कूल, गोमतीनगर विस्तार में विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंघल के जन्मशताब्दी वर्ष के उद्घाटन समारोह में भी शामिल हुए। यहां उन्होंने रामजन्मभूमि आंदोलन में सिंघल की भूमिका को याद किया। योगी ने कहा कि राममंदिर आंदोलन के दौरान जब रामभक्तों पर लाठीचार्ज और गोलियां चलीं, तब अशोक सिंघल मजबूती से खड़े रहे। उन्होंने कहा कि वह विपरीत परिस्थितियों में शेर की तरह डटे रहे। योगी ने कहा कि अशोक सिंघल का ध्येय सनातन धर्म की रक्षा और श्रीराम जन्मभूमि से जुड़े आंदोलन को आगे बढ़ाना था। उन्होंने कहा कि सिंघल ने संगठन और समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम कर रहा विपक्ष : पंकज चौधरी

समृद्धि न्यूज, लखनऊ।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने रविवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर प्रेस वार्ता कर विपक्ष पर हमला बोला। उन्होंने पिछले दो दिनों से संवैधानिक संस्था को लेकर चल रहे विवाद पर विपक्ष के रुख पर सवाल उठाए।

पंकज चौधरी ने आरोप लगाया कि फॉर्म-6 में बदलाव किया गया है और सोनिया गांधी की नागरिकता तथा मतदाता सूची से जुड़े मामले को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि सोनिया गांधी को वर्ष 1983 में भारत की नागरिकता मिली थी और आरोप लगाया कि फर्जी दस्तावेज लगाकर उनका वोट बनाया गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यह मामला कोर्ट में भी सामने आ चुका है।

उन्होंने विपक्ष पर संवैधानिक संस्था को बदनाम करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इस पूरे मामले को लेकर संबंधित लोगों को भारतवासियों से माफी मांगनी चाहिए।

खबरें एक नजर में

बेतवा नाले में डूबा युवक, तलाश जारी

मलिहाबाद। बेतवा नाले से जुड़े रहीमाबाद-बाकीनगर के बीच नरवा में नहाते समय 40 वर्षीय मुफीश शेख डूब गए। घटना रविवार शाम करीब छह बजे की है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय तैराकों की मदद से तलाश कराई, लेकिन देर रात तक शव बरामद नहीं हो सका। अंधेरा होने के कारण सर्च ऑपरेशन में दिक्कत आई। पुलिस ने गोताखोरों को बुलाया है। परिजनों के अनुसार दिल्ली की निजी कंपनी में कार्यरत मुफीश बुधवार को घर आए थे। वह अच्छे तैराक थे और नरवा पार कर वापस लौटते समय गहरे पानी में डूब गए। भाई और पड़ोसियों ने रस्सी के सहारे बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। घटना की जानकारी पर एसीपी मलिहाबाद ज्ञानेंद्र सिंह और इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुनायक मौके पर पहुंचे। बारिश के कारण नाला उफान पर है। मृतक के परिवार में पत्नी फिरोज, पुत्र फाजिल और तीन भाई हैं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

आकृति चौधरी एनएसए प्रकरण में एफआईआर की मांग

लखनऊ। आजाद अधिकार सेना के अध्यक्ष एवं पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर ने गौतम बुद्ध नगर की जिलाधिकारी मेधा रूपम से संबंधित आकृति चौधरी के छे। प्रकरण में सरकारी अभिलेखों के कथित फ्र्जीकरण के संबंध में उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक को एफ्आईआर दर्ज करने की शिकायत भेजी है। शिकायत का आधार इलाहाबाद उच्च न्यायालय का 2 सितम्बर 2026 का भ्.ब्.ब्. छव. 960द्2026 में दिया गया निर्णय है। उच्च न्यायालय ने धारा 130 बीएनएस की नोटिस तथा जीडी एन्टी न. 37 का परीक्षण करते हुए कहा कि नोटिस गिरफ्तारी के बाद तैयार की गई थी और इसे फ्रगिरफ्तारी के बाद की गई कार्रवाई और मात्र एक दिखावाफ्र बताया। न्यायालय ने रिकॉर्ड में फ्रस्पष्ट फ्र्जीकरणफ्र का भी उल्लेख किया। न्यायालय ने ॅींजे।चच सामग्री का परीक्षण करते हुए यह भी पाया कि 11 अप्रैल 2026 की शाम से प्राप्त संदेशों का कोई उत्तर नहीं दिया गया, जिससे यह संभावना पुष्ट होती है कि आकृति चौधरी उस समय राज्य की हिरासत में थीं, जबकि उनकी औपचारिक गिरफ्तारी 12 अप्रैल 2026 को दर्शाई गई थी। अमिताभ ठाकुर ने न्यायालय द्वारा रिकॉर्ड में बताए गए फ्रस्पष्ट फ्र्जीकरणफ्र के संबंध में अविलम्ब एफ्आईआर दर्ज कर यह निर्धारित किए जाने की मांग की है कि संबंधित सरकारी अभिलेख किस अधिकारी,कर्मचारी द्वारा, कब और किन परिस्थितियों में तैयार अथवा परिवर्तित किए गए।

बारिश से कच्चा मकान भरभराकर गिरा

लखनऊ। रहीमाबाद क्षेत्र में लगातार बारिश के कारण जनजीवन पर असर पड़ा है। गौंदा मोअज्जम नगर गांव में रविवार सुबह एक परिवार का कच्चा मकान भरभराकर गिर गया। हादसे में मकान के अंदर रखा सारा घरेलू सामान मलबे में दबकर खराब हो गया। गनीमत रही कि घटना के समय परिवार के सभी सदस्य बगल के दूसरे मकान में थे, जिससे कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। गांव निवासी अजेंद्र कुमार ने बताया कि सुबह करीब पांच बजे उनका मकान गिरा। मकान गिरने से परिवार के सामने रहने की समस्या खड़ी हो गई है। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से आर्थिक मदद और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान दिलाने की मांग की है। ग्रामीणों ने भी प्रशासन से पीड़ित परिवार की स्थिति का जायजा लेकर जल्द सहायता उपलब्ध कराने की अपील की है।

उपभोक्ताओं का पावर हाउस में हंगामा

लखनऊ। राजधानी के सरोजनीनगर में बिजली लाइन पर पेड़ की डाल गिरने से 7 खंभे टूट गए। इससे 200 घरों की बिजली ठप हो गई। मरम्मत न होने से नाराज उपभोक्ताओं ने रविवार को नादरगंज पावर हाउस में हंगामा किया। अमौसी के साईं सुरक्षा नगर में शनिवार को तेज हवा-बारिश से 11000 वोल्टेज की लाइन पर पेड़ की डाल गिरी। इससे ट्रांसफार्मर और 7 खंभे टूट गए। बिजली ठप होने से पानी की समस्या आई, टूटे तारों से खतरा था। उपभोक्ताओं ने तुरंत नादरगंज पावर हाउस अधिकारियों से शिकायत की, पर कार्रवाई नहीं हुई। कई बार शिकायत के बाद भी बिजली विभाग ने ध्यान नहीं दिया। दर्जनों लोग रविवार को पावर हाउस पहुंचे और हंगामा किया। अवर अभियंता दिनकर यादव ने खंभे बदलवाकर बिजली सप्लाई चालू करने का भरोसा दिया, जिसके बाद मामला शांत हुआ।

नि:शुल्क शिविर में उमड़े मरीज, 290 का हुआ इलाज

लखनऊ। भीषण वर्षा की आशंका के बावजूद खालाबाजार स्थित रस्तोगी स्वास्थ्य परामर्श केंद्र में रविवार को मासिक नि:शुल्क चिकित्सीय शिविर का आयोजन किया गया। मीडिया प्रभारी धर्मेन्द्र नाथ रस्तोगी ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात की तर्ज पर अस्पताल हर माह के अंतिम रविवार को मरीजों के तन की देखभाल के लिए यह शिविर आयोजित करता है। शिविर में केजीएमयू के टीबी रोग विशेषज्ञ डॉ. सूर्य कांत, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. ए.के. पांडे, न्यूरो सर्जन डॉ. जी.के. मित्तल, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. पंकज रस्तोगी और नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. सुमित रस्तोगी ने मरीजों को नि:शुल्क परामर्श दिया। अस्पताल के नियमित डॉक्टरों ने भी सहयोग किया। शिविर में कुल 290 मरीजों ने पंजीकरण कराया और 47 पैथोलॉजी जांचें नि:शुल्क की गईं। सभी मरीजों को दवाइयां भी मुफ्त वितरित की गईं। संरक्षक हरी जीवन रस्तोगी के अस्वस्थ होने के कारण डॉ. रवि रस्तोगी, शालिनी रस्तोगी, रितेश (अमित), प्रमोद, सुधीर, ब्रिजेंद्र, बालकृष्ण और दीपक यादव ने शिविर को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

आयोग की गड़बड़ी से 2022 में हारी सपा : अखिलेश यादव

समृद्धि न्यूज, लखनऊ।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मतदाता सूची में कथित तौर पर अनियमितताएं करने का आरोप चुनाव आयोग पर लगाया है। उन्होंने चुनाव आयोग के बचाव में आगे आने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनावों के दौरान सपा समर्थकों के वोट हटाने की कोशिश की गई और इसके लिए बड़े पैमाने पर फॉर्म-07 का इस्तेमाल किया गया। अखिलेश ने दावा किया कि 2022 के विधानसभा चुनाव में चुनाव आयोग और अधिकारियों ने मिलकर जान-बूझकर सपा समर्थकों के मतदाता सूची से नाम काटे। मतदाता सूची से वोट काटे जाने की शिकायत सपा ने चुनाव के बाद भी उठाई थी।

- आयोग के बचाव में आगे आने पर भाजपा पर निशाना साधा

अखिलेश यादव रविवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कहा कि 2017 के विधानसभा चुनाव के दौरान सपा को इस तरह की प्रक्रिया का अंदाजा नहीं था।

पार्टी को भरोसा था कि चुनाव आयोग स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से चुनाव कराता है, लेकिन बाद में सामने आई घटनाओं से यह भरोसा प्रभावित हुआ। उन्होंने दावा किया कि चुनाव आयोग की कथित गड़बड़ियों के कारण 2022 में सपा की सरकार नहीं बन सकी। सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा से जुड़े लोगों ने गांव-गांव जाकर मतदाताओं के नाम हटाने के लिए आवेदन करवाए। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में फॉर्म-07 भरकर मतदाताओं के नाम हटाने की कोशिश की गई। अखिलेश ने दावा किया कि लखनऊ में एक व्यक्ति ने 100 से अधिक मतदाताओं के नाम हटाने के लिए फॉर्म-07 दाखिल किए, जबकि उनके अनुसार एक व्यक्ति अधिकतम पांच मतदाताओं के संबंध में ऐसा आवेदन कर सकता है।

सपा प्रमुख ने कहा कि सपा सरकार बनने पर यश भारती सम्मान की राशि बढ़ाकर 21 लाख रुपये की जाएगी। इसके साथ ही सम्मान प्राप्त करने वाली विभूतियों को मिलने वाली मासिक सम्मान राशि को बढ़ाकर एक लाख रुपये करने की बात भी उन्होंने कही। विकास कार्यों को लेकर भाजपा सरकार पर हमला करते हुए अखिलेश ने सैफई का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने सैफई से प्रेरणा ली होती तो गोरखपुर भी विकास का मॉडल बन सकता था।

खेल में कोई खेल नहीं होंगे

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा चुनाव आयोग के पक्ष में कथित तौर पर दिए गए बयान को लेकर भी अखिलेश ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अगर मुख्यमंत्री इलेक्शन कमीशन के पक्ष में बोल रहे हैं, इसका मतलब मुख्यमंत्री खुद घोटाले में शामिल हैं और पूरी भाजपा घोटाले में शामिल है। आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की तैयारियों का उल्लेख करते हुए अखिलेश ने कहा कि सपा के चुनावी घोषणापत्र में खेल और खेल अवसंरचना से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से शामिल किया जाएगा। उन्होंने खिलाड़ियों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि खेल में कोई खेल नहीं होंगे। सरकार बनने पर खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं, प्रशिक्षण और खेल के लिए जरूरी आधारभूत ढांचा उपलब्ध कराने पर जोर दिया जाएगा।

मायावती ने बारिश पीड़ितों की मदद की मांग की

समृद्धि न्यूज, लखनऊ। बसपा प्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने भारी बारिश और प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों को तत्काल राहत देने की मांग की। उन्होंने सभी राज्य सरकारों से प्रभावित लोगों की हरसंभव मदद करने और केंद्र से राज्यों को समय पर सहायता उपलब्ध कराने का आग्रह किया। महाराष्ट्र में सूखे से प्रभावित किसानों को भी प्रभावी राहत देने की बात कही। मायावती ने बसपा के संगठनात्मक बदलाव की जानकारी देते हुए बताया कि पार्टी संगठन को तीन सेक्टरों में बांटा गया है। सेक्टर-1 में 10 राज्यों की जिम्मेदारी रामजी गौतम व सुरेश राव, सेक्टर-2 में नौ राज्यों की जिम्मेदारी राजाराम व अतर सिंह राव को दी गई है। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को सेक्टर-3 में रखा गया है, जिसकी निगरानी केंद्रीय कैंप कार्यालय करेगा।

संकट: भारी बारिश से फिर टापू बना झाऊबेरिया, प्रशासन ने चलवाई नाव

समृद्धि न्यूज, मलिहाबाद।

दो दिनों से हवाओं के साथ हो रही भारी बारिश के चलते रूसेना मजरे का झाऊबेरिया गांव एक बार फिर आवागमन से कट गया। बेतवा नाले का जलस्तर कई वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ते हुए रपटा पुल के ऊपर से बहने लगा। गांव में आने-जाने के लिए एकमात्र रास्ता होने के कारण ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ गई।

स्थिति की जानकारी मिलने पर तहसीलदार मलिहाबाद और थाना प्रभारी रहीमाबाद अरुण कुमार त्रिगुनायक ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने नाव से गांव में पहुंचकर ग्रामीणों से उनकी समस्याएं पूछीं और हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।

बताया गया कि झाऊबेरिया गांव तीन तरफ जंगल से घिरा है। इससे पहले भी बारिश के दौरान बेतवा नाले का पानी रपटा पुल के ऊपर आ जाने से गांव का संपर्क टूट चुका है। उस समय उप जिलाधिकारी मलिहाबाद अपराजिता आर्य ने ग्रामीणों के आवागमन के लिए नाव चलवाई थी। संक्रामक रोगों से बचाव के लिए गांव में स्वास्थ्य शिविर भी लगाया गया था। करीब दस दिन बाद ग्रामीणों को राहत मिली थी, लेकिन दो दिनों की भारी बारिश ने एक बार फिर गांव को संकट में डाल दिया।

प्रशासन ने ग्रामीणों के आवागमन के लिए दोबारा नाव की व्यवस्था कर दी है। तहसीलदार ने गांव पहुंचकर

जलभराव और ग्रामीणों की स्थिति का निरीक्षण किया। थाना प्रभारी अरुण कुमार त्रिगुनायक ने भी नाव से गांव पहुंचकर ग्रामीणों का हालचाल जाना।

गांव में रामौतार, रामलखन, बेचेलाल, पुत्तीलाल और श्यामू के कच्चे मकान काफी जर्जर पाए गए। अधिकारियों ने उन्हें एहतियातन वैकल्पिक स्थानों पर रहने की सलाह दी। ग्रामीणों ने गांव में ही राशन वितरण की मांग की, जिस पर कोटेदार को गांव में राशन वितरित करने के निर्देश दिए गए। कुछ ही समय बाद ग्रामीणों को गांव में ही राशन उपलब्ध कराया गया।

आईटी संयोजकों की बैठक में अभियानों की रणनीति पर मंथन

- सोशल मीडिया के जरिए लोगों तक पहुंचाने की हुई कवायद

समृद्धि न्यूज, लखनऊ।

भाजपा लखनऊ ने आईटी विभाग के विधानसभा संयोजकों एवं मंडल संयोजकों की बैठक आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने की। बैठक में आईटी संयोजक उत्तम मिश्रा, सह संयोजक सतीश अडवानी एवं मणिकांत शुक्ला सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में संगठन के आगामी कार्यक्रमों, अभियानों एवं पार्टी की गतिविधियों की जानकारी को सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों के जरिए अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई।

भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने कहा कि आज के डिजिटल युग में आईटी और सोशल मीडिया संगठन की गतिविधियों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम है। विधानसभा से लेकर मंडल और बूथ स्तर तक आईटी कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभाते हुए पार्टी के कार्यक्रमों, अभियानों और जनकल्याणकारी कार्यों की जानकारी व्यापक स्तर पर पहुंचानी होगी।

इस अवसर पर आगामी अभियानों के डिजिटल प्रचार-प्रसार, सोशल मीडिया पर सक्रियता बढ़ाने, बूथ स्तर तक सूचनाओं के प्रभावी संचार तथा संगठन के कार्यक्रमों को व्यापक जनसंपर्क से जोड़ने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही सभी संयोजकों से अपने-अपने क्षेत्रों में आईटी टीम को और अधिक सक्रिय करने पर जोर दिया गया।

आईटीआई में 30 सितंबर को टाटा मोटर्स व हेला इंडिया का प्लेसमेंट ड्राइव

समृद्धि न्यूज, लखनऊ। अलीगंज स्थित राजकीय आईटीआई में 30 सितंबर को टाटा मोटर्स और हेला इंडिया की ओर से अप्रेंटिसशिप एवं मेगा कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित किया जाएगा। चयन प्रक्रिया सुबह 10 बजे से शुरू होगी। टाटा मोटर्स में आईटीआई उत्तीर्ण 18 से 25 वर्ष के अभ्यर्थी विभिन्न ट्रेडों में अप्रेंटिसशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं। चयनित अभ्यर्थियों को 13,870 रुपये मासिक स्टाइपेंड के साथ कैंटीन, परिवहन, यूनिफॉर्म व सेफ्टी शूज की सुविधा मिलेगी। वहीं, हेला इंडिया के गुड़गांव प्लांट के लिए डिप्लोमा व बीएससी उत्तीर्ण 2020 से 2025 बैच के अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते हैं। आयु सीमा 18 से 28 वर्ष और न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं।

भगत सिंह जयंती पर आप का रक्तदान अभियान

समृद्धि न्यूज, लखनऊ।

शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती पर आम आदमी पार्टी (आआपा) उत्तर प्रदेश ने रविवार को सभी जिलों में रक्तदान शिविर आयोजित किए। प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह के आह्वान पर विभिन्न जिलों में कार्यकर्ताओं और युवाओं ने रक्तदान किया।

लखनऊ में किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज स्थित शताब्दी विभाग में जिलाध्यक्ष इरम रिजवी के नेतृत्व में शिविर लगा। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद मरीजों की जान बचाने के लिए रक्तदान करना भगत सिंह को

सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने युवाओं से समाजसेवा के लिए आगे आने की अपील की। पार्टी ने सभी रक्तदाताओं का आभार जताया।

समस्या

हादसों का वास्तविक कारण जानने का कमिश्नर ने दिया निर्देश

राजधानी में लगातार बढ़ रहे सड़क हादसे, प्रशासन चिंतित

- मृतकों की संख्या 478 व घायलों की संख्या 1011
- तीन या अधिक मौत वाले हादसों की होगी केस स्टडी

समृद्धि न्यूज, लखनऊ।

लखनऊ। मंडलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में आंकड़ों की समीक्षा के दौरान सड़क हादसों की हकीकत निकलकर सामने आई। मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने हादसों पर चिंता जताते हुए अधिकारियों को सड़क सुरक्षा के उपाय प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए। लखनऊ संभाग में लखनऊ के अलावा उन्नाव, रायबरेली, सीतापुर, लखीमपुर खीरी और हरदोई जिले शामिल हैं।

जनवरी-अगस्त 2025 की तुलना में 2026 में लखनऊ में हादसे 1,130 से बढ़कर 1,264 हो गए। मृतकों की संख्या 432 से बढ़कर 478 और घायलों की संख्या 801 से बढ़कर 1011 हो गई। वहीं, संभाग में कुल हादसे 4,437 से घटकर 4,400 हुए, लेकिन मृतकों की संख्या 2,359 से बढ़कर 2,396 हो गई।

मंडलायुक्त ने तीन या इससे अधिक मौत वाले हादसों के स्थलों की विस्तृत केस स्टडी कराने के निर्देश दिए। इसमें सड़क की स्थिति, वाहनों की गति, चालक की लापरवाही, यातायात व्यवस्था, रोशनी और दृश्यता समेत हादसे के कारणों की पड़ताल होगी। उन्होंने कहा कि केवल ब्लैक स्पॉट चिह्नित करना पर्याप्त नहीं है। हादसे के वास्तविक कारण के आधार पर स्थायी सुधार कराया जाए।

253 स्कूली वाहनों की फिटनेस खत्म

मंडल में 10,395 स्कूली वाहन दर्ज हैं। इनमें 7,088 विद्यालयों के नाम पंजीकृत और 3,307 अनुबंध पर संचालित हैं। कुल 575 वाहनों की फिटनेस और 525 के परमिट खत्म हो चुके हैं। लखनऊ में 253 वाहनों की फिटनेस और 118 के परमिट खत्म मिले। उन्नाव में यह संख्या क्रमशः 126 और 84, रायबरेली में 89 और 128, सीतापुर में 12 और 21, लखीमपुर खीरी में छह और 18, हरदोई में 89 और 156 है। मंडलायुक्त ने ऐसे वाहनों पर कार्रवाई और सभी विद्यालयों के वाहनों की सत्यापित सूची तैयार कराने के निर्देश दिए।

मॉडिफाइड साइलेंसर और प्रेशर हॉर्न पर कार्रवाई

परिवहन विभाग के अभियान में 364 वाहनों में मॉडिफाइड साइलेंसर और 948 में प्रेशर हॉर्न मिले। इनसे क्रमशः 6.73 लाख और 27.26 लाख रुपये जुर्माना वसूला गया। लखनऊ में 132 मॉडिफाइड साइलेंसर और 190 प्रेशर हॉर्न के मामले पकड़े गए। इन्हें लगाने वाले 55 गैराज-वर्कशॉप पर भी कार्रवाई हुई।

हिट एंड रन में लखनऊ में 51 मामले

जनवरी से अगस्त तक मंडल में 149 हिट एंड रन के मामले दर्ज हुए, जिनमें 125 का निस्तारण किया जा चुका है। लखनऊ में सबसे अधिक 51 मामले सामने आए, जिनमें 43 का निस्तारण हो चुका है। हरदोई में 49, लखीमपुर खीरी में 22, सीतापुर में 16, रायबरेली में नौ और उन्नाव में दो मामले दर्ज हुए। मंडलायुक्त ने पुराने मामलों का प्राथमिकता से निस्तारण कर पात्र मृतकों के आश्रितों और घायलों को आर्थिक सहायता दिलाने के निर्देश दिए।

लखनऊ में 75, मंडल में 273 ब्लैक स्पॉट

सितंबर तक लखनऊ में 75 ब्लैक स्पॉट चिह्नित किए गए हैं। इनमें एनएचएआई की सड़कों पर 16, नेशनल हाईवे पर एक और पीडब्ल्यूडी की सड़कों पर 54 ब्लैक स्पॉट हैं। मंडल में कुल 273 ब्लैक स्पॉट चिह्नित हैं। इनमें एनएचएआई की सड़कों पर 98, नेशनल हाईवे पर 21 और पीडब्ल्यूडी की सड़कों पर 150 हैं।

बारिश से बेहता नाला उफना, दर्जनों घर जलमग्न

समृद्धि न्यूज
मलिहाबाद, लखनऊ।

लगातार तीन दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के बाद बेहता नाला उफना गया। नाले का पानी कस्बे के दर्जनों घरों में घुसने से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। वहीं नगर निवासी फहीम का पक्का मकान भी बारिश के चलते गिर गया।

कई दिनों से जारी लगातार बारिश के कारण बेतवा नाले का जलस्तर पिछले दस वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ गया। इसके चलते गढ़िया खेड़ा सहित रहीमाबाद कस्बे की चोर घाटी पूरी तरह जलमग्न हो गई। अमीना, मतीन, दुबर, अंसार, शवाना, रेहाना, इरफान और अब्बास समेत कई लोगों के घरों में पानी भर गया है। चारों तरफ पानी ही पानी नजर आ रहा है।

बाढ़ जैसे हालात के कारण कई घरों में रखा अनाज, कपड़े और अन्य घरेलू सामान पानी में भीगकर खराब हो गया। लोग अपने बच्चों और बुजुर्गों को सुरक्षित रखने के लिए ऊंचे स्थानों पर जाने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार चोर घाटी में तीन से चार फीट तक पानी भरा हुआ है। लगातार बारिश से क्षेत्र में लोगों की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं।

डीएम ने जनपद में बाढ़ एवं अतिवृष्टि की स्थिति का किया निरीक्षण

▶ अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश

समृद्धि न्यूज, शाहजहांपुर।

जनपद में लगातार हो रही वर्षा एवं नदियों के बढ़ते जलस्तर के दृष्टिगत डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने जनपद के विभिन्न बाढ़ एवं जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान डीएम ने संबंधित अधिकारियों से वर्तमान स्थिति की जानकारी प्राप्त करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

डीएम ने सर्वप्रथम हनुमत धाम पहुंचकर खन्नौत नदी के बढ़े हुए जलस्तर का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर उपस्थित संबंधित अधिकारियों से नदी के जलस्तर, संभावित प्रभाव एवं बचाव व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा निर्देशित किया कि सभी संबंधित विभाग अलर्ट मोड पर रहें और किसी भी आकस्मिक परिस्थिति से निपटने के लिए आवश्यक संसाधनों एवं व्यवस्थाओं को पूर्ण रूप से तैयार रखें।

इसके बाद डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने ककरा पुल एवं अजीजगंज क्षेत्र में पहुंचकर गर्रा नदी के बढ़ते जलस्तर एवं बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया गया। अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि आगामी तीन दिवस में जलस्तर में और वृद्धि होने की संभावना है। इस पर डीएम ने संवेदनशील क्षेत्रों में निरंतर निगरानी रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर तत्काल राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

डीएम ने डैम रोड का निरीक्षण करते हुए वहां स्थित पशु प्रजनन नियंत्रण केंद्र एवं स्वान गृह केंद्र का भी निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को पशुओं की सुरक्षा, चारा-पानी एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके बाद डीएम द्वारा तहसील पुवायां क्षेत्र में अतिवृष्टि से प्रभावित फसलों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। उन्होंने इनायतपुर में भैंसी नदी की स्थिति का जायजा लिया तथा गंगसरा, खुटार एवं अटकोना सहित विभिन्न गांवों का भ्रमण कर वर्षा एवं बाढ़ की स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में निरंतर भ्रमण कर वास्तविक स्थिति का आकलन करने तथा फसल क्षति का नियमानुसार सर्वेक्षण कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीएम ने पुवायां कस्बे में मंडी परिषद एवं अन्य जलभराव वाले क्षेत्रों का भी निरीक्षण किया। जलभराव की स्थिति को देखते हुए संबंधित अधिकारियों को जल निकासी की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने के निर्देश दिए। इसके बाद डीएम ने तहसील पुवायां कार्यालय का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय परिसर में जल निकासी की व्यवस्था, शौचालयों की स्थिति, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, साफ-सफाई एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। संबंधित अधिकारियों को कार्यालय परिसर में स्वच्छता एवं जल निकासी की समुचित व्यवस्था बनाए रखने तथा कर्मचारियों एवं आमजन के लिए स्वच्छ पेयजल सहित आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि वर्तमान मौसम एवं नदियों के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। बाढ़ एवं अतिवृष्टि की स्थिति में जनहानि को रोकना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि संवेदनशील क्षेत्रों में सतत निगरानी रखते हुए किसी भी अप्रिय स्थिति की सूचना तत्काल उच्चाधिकारियों को उपलब्ध कराई जाए तथा आवश्यकता के अनुसार राहत एवं बचाव दलों को तत्पर रखा जाए। डीएम द्वारा आम जनमानस से भी अपील की गई कि नदियों, नालों एवं जलभराव वाले निचले क्षेत्रों में जाने से बचें तथा अनावश्यक रूप से जलभराव वाले स्थानों पर आवागमन न करें। किसी भी आपात स्थिति में जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें और सुरक्षित स्थान पर रहें। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त, एडीएम एफआर अरविंद कुमार, एसडीएम पुवायां, तहसीलदार अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

लगातार बारिश से फसलें जलमग्न, मुआवजे की मांग

सिंधौली, शाहजहांपुर। लगातार हो रही बारिश के चलते क्षेत्र में किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। ग्राम पंचायत बड़ावन की प्रधान सुनीता देवी ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर प्रभावित किसानों को मुआवजा दिलाए जाने की मांग की है। प्रधान ने पत्र में बताया कि लगातार बारिश के कारण खन्नौत नदी के किनारे स्थित खेतों में पानी भर गया है। कई स्थानों पर खेत पूरी तरह जलमग्न हो गए हैं, जिससे बारापुर, सिकलापुर ,बड़ावन के किसानों की खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा है। जलभराव के कारण तिलहन, धान और गन्ने समेत अन्य फसलें प्रभावित हुई हैं। किसानों को फसल खराब होने से आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

प्रधान सुनीता देवी ने जिलाधिकारी से मांग की है कि राजस्व विभाग की टीम भेजकर प्रभावित क्षेत्रों में फसलों के नुकसान का स्थलीय निरीक्षण और सर्वे कराया जाए। जांच के बाद पात्र किसानों को शासन के नियमानुसार उचित मुआवजा दिलाया जाए, ताकि उन्हें आर्थिक राहत मिल सके। लगातार बारिश और खेतों में जलभराव से किसानों की चिंता बढ़ गई है। किसानों का कहना है कि यदि जल्द पानी नहीं निकला तो फसलों को और अधिक नुकसान होने की आशंका है।

खबरें एक नजर में

ई-रिक्शा लूट का खुलासा, शातिर गिरफ्तार, 2 ई-रिक्शा बरामद

शाहजहांपुर। थाना पुवायां पुलिस ने ई-रिक्शा चोरी व लूट की वारदातों का खुलासा करते हुए एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर चोरी गए दो ई-रिक्शा भी बरामद किए हैं। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराध रोकथाम व वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। पुलिस के अनुसार बीते दिनों लगातार तीन मामले सामने आए थे। 25 सितंबर को अमित वर्मा निवासी ख्वाजा फिरोज की तहरीर पर मुअसं. 579/26, 24 सितंबर को विशाल कुमार निवासी दिलावरपुर की तहरीर पर मुअसं. 578/26 तथा 22 अगस्त को धर्मेन्द्र राठौर निवासी पसीगनपुर की तहरीर पर मुअसं. 505/26 दर्ज किए गए थे। आरोप था कि चालकों को बंधक बनाकर ई-रिक्शा लूट लिए गए। विवेचना में प्रकाश में आए अभियुक्त अजीत कश्यप पुत्र सत्यपाल कश्यप निवासी सरोवर नगर थाना तिलहर, उम्र करीब 26 वर्ष को पुलिस टीम ने 25 सितंबर को शाम करीब 4:01 बजे धारा पुल के नीचे से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ व निशानदेही पर पुलिस ने मुकदमा संख्या 578/26 व 579/26 से संबंधित दो चोरी के ई-रिक्शा बरामद किए। गिरफ्तारी अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी पुवायां के पर्यवेक्षण व प्रभारी निरीक्षक पुवायां के नेतृत्व में उप निरीक्षक श्यामवीर सिंह, संजीव कुमार, कांस्टेबल शिवकुमार, सुधीर व अनुज शर्मा की टीम ने की। अभियुक्त के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

शाहजहाँपुर। मिशन शक्ति फेज-5 के द्वितीय चरण के तहत शनिवार को पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद के सभी थानों की पुलिस ने महिला सुरक्षा व सशक्तिकरण को लेकर जागरूकता अभियान चलाया। अभियान के दौरान बाजारों, सार्वजनिक स्थानों व ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं व बालिकाओं को सुरक्षा, कानूनी अधिकारों व अपराधों से बचाव के उपाय बताए गए। पुलिस ने 181, 1090, 1098, 112 और 1076 समेत महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। साथ ही यूपी कॉप ऐप के उपयोग और फिशिंग, साइबर स्टॉकिंग व फर्जी प्रोफाइल जैसी साइबर धोखाधड़ी से बचाव के बारे में भी जागरूक किया गया। महिलाओं को पॉक्सो एक्ट, दहेज निषेध अधिनियम, घरेलू हिंसा अधिनियम व आईटी एक्ट के प्रावधानों के बारे में बताया गया।

सीओ सदर ने मदनापुर थाने के मिशन शक्ति केंद्र का किया निरीक्षण

शाहजहांपुर। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में शनिवार को क्षेत्राधिकारी सदर ने थाना मदनापुर में स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीओ ने केन्द्र की व्यवस्थाओं व कार्यप्रणाली का जायजा लिया और महिला पुलिस कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने महिला सुरक्षा, नारी सम्मान व स्वावलंबन के दृष्टिगत कार्य करने को कहा। साथ ही निर्देश दिया कि महिला संबंधी शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर सुनकर उनका त्वरित व प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

बारिश से फसल क्षति का एसडीएम ने लिया जायजा किसानों को राहत दिलाने के लिए सर्वे तेज

समृद्धि न्यूज, जलालाबाद, शाहजहांपुर।

लगातार बारिश के चलते खेतों में फसलों को हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए उपजिलाधिकारी जलालाबाद मधुसूदन गुप्ता ने रविवार को राजस्व ग्राम खखूड़ी, कनारी एवं चिलौली पहुंचकर मौके पर फसलों का निरीक्षण किया। एसडीएम ने खेतों में पहुंचकर बारिश से प्रभावित फसलों की स्थिति देखी और किसानों से नुकसान की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने संबंधित लेखपाल को फसल क्षति का स्थलीय सर्वे कराकर रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन किसानों की फसल बारिश से प्रभावित हुई है, उनका सर्वे निष्पक्ष एवं निर्धारित समय सीमा में पूरा कराया जाए, ताकि पात्र किसानों को शासन स्तर से मिलने वाली सहायता का लाभ दिलाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सके। एसडीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि फसल क्षति के सर्वे में पूरी पारदर्शिता बरती जाए और किसी भी पात्र किसान का नाम छूटने न पाए। साथ ही किसानों से ऑनलाइन आवेदन कराने की प्रक्रिया में भी आवश्यक सहयोग करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि बारिश से प्रभावित किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लिया जा रहा है। राजस्व टीम द्वारा खेतों का निरीक्षण कर वास्तविक क्षति का आकलन किया जाएगा और सर्वे रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। एसडीएम के खेतों में पहुंचकर निरीक्षण किए जाने से किसानों में प्रशासन द्वारा उनकी समस्याओं को गंभीरता से लिए जाने की उम्मीद जगी है। प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि फसल क्षति होने की स्थिति में निर्धारित प्रक्रिया के तहत ऑनलाइन आवेदन करें, जिससे क्षति का सत्यापन कर आगे की कार्रवाई की जा सके।

नगर के मोहल्ला दिलाजाक व गांव राजनपुर में ढहे मकान

▶ बरसात में मकान ढहने का सिलसिला जारी
▶ बाजारों में पसरा रहा सन्नाटा

समृद्धि न्यूज, तिलहर - शाहजहांपुर।

तीन दिन तक हुई लगातार बरसात में मकान ढहने का सिलसिला आज तीसरे दिन भी जारी रहा । शनिवार को राजनपुर गांव में कच्ची छत के साथ ही टिन शेड ध्वस्त होने से दो लोग घायल हो गए। जबकि नगर के मोहल्ला दिलाजाक में एक मकान की दीवार व छत ढह जाने से लाखों रूपये का घरेलू सामान मलबा में दब कर बर्बाद हो गया। क्षेत्र के राजनपुर गांव में शनिवार देर शाम विजय पाल के मकान के टिन शेड में सुखलाल व उनके साथी पूरनलाल ठंड दूर करने के लिए आग ताप रहे थे । इसी दौरान मूसलाधार बारिश में मकान की कच्ची छत टिन शेड समेत ढह जाने से पूरनलाल व सुखलाल मलबा में दब गए। परिजनों ने आनन फानन में दोनों को मलबे से बाहर निकाला और सीएचसी लेकर पहुंचे । डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार देकर दोनों घायलों को जिला मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। उधर रविवार सुबह नगर के मोहल्ला दिलाजाक में रईस साउंड वालों के ककईया ईंट के पुराने मकान की भारी भरकम दीवार व छत अचानक भरभराकर ढह गई । जिससे उनके कमरों में पड़े डबल बैड समेत अन्य कीमती सामान मलबा में दबकर बर्बाद हो गया। बता दें कि शनिवार को गांव ढकिया रघा में पूर्व प्रधान अनिल कुमार, नन्हे लाल गुप्ता व शमसुल का मकान ढह गया था । तीन दिन तक हुई भीषण बरसात में मानो जनजीवन ठहर सा गया । रविवार दोपहर बाद हल्की फुहार पड़ने पर लोग सब्जी व अन्य जरूरी सामान लेने के लिए बाजार में उमड़ते नजर आए। हांलाकि धुंधलका होते ही फिर बाजारों में सन्नाटा पसरा नजर आया।

कच्ची दीवार गिरने से महिला घायल मलबे में दबने से गंभीर चोटें

सिंधौली, शाहजहांपुर। थाना सिंधौली क्षेत्र के गांव मनुआवारी में लगातार हो रही बारिश के बीच शनिवार सुबह कच्ची दीवार गिरने से एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। परिजनों ने आनन-फानन में महिला को मलबे से बाहर निकाला और उपचार के लिए अस्पताल ले गए। जानकारी के अनुसार मनुआवारी निवासी अवनीश की पत्नी राधा (20) शनिवार सुबह करीब आठ बजे अपने मायके से वापस गांव पहुंची थी। बताया गया कि जैसे ही वह गांव में पहुंची, तभी अचानक एक कच्ची दीवार भरभराकर उसके ऊपर गिर गई। दीवार के मलबे के नीचे दबने से राधा गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और मलबा हटाकर महिला को बाहर निकाला। परिजन घायल राधा को उपचार के लिए अस्पताल ले गए, जहां उसका इलाज चल रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के कारण कच्ची दीवारों में नमी आ गई है, जिससे कई दीवारें कमजोर होकर गिरने लगी हैं। पसियाखेड़ा में हारुन खां, मेहताब खां, हबीब खां की दीवार गिर गई जिसके नीचे पशु दब गये और भी कई गांवों में दीवारे गिरी। लगातार बारिश से ग्रामीणों में भी हादसों को लेकर चिंता बनी हुई है।

पड़ोसी की कच्ची दीवार गिरी, ग्रामीण की मौत

रोजा, शाहजहांपुर। क्षेत्र के थाना रोजा के गांव बरनई में शनिवार की तड़के सुबह बड़ा हादसा हो गया। बारिश के दौरान भैंस को चारा डालने गये ग्रामीण के ऊपर पड़ोसी की कच्ची दीवार भरभराकर गिर गई। जिससे मलवे में दबकर ग्रामीण गंभीर रूप में घायल ग्रामीण को उपचार के लिये राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। जहां रविवार की सुबह उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक के पुत्र अमन यादव ने बताया कि उसके पिता सुखलाल यादव की उम्र 53 थी। शनिवार की सुबह करीब साढ़े पांच बजे बारिश के दौरान वह भैंस को चारा डालने गये थे। चारा डालते समय पड़ोसी राधाकृष्ण की कच्ची दीवार भरभराकर उसके पिता सुखलाल के ऊपर गिर गई। जिससे मलवे में दबकर उसके पिता गंभीर रूप में घायल हो गये। लोगों की मदद से पिता को मलवे से निकाल कर राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती करा दिया था। रविवार की सुबह उसके पिता की उपचार के दौरान मौत हो गई। थानाध्यक्ष उमेश कुमार मिश्र ने बताया कि मेडिकल कॉलेज से मेमो मिलने के बाद शव का पंचायत नामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया हैं। अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली हैं।

शाहजहांपुर के सुखजोत सिंह ने 6,111 मीटर ऊंचे माउंट यूनाम पर फहराया तिरंगा

समृद्धि न्यूज, शाहजहांपुर।

जिले के 32 वर्षीय सुखजोत सिंह (पुत्र जसवीर सिंह) ने हिमालय की चुनौतीपूर्ण चोटियों में शामिल माउंट यूनाम (6,111 मीटर/20,050 फीट) का सफलतापूर्वक आरोहण कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। सुखजोत ने 11 सितंबर की सुबह माउंट यूनाम के शिखर पर पहुंचकर तिरंगा फहराया। करीब 8 दिनों तक चले इस पर्वतारोहण अभियान में उन्हें कठिन और पथरीले भूभाग, अत्यधिक ऊंचाई, कम ऑक्सीजन, अप्रत्याशित मौसम और ऊंचाई से होने वाली बीमारी जैसी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। माउंट यूनाम समुद्र तल से 6,000 मीटर से अधिक ऊंचाई पर स्थित है। इस ऊंचाई पर पहुंचने के लिए शारीरिक क्षमता के साथ-साथ मानसिक मजबूती, धैर्य और लगातार बदलती परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालना बेहद जरूरी होता है। सुखजोत अब तक 20 से अधिक हिमालयी ट्रेक कर चुके हैं। अलग-अलग ऊंचाई और कठिन भूभाग पर ट्रेकिंग के दौरान हासिल किया गया अनुभव माउंट यूनाम अभियान में उनके लिए काफी उपयोगी साबित हुआ। सुखजोत सिंह पेशे से आईटी प्रोफेशनल हैं और नोएडा की एक निजी कंपनी में कार्यरत हैं। कॉरपोरेट जीवन की व्यस्तता के बीच भी वह पहाड़ों के प्रति अपने जुनून को समय देते हैं। उनके लिए हिमालय केवल घूमने की जगह नहीं, बल्कि खुद को चुनौती देने और अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने का माध्यम रहा है। उनका कहना है कि पर्वतारोहण में शिखर तक पहुंचना जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण सुरक्षित रूप से वापस लौटना भी है। कठिन परिस्थितियों के बीच पूरे अभियान को पूरा कर घर लौटना उनके लिए एक यादगार अनुभव है। शाहजहांपुर के एक आईटी प्रोफेशनल से 6,111 मीटर की ऊंचाई पर तिरंगा फहराने तक का उनका सफर युवाओं के लिए यह संदेश भी देता है कि नियमित जीवन और अपने जुनून के बीच संतुलन बनाकर बड़े लक्ष्यों की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है।

मन की बात: कार्यकर्ताओं ने सुना प्रधानमंत्री का संबोधन

शाहजहांपुर। प्रधानमन्त्री की मन की बात कार्यक्रम का आयोजन नामित पार्षद अल्पना श्रीवास्तव के आवास पर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी महानगर जिलाध्यक्ष शिल्पी गुप्ता की उपस्थिति रही। सभी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना तथा उनके द्वारा साझा किए गए प्रेरणादायक प्रसंगों एवं विचारों को आत्मसात किया। महानगर अध्यक्ष शिल्पी गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री के संबोधन बहुत कुछ सीखने को मिलता है, हर कोई इसको सुनने को लेकर उत्सुक रहता है। नामित पार्षद अल्पना श्रीवास्तव ने बताया कि मन की बात कार्यक्रम काफी प्रेरणादायक होता है। इसको लेकर समाज में अच्छा संदेश जाता है। इस अवसर पर मुख्य रूप से भाजपा जिला उपाध्यक्ष अवनीश शर्मा, मंडल प्रभारी कपिल सिंह, मंडल महामंत्री अमन सक्सेना, मंडल महामंत्री शश्वत श्रीवास्तव, पूर्व मंडल उपाध्यक्ष विकास गुप्ता, सेवानिवृत्त सैनिक राधेश्याम कश्यप, अनीता सक्सेना, गरिमा मिश्रा, आरती सिंह, मोहित श्रीवास्तव, सहित भाजपा के विभिन्न पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भगत सिंह की जयंती पर आप ने लगाया रक्तदान शिविर

शाहजहांपुर। शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती के अवसर पर आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह के आह्वान पर प्रदेश के सभी 75 जिलों में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

इसी क्रम में शाहजहाँपुर में जिलाध्यक्ष राजीव यादव के नेतृत्व में भव्य रक्तदान कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिलाध्यक्ष राजीव यादव ने शिविर का उद्घाटन करते हुए कहा कि भगत सिंह ने देश की आजादी के लिए हंसते-हंसते प्राणों की आहुति दे दी। आजादी के दीवानों ने देश को मुक्त कराने के लिए खून बहाया था, आज हमारा कर्तव्य है कि देशवासियों की जान बचाने के लिए रक्तदान करें। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में अक्सर गरीब व असहाय परिवारों को समय पर रक्त न मिलने से मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। एक यूनिट रक्त किसी की जान बचा सकता है और पूरे परिवार को उजड़ने से रोक सकता है।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि आम आदमी पार्टी सिर्फ चुनावी राजनीति नहीं करती, बल्कि शहीदों के विचारों को जमीन पर उतारकर राष्ट्र निर्माण का कार्य करती है। भगत सिंह का सपना बराबरी वाले भारत का था, जहां कोई भूखा-लाचार न रहे। इस दौरान जिलाध्यक्ष राजीव यादव, अनुराग रस्तोगी, अखिलेश वर्मा, विमलेश वर्मा, जोगेंद्र प्रजापति, विजय मिश्रा सहित कई कार्यकर्ताओं ने रक्तदान किया। कार्यक्रम में गजेंद्र शर्मा, हारून, सदाकत अली, मदन लाल सहित बड़ी संख्या में युवा मौजूद रहे।

अखंड हिंदू वाहिनी के कार्यकर्ताओं ने हिंदू हुंकार महासम्मेलन किया आयोजित

▶ हर बच्चा शिक्षित होगा तभी देश का विकास होगा: बीरू भइया

समृद्धि न्यूज, पुवायां, शहजहांपुर।

अखंड हिंदू वाहिनी के कार्यकर्ताओं ने हिंदू हुंकार महासम्मेलन का आयोजन कर हिंदू एकता प्रदर्शन किया, इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष रुद्र त्रिपाठी उर्फ वीरू भैया ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अखंड हिंदू अखंड हिंदुस्तान का नारा दिया। साथ ही कहा कि देश का हर बच्चा शिक्षित होगा तभी देश का विकास हो सकता है अन्यथा नही, अपने बच्चों को शिक्षा की तरफ ले जाना चाहिए न कि राजनीतिक के दलदल में धकेलना चाहिए। रविवार को निगोही रोड पर मैरिज लाइन में हिंदू हुंकार मार्च सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें दूर दराज एवं आसपास के हिंदुओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। जिसमे मुख्य अतिथि बाला जी धाम खुटार के पुजारी अनिल पाण्डेय व अखण्ड हिन्दू युवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रुद्र त्रिपाठी उर्फ बीरू भैया शामिल रहे। हिन्दू हुंकार महासम्मेलन ने बीरू भैया ने कहा कि अगर देश मे हर बच्चा शिक्षित हो जाए तो देश का विकास होगा न कि अपने बच्चों को नेताओं की रैली में झण्डा लेकर जिन्दावाद जिन्दावाद के नारे लगाकर उसकी जिन्दगी बर्वाद न करो इसलिए सभी लोग अपने बच्चों को सर्वप्रथम शिक्षा दिलाया। इसके अलावा उन्होंने कहा कि गौ माता की हत्या हम व हमारा संगठन बिल्कुल बर्दास्त नही करेगा इसके लिए क्यो न हमे जान से खेलना पड़े। हिंदुत्व को आगे बढ़ाने के लिए हमारा संगठन हमेशा तत्पर रहता है ओर हमारे कार्यकर्ता इस संगठन में तन मन धन से समर्पित हैं। संगठन के कार्यकर्ताओं में जिलाध्यक्ष विमल मिश्रा, विपुल मिश्रा, गौरव वर्मा, अर्चना अवस्थी, प्रदीप वर्मा, रमेश, संतोष दीक्षित, पुष्पराज सिंह अनुज दीक्षित सीतापुर, विकास पाण्डेय, प्रशांत, नगराध्यक्ष विशाल पाण्डेय, अनुज मिश्रा, कमलेश शुक्ला, राजू आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आयुर्वेद जन-जागरूकता अभियान सप्ताह दिवस के क्रम में रेड क्रॉस ने भारतीय संस्कृति से जोड़ा आयुर्वेद का संदेश

समृद्धि न्यूज, शााहजहांपुर।

भारत सरकार एवं आयुष मंत्रालय के दिशा-निर्देशों तथा जिलाधिकारी एवं इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष धर्मेंद्र प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में चल रहे आयुर्वेद दिवस जन-जागरूकता अभियान सप्ताह दिवस के क्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय परिसर स्थित इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी कार्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों सहित बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन एवं ओम दिव्यांग जान कल्याण समिति के पदाधिकारियों, आयुर्वेद चिकित्सकों, कार्यकर्ताओं एवं स्वयंसेवकों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए लोगों को आयुर्वेद, योग और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया। डॉ. विजय जौहरी ने कहा कि आयुर्वेद भारतीय संस्कृति और प्राचीन स्वास्थ्य परंपरा से जुड़ी चिकित्सा पद्धति है। भगवान धन्वंतरि के संदेश को घर-घर पहुंचाते हुए लोगों को योग, संतुलित आहार, उचित दिनचर्या, स्वच्छता एवं स्वस्थ आहार-विहार अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। घरों में भगवान धन्वंतरि का पूजन, आरती एवं स्मरण करते हुए परिवार को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को घर-घर योग, घर-घर आयुर्वेद, जन-जन स्वास्थ्य÷ का संदेश देते हुए आयुर्वेद को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा स्वस्थ भविष्य के लिए जागरूक रहने का आह्वान किया गया।

देर रात सीएचसी पहुंचे एसडीएम, स्वास्थ्य सेवाओं की खुली परत-दर-परत हकीकत

- इमरजेंसी से लेकर लेबर रूम तक देखीं व्यवस्थाएं
- कमियां मिलने पर अफसरों-कर्मचारियों को लगाई फटकार

समृद्धि न्यूज़, जलालाबाद-शाहजहांपुर

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति और रात्रिकालीन व्यवस्थाओं की हकीकत परखने के लिए एसडीएम जलालाबाद मधुसूदन गुप्ता ने शनिवार देर रात सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) जलालाबाद का औचक निरीक्षण किया। एसडीएम के अचानक अस्पताल पहुंचने से स्वास्थ्य केंद्र में मौजूद स्टाफ में खलबली मच गई। उन्होंने बिना पूर्व सूचना के अस्पताल की विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए यह देखा कि रात के समय मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं किस स्तर तक उपलब्ध कराई जा रही हैं। एसडीएम ने निरीक्षण के दौरान सबसे पहले इमरजेंसी वार्ड का जायजा लिया और वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने लेबर रूम, दवा वितरण कक्ष और मरीज वार्डों का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में साफ-सफाई की स्थिति, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता और मरीजों को मिल रही सुविधाओं को भी बारीकी से परखा। उपस्थिति पंजिका से परखी डॉक्टरों की मौजूदगी। निरीक्षण के दौरान

एसडीएम ने ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की स्थिति की जानकारी लेते हुए डॉक्टरों व कर्मचारियों की उपस्थिति पंजिका भी देखी। उन्होंने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि निर्धारित रोस्टर के अनुसार संबंधित चिकित्सक और कर्मचारी अपनी ड्यूटी पर मौजूद हैं अथवा नहीं। उन्होंने अस्पताल प्रशासन से रात्रिकालीन ड्यूटी व्यवस्था, इमरजेंसी में आने वाले मरीजों की संख्या और उन्हें उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली।

कमियां मिलीं तो जताई नाराजगी निरीक्षण के दौरान कुछ व्यवस्थाओं में कमियां सामने आने पर एसडीएम ने नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार करने के निर्देश दिए। एसडीएम ने साफ कहा कि अस्पताल में आने वाले मरीजों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए और स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही को किसी भी स्थिति में नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। उन्होंने अस्पताल की साफ-सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के साथ ही आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित रखने के निर्देश दिए, ताकि मरीजों को इलाज के दौरान अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

रात में आने वाले मरीजों को नहीं होनी चाहिए परेशानी

एसडीएम मधुसूदन गुप्ता ने निर्देशित किया कि रात्रि के समय सीएचसी पहुंचने वाले मरीजों को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। इमरजेंसी सेवा में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो और जरूरतमंद मरीजों को समय से उपचार मिले। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप सरकारी अस्पतालों में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। इसलिए रोस्टर के अनुसार डॉक्टर एवं स्वास्थ्यकर्मियों की अनिवार्य मौजूदगी सुनिश्चित की जाए। एसडीएम के देर रात किए गए औचक निरीक्षण से स्वास्थ्य केंद्र में काफी देर तक हलचल बनी रही। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं को मौके पर परखने के साथ संबंधित कर्मचारियों को उनकी जिम्मेदारियों के प्रति गंभीर रहने की हिदायत दी। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में आने वाला प्रत्येक मरीज बेहतर उपचार और सम्मानजनक व्यवहार का हकदार है। अस्पताल की व्यवस्थाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित जिम्मेदारों से जवाब-तलब किया जा सकता है। एसडीएम के इस औचक निरीक्षण को स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी और रात्रिकालीन चिकित्सा व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

जहरीले कीड़े के काटने से वृद्ध महिला हुई अचेत

- गंभीरावस्था में मेडिकल कॉलेज रेफर

तिलहर – शाहजहांपुर। जहरीले कीड़े के काटने से एक वृद्ध महिला अचेत हो गई। परिजन आनन फानन में सीएचसी लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार देकर गंभीरावस्था में जिला मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक शनिवार देर शाम मदनापुर क्षेत्र के गांव केशवपुर निवासी 60 वर्षीय कृष्णा देवी पत्नी बालकराम को किसी अज्ञात जहरीले कीड़े के काट लिया। जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। परिजन तत्काल तिलहर सीएससी लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार देकर गंभीरावस्था में मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। वृद्धा को किस कीड़े ने काटा इसकी पुष्टि नहीं हो सकी।

अलग-अलग गांवों से भगाकर ले जाई गईं दो नाबालिग किशोरियां बरामद

तिलहर – शाहजहांपुर। दो नाबालिग किशोरियों के भगाये ले जाने की रिपोर्ट दर्ज होने पर पुलिस ने दोनों किशोरियों को बरामद कर कानूनी प्रक्रिया पूर्ण होने तक के लिए वन स्टॉप सेंटर भेज दिया है। गौरतलब है कि बीती 18 सितंबर को क्षेत्र के एक गांव से 15 वर्षीय नाबालिग किशोरी को बहला फुसलाकर कर भगा ले जाये जाने की पीड़ित पिता ने गांव गोपालपुर नगरिया निवासी अंकित, नरेश , कमलेश व हरिओम के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई थी। नगरिया मोड़ चौकी इंचार्ज सौरभ शुक्ला ने मुखबिर की सूचना पर उसे चौकी

- चिकित्सीय परीक्षण व कोर्ट में बयानों को भेजा गया वन स्टॉप सेंटर

क्षेत्र के हाइवे से बरामद कर लिया। जबकि इसी क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने उसकी 16 वर्षीय बेटी को भगा ले जाने के मामले में गांव खानपुर हकीमपुर निवासी कुलदीप पुत्र सुनील समेत तीन लोगों को नामजद किया था। चौकी इंचार्ज सौरभ शुक्ला ने बताया कि उक्त किशोरी को गाजियाबाद कोतवाली क्षेत्र से बरामद कर लिया गया है। जिसे चिकित्सीय परीक्षण आदि के मद्देनजर वन स्टॉप सेंटर भेज दिया गया है। दोनों ही मामलों के आरोपी फिलहाल अभी पुलिस गिरफ्त से बाहर है। उधर तिलहर नगर क्षेत्र से चार दिन पूर्व शाम को बाजार से सामान लेने की बात कहकर निकली सगी दो नाबालिग बहनो के लापता हो जाने के मामले में पुलिस के हाथ खाली हैं।

भारी बारिश में भी नहीं डूबता है मॉडल गांव

समृद्धि न्यूज, शाहजहांपुर।

- 26 तालाब करते हैं पूरा बचाव, गांव में हुआ अभूतपूर्व विकास

मॉडल ग्राम पंचायत भटपुरा रसूलपुर इस समय भारी बारिश में भी चमचमाती नजर आ रही है। ग्राम प्रधान अनिल गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि जब भी बारिश होती है हमारे गांव के सभी रास्ते चमक उठते हैं, क्योंकि ग्राम के सभी 56 रास्ते रंगीन इंटरलॉकिंग बने हुए हैं, और सभी रास्तों के किनारे नालियां बनी हुई है और नालियों में सिल्ट कैचर की भी व्यवस्था है , जोकि सिल्ट को पकड़ लेते हैं , और इन सभी नालियों का पानी ग्राम के तालाबों में जाता है जिनकी संख्या पूरी 26 है। ग्राम प्रधान के अनुसार अब इन तालाबों पर फिल्टर चैंबर भी बनाए जा रहे हैं जिनसे की क्षनता हुआ साफ पानी तालाबों में जाए, और तालाब भी साफ-सुथरे नजर आए। प्रधान ने बताया कि जिन ग्रामों में पानी भरा है वहां पर अधिकतर तालाब पाट लिए गए हैं, इसलिए यह समस्या आई है, अनिल गुप्ता ने जानकारी दी कि उनकी ग्राम पंचायत में भी एक हिस्ट्रीशीटर तालाब को पाट रहा था,जिस पर उन्होंने जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह से शिकायत की और उन्होंने सख्त एक्शन लेते हुए लेखपाल को सस्पेंड किया व पूरे दलबल को भेज कर फिर तालाब को खुदवाया, इसलिए हमारे सभी तालाब सुरक्षित है, क्योंकि प्रधान ब सभी ग्रामवासी इस मामले को लेकर पूरी तरह से जागरूक है। ग्राम वासी रामपाल व श्रीकांत दीक्षित ने जानकारी दी की ग्राम में 56 रास्ते हैं जिनका नामकरण किया गया है यहां पर पंडित राम प्रसाद बिस्मिल मार्ग, ठाकुर रोशन सिंह मार्ग, अशफाक उल्ला खा मार्ग, अब्दुल कलाम मार्ग, महाराणा प्रताप मार्ग, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग, महात्मा गांधी मार्ग आदि महापुरुषों व वीरों के नाम पर रास्तों के नाम हैं। और चार्ट के अनुसार पूरे ग्राम में सफाई का कार्य होता है, क्रम संख्या 1 से शुरू होता है और 56 पर खत्म होता है, उसके बाद फिर से एक से शुरुआत होती है, इससे सभी ग्रामवासी पूर्ण रूप से संतुष्ट हैं। और हर रास्ते का क्रम बार नंबर आता है तो किसी की कोई भी शिकायत नहीं रहती है।

संकट में जनता के साथ खड़े दिखे विधायक अरविंद

- जलभराव वाले गांवों का किया निरीक्षण, पंपिंग सेट से पानी निकलवाने के निर्देश
- मृतक के परिवार से मिले, फसल क्षति का भी लिया जायजा

समृद्धि न्यूज, शाहजहांपुर।

भारी बारिश से उपजे संकट के बीच ददरौल विधायक अरविंद कुमार सिंह क्षेत्र में प्रभावित लोगों के बीच पहुंचे। उन्होंने ग्राम मिश्रीपुर और ताहबरगंज में जलभराव की स्थिति का स्थलीय निरीक्षण किया। करीब 200 मकानों में तीन से चार फीट तक पानी भरा होने पर विधायक ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल पंपिंग सेट लगाकर पानी की निकासी कराने के निर्देश दिए। विधायक ने प्रभावित परिवारों से बातचीत कर उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में घबराने की जरूरत नहीं है। प्रभावित लोगों के साथ हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए वह प्रयासरत हैं। इसके बाद विधायक बरनई गांव पहुंचे, जहां मकान गिरने से सुखपाल (58) पुत्र राम सिंह यादव की मौत हो गई थी। पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर उन्होंने शोकाकुल परिवार से मुलाकात की और संवेदना व्यक्त की। साथ ही संबंधित अधिकारियों को पीड़ित परिवार को नियमानुसार हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

धान की फसल का भी लिया जायजा

भारी बारिश से क्षेत्र में धान की फसल को हुए नुकसान का भी विधायक ने जायजा लिया। तहसीलदार सदर और राजस्व टीम के साथ क्षेत्र का भ्रमण कर उन्होंने फसल क्षति का आकलन कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रभावित किसानों की क्षति का सर्वे कराकर नियमानुसार सहायता दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए।

36 घंटे से बिजली गुल

लखीमपुर-खीरी। लखीमपुर शहर के नंबर एक पावर हाउस क्षेत्र में पिछले 36 घंटे से विद्युत आपूर्ति ठप पड़ी है, जिससे मोहल्लेवासियों में त्राहि-त्राहि मची हुई है। बिजली गुल होने से लोग पीने के पानी तक को तरस रहे हैं, वहीं जलभराव के कारण जहरीले जीव-जंतु घरों में घुस रहे हैं। हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग कुंभकर्णी नींद में सोया है।शहर में कई जगह सड़कों पर बिजली के तार टूटकर पड़े हैं, जिससे बड़ा हादसा होने का खतरा बना हुआ है। शिकायतों के बावजूद न तो बिजली विभाग और न ही नगर प्रशासन स्थिति को बहाल करने के लिए कोई ठोस कदम उठा रहा है। लोगों का कहना है कि आपातकालीन स्थिति से निपटने के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है। विभागीय लापरवाही का आलम यह है कि जहां पहले पावर हाउस पर 18 कर्मचारी तैनात थे, वहीं ठेका प्रथा के बाद अब मात्र 9 कर्मचारी बचे हैं। पहले अधिक स्टाफ का रोना रोने वाले अधिकारी अब कम स्टाफ होने का बहाना बनाकर पल्ला झाड़ रहे हैं। स्टाफ की कमी के चलते फाल्ट तक ठीक नहीं हो पा रहे हैं।वहीं वन विभाग की भूमिका भी संदिग्ध बनी हुई है। बारिश में गिरे पेड़ों को हटाने और विद्युत लाइनों को दुरुस्त कराने में कोई तत्परता नहीं दिखाई जा रही। शहरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द विद्युत व्यवस्था बहाल कराई जाए, अन्यथा लोग सड़क पर उतरने को मजबूर होंगे।

प्राइवेट बस यूनियन के चक्का जाम पर हड़कंप, सड़क पर उतरे आरटीओ खीरी

समृद्धि न्यूज़, लखीमपुर-खीरी।

पलिया के क्षेत्रों में टैक्सी ऑटो ई रिक्शा के खिलाफ पलिया बस यूनियन ने 28 सितम्बर को अनिश्चितकालीन हड़ताल का जैसे ही बैठक कर फरमान सुनाया या यह बात आगे की तरह लखीमपुर जिले तक पहुंच गई और लखीमपुर खीरी जिले के परिवहन विभाग में हड़कंप मच गया। रविवार की सुबह जैसे ही परिवहन विभाग के अधिकारी की गाड़ी पलिया में लिखाई दी सड़कों पर अवैध तरीके से फर्राटा भर रही डग्गामार वाहन गायब हो गए यही नहीं कई जगह बनाए हुए स्टैंड भी खाली नजर आए। वही जैसे ही या काफिला थाना संपूर्णानगर के फैक्ट्री तिराहे पर पहुंचा वहां भी सड़कों पर सन्नाटा दिखाई देने लगा। क्षेत्र में जैसे-जैसे कार्रवाई के लिए आरटीओ के अधिकारी जहां जहां पहुंचते गए सभी डग्गामार वाहन पहले ही सतर्क होकर गायब हो गए।

थाने में भी बैठक: पलिया थाने में तमाम थाने की फोर्स के साथ आला अधिकारियो की बैठक हुई और आगे की रणनीति बनाई गई।

पलिया बस यूनियन आर पार की लड़ाई: इन दिनों अवैध डग्गामार प्राइवेट बस यूनियन में आर पार की लड़ाई छेड़ दी है आरोप यह भी लगाया जा रहा है की यूनियन की बसे खाली चल रही है और उन्हें बड़ा नुकसान उठाना पड़ रहा है यही कारण है कि अब शासन प्रशासन इन्हें मनाने का प्रयास करेगी या फिर आगे कोई बड़ी कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है।

बच्चों के हक की जमीन के लिए परिवार संग तीन दिन से अनशन पर मां

लखीमपुर खीरी। बच्चों के हक की जमीन वापस दिलाने की मांग को लेकर एक मां अपने परिवार के साथ पिछले तीन दिनों से बिलौबी प्रांगण में आमरण अनशन पर बैठी है। मैगलगंज थाना क्षेत्र के ग्राम धर्माखेड़ा निवासी मनजीत कौर ने जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजकर भूमि विवाद, कथित जानलेवा हमले, पति के लापता होने और प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई नहीं किए जाने की निष्पक्ष जांच की मांग की है। मनजीत कौर का आरोप है कि ग्राम पिपरी अजीज, ब्लाक पसगवां में गाटा संख्या 540 की करीब आठ एकड़ भूमि उनके पति तरसेम सिंह के नाम थी। इसमें करीब चार एकड़ भूमि पर वह काबिज हैं। आरोप है कि जालसाजी के माध्यम से भूमि का बैनामा कराकर उस पर जबरन कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बच्चों के हक की चार एकड़ भूमि सुरक्षित कराने की मांग की है। ज्ञापन में मनजीत कौर ने आरोप लगाया कि 23 जून को खेत में पेड़ काटे जाने का विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की गई। डायल 112 पुलिस की मौजूदगी में एक व्यक्ति ने कुल्हाड़ी से उन पर हमला किया, जिससे वह घायल हो गईं। उन्होंने मामले में सभी आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने ससुरालीजनों पर उत्पीड़न, फसल कटवाने और जमीन के बैनामे में अनियमितता के आरोप लगाए हैं। पति तरसेम सिंह की लंबे समय से जानकारी न मिलने, वाहन और मोबाइल नंबरों तथा भूमि की बिक्री के लेनदेन की भी जांच की मांग की गई है। मनजीत कौर का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं होती, तब तक परिवार के साथ उनका अनशन जारी रहेगा।

दो दिन से लगातार बारिश बनी आफत, शहर के कई मोहल्ले जलमग्न

- 50 से ज्यादा पेड़ गिरे, सड़कों पर पानी व बिजली संकट से लोग बेहाल

समृद्धि न्यूज़, लखीमपुर खीरी।

दो दिन से लगातार हो रही बारिश ने शहर की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी है। लगातार बारिश के चलते लखीमपुर शहर के कई मोहल्लों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। सड़कें और गलियां पानी में डूबी होने से लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं तेज हवा और बारिश के कारण शहर व आसपास के क्षेत्रों में कम से कम 50 पेड़ गिरने की सूचना है। कई स्थानों पर पेड़ों के बिजली लाइनों पर गिरने से आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। शहर के

शास्त्रीनगर, ईदगाह, नई बस्ती, हिदायतनगर, गणेश नगर, देवकली रोड समेत कई मोहल्लों में बारिश का पानी सड़कों पर जमा है। निचले इलाकों में घरों और दुकानों के आसपास पानी पहुंचने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। जलनिकासी की व्यवस्था पर्याप्त न होने से बारिश रुकने के बाद भी पानी निकलने में समय लग रहा है। तेज बारिश के दौरान डीसी रोड, जंगलीनाथ मंदिर, सौजन्या चौराहा, डॉन बॉस्को स्कूल के पास, रेलवे कालोनी गोटैयाबाग, गढ़ी रोड और छाउछ सहित कई स्थानों पर पेड़ गिरने की घटनाएं सामने आई हैं। कुछ जगह पेड़ों की टहनियां और तने बिजली की लाइनों पर गिरने से विद्युत आपूर्ति बाधित हुई। इससे कई मोहल्लों में घंटों बिजली गुल रहने से लोगों को परेशानी उठानी पड़ी। बारिश के कारण शहर की कई प्रमुख सड़कों पर कीचड़ और पानी जमा होने से वाहन चालकों को भी दिक्कत हुई। दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ा। लगातार बारिश से खेतों में खड़ी फसलों पर भी असर पड़ने की आशंका है। लोगों का कहना है कि हर बार बारिश में जलभराव की समस्या सामने आती है, लेकिन स्थायी जलनिकासी की व्यवस्था नहीं होने से समस्या जस की तस बनी हुई है।

बारिश में हुई फसलों का नुकसान का निरीक्षण करते एसडीएम राजेश प्रताप

समृद्धि न्यूज़, मोहम्मदी, लखीमपुर।

क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश और तेज हवाओं के चलते किसान की फसलों को भारी नुकसान हुआ है। जिसको लेकर प्रशासन ने क्षति का आकलन कर रिपोर्ट मांगी गई है। जिससे समय पर मुआवजा दिलाया जा सके। एसडीएम राजेश प्रताप सिंह और तहसीलदार गरिमा वर्मा ने तहसील क्षेत्र में हुई जनहानि और फसल हानि को लेकर राजस्व कर्मचारियों को क्षेत्र में पहुंचकर रिपोर्ट मांगी गई है। वहीं कई गांव में एसडीएम ने टीम के साथ मौके पर पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण कर फसल नुकसान का आकलन किया है।

रविवार को खिरिया घासी समेत कई गांव में बारिश से खराब हुई फसलों को लेकर निरीक्षण किया है। क्षेत्र के किसान प्रदीप वर्मा उर्फ पप्पू ने बताया हम सब किसने की मेहनत मिट्टी में मिल गई अब सरकार की सेटेलाइट काम नहीं कर रही है कम से काम सही सर्वे करा कर हम किसानों को मुआवजा तो मिल जाए इसी क्रम में मुबारिक का निवासी किरियारा, महेंद्र सिंह इटारोड़ा, जगतार, सौरभ मिश्रा, सुमित वर्मा, निरंकार विश्वकर्मा, अधिवक्ता अधिवक्ता धीरज प्रताप सिंह सहित सैकड़ो किसानों का लाखों का नुकसान हो गया बस सरकार से मुआवजे की आप में बैठा हुआ है यहां तक ही नहीं कई किसानों के मकान भी ध्वस्त हो गए एसडीएम राजेश प्रताप ने बताया संबंधितं क्षेत्र के लेखपाल से रिपोर्ट लेकर शासन को भेजने की बात कही गई है। वहीं कई गांव में जल निकास को लेकर समस्या उत्पन्न हो गई है।जिसको लेकर युद्ध स्तर पर कार्रवाई की जा रही है जिससे लोगों का जन जीवन सामान्य हो सके।

स्वामी प्रवक्तानंद ने कार्यकर्ताओं संग सुनी 'मन की बात'

पीलीभीत। खमरियापुल स्थित श्री परम अक्रिय धाम आश्रम में रविवार को महामंडलेश्वर एवं बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद महाराज ने बड़ी संख्या में पहुंचे क्षेत्रवासियों और कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का 138वां संस्करण सुना। इस दौरान आश्रम परिसर में मौजूद लोगों ने प्रधानमंत्री के संबोधन को ध्यानपूर्वक सुना और उनके द्वारा उठाए गए विभिन्न राष्ट्रीय विषयों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने देश में चल रहे जनगणना अभियान का उल्लेख करते हुए इसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दायित्व बताया और देशवासियों से इसमें पूरी जिम्मेदारी के साथ सहयोग करने का आह्वान किया। संबोधन में युवा पीढ़ी और विशेष रूप से नई पीढ़ी की भूमिका पर भी जोर दिया गया। प्रधानमंत्री ने देश के विकास, सामाजिक बदलाव और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की ऊर्जा तथा सहभागिता को महत्वपूर्ण बताया।कार्यक्रम के दौरान देश की सुरक्षा और सशस्त्र बलों के पराक्रम से जुड़े विषय भी प्रमुखता से सामने आए। सर्जिकल स्ट्राइक का स्मरण करते हुए आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति और सुरक्षा बलों के साहस का उल्लेख किया गया। इससे उपस्थित कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों में राष्ट्र सुरक्षा तथा जवानों के प्रति सम्मान की भावना देखने को मिली। प्रधानमंत्री ने स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को लेकर भी देशवासियों से निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया।

थाना पूरनपुर में अचानक पहुंचे अपर पुलिस अधीक्षक, लंबित विवेचनाओं पर कसा शिकंजा

- अभिलेखों से लेकर शस्त्रागार व सीसीटीएनएस कक्ष तक का लिया जायजा

समृद्धि न्यूज़, पूरनपुर।

पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक ने रविवार को थाना पूरनपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया। अचानक हुए निरीक्षण से थाने में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों में सक्रियता बढ़ गई। अपर पुलिस अधीक्षक ने थाना परिसर की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लेते हुए अभिलेखों के रख-रखाव से

लेकर विभिन्न शाखाओं और जनसुविधाओं की स्थिति देखी तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान थाना कार्यालय पहुंचकर अभिलेखों की स्थिति और उनके रख-रखाव की जानकारी ली गई। इसके अलावा शस्त्रागार, स्टोर रूम, मिशन शक्ति केंद्र, भोजनालय और सीसीटीएनएस कक्ष का भी निरीक्षण किया गया। थाना परिसर की अन्य व्यवस्थाओं को भी परखा गया। संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को अभिलेखों को व्यवस्थित रखने, साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने तथा निर्धारित व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के बाद अपर पुलिस अधीक्षक ने थाना पूरनपुर के विवेचकों के साथ ओआर यानी ऑर्डरली रूम किया। इस दौरान लंबित विवेचनाओं और प्रार्थना पत्रों की प्रगति की समीक्षा की गई। विवेचकों से लंबित मामलों के संबंध में जानकारी लेते हुए उनके निस्तारण की स्थिति जानी गई।

सेवा संकल्प के सहभोज में उमड़ा जनसैलाब, जन्मदिन की शुभकामनाओं से गूंजा परम अक्रियधाम

- हजारों क्षेत्रवासियों ने एक साथ ग्रहण किया प्रसाद, जन्मदिन पर छूटी मुलाकातें भी हुईं पूरीं

समृद्धि न्यूज़, पीलीभीत।

खमरियापुल स्थित श्री परम अक्रियधाम आश्रम में रविवार को सेवा, सामाजिक सहभागिता और आत्मीय मिलन का अद्भुत संगम देखने को मिला। शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर चलाए जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत आयोजित विशाल सहभोज में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी और पार्टी कार्यकर्ता पहुंचे। आश्रम परिसर में लोगों ने एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण किया और सेवा के इस आयोजन में सहभागिता निभाई। सहभोज के दौरान आश्रम परिसर में लोगों की भारी मौजूदगी रही। बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के अलग-अलग

हिस्सों से पहुंचे क्षेत्रवासियों और कार्यकर्ताओं के बीच उत्साह का माहौल दिखाई दिया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य, बरखेड़ा मंडल अध्यक्ष प्यारेलाल कश्यप, मरौरी मंडल अध्यक्ष महेश लोधी, गजरौला मंडल अध्यक्ष ठाकुर कपिल सिंह समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और क्षेत्रवासी मौजूद रहे। महामंडलेश्वर एवं 128 विधानसभा बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद महाराज के जन्मदिन के अवसर पर बीते दिनों व्यस्तता के कारण अनेक शुभचिंतकों की उनसे मुलाकात नहीं हो सकी थी। रविवार को सहभोज के अवसर पर ऐसे अनेक लोग आश्रम पहुंचे और स्वामी प्रवक्तानंद महाराज से आत्मीय भेंट कर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।इस दौरान शुभचिंतकों ने स्वामी प्रवक्तानंद महाराज को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। लोगों ने उनके स्वस्थ, दीर्घायु और यशस्वी जीवन की कामना की। स्वामी जी ने भी सभी के स्नेह और शुभकामनाओं को स्वीकार करते हुए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर महामंडलेश्वर एवं विधायक स्वामी प्रवक्तानंद महाराज ने उपस्थित क्षेत्रवासियों और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सेवा का वास्तविक अर्थ केवल किसी एक व्यक्ति की सहायता करना नहीं, बल्कि समाज के हर जरूरतमंद व्यक्ति के साथ खड़े होना है।

चुनाव आयोग के विवाद पर विराम

चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था में विचार-विमर्श के दौरान मतभेद होना अस्वाभाविक नहीं है। महत्वपूर्ण यह है कि ऐसे मतभेद संस्थागत प्रक्रिया के भीतर रहें और उनके बारे में तथ्य स्पष्ट रूप से सामने आएं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू तथा विवेक जोशी की 26 सितंबर को हुई बैठक ने हाल में उठे आंतरिक मतभेद के सवालों पर काफी हद तक स्थिति स्पष्ट करने का प्रयास किया है। आयोग ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर से जुड़े निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए। हाल में प्रकाशित एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि दोनों चुनाव आयुक्तों ने मुख्य चुनाव आयुक्त के कुछ निर्णयों पर आपत्ति जताई और कैबिनेट सचिव को पत्र भी लिखा। इसके बाद आयोग के भीतर मतभेद और एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक बहस तेज हुई। अब आयोग की ओर से स्पष्ट किया गया है कि कैबिनेट सचिव को भेजा गया पत्र आयोग की किसी नीतिगत असहमति से संबंधित नहीं, बल्कि प्रतिनियुक्ति पर आए एक अधिकारी के प्रशासनिक कामकाज से जुड़ा था। इस स्पष्टीकरण के बाद कम से कम उस पत्र को एसआईआर संबंधी नीतिगत टकराव का प्रमाण मानने की धारणा पर सवाल जरूर खड़ा होता है। एसआईआर के संबंध में भी आयोग ने अपना रुख स्पष्ट किया है। उसका कहना है कि इस प्रक्रिया से जुड़े फैसले तीनों आयुक्तों की सहमति से हुए। यह स्पष्टीकरण इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि मतदाता सूची के पुनरीक्षण जैसे विषय का सीधा संबंध मतदाताओं के संवैधानिक अधिकार से है। चुनाव आयोग की विश्वसनीयता केवल उसके फैसलों से नहीं, बल्कि फैसले लेने की प्रक्रिया की पारदर्शिता से भी तय होती है। फॉर्म-6 को लेकर उठे सवालों पर भी स्थिति को तथ्यों के आधार पर देखना होगा। बिहार में एसआईआर के दौरान मतदाताओं से अतिरिक्त जानकारी और दस्तावेज लेने की व्यवस्था को लेकर सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। न्यायालय ने सुनवाई के दौरान मतदाताओं के हितों की सुरक्षा के लिए आधार, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड जैसे दस्तावेजों को भी स्वीकार करने का निर्देश दिया था। बाद की न्यायिक कार्यवाही में पात्र मतदाताओं को दावे और आपत्तियां दाखिल करने के पर्याप्त अवसर देने पर भी जोर दिया गया। यही कारण है कि एसआईआर को केवल राजनीतिक विवाद के रूप में देखना उचित नहीं होगा। मतदाता सूची को अद्यतन रखना चुनाव प्रक्रिया की बुनियादी आवश्यकता है। मृत मतदाताओं, स्थायी रूप से स्थानांतरित हो चुके लोगों, दोहरे नामों और अन्य त्रुटियों को दूर करना आवश्यक है। साथ ही यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि किसी पात्र भारतीय नागरिक का नाम केवल दस्तावेजी कठिनाई, प्रशासनिक चूक या प्रक्रिया की अस्पष्टता के कारण मतदाता सूची से बाहर न हो। चुनावी शुचिता और मतदाता अधिकार—दोनों को साथ लेकर चलना होगा। एसआईआर के विरोध का एक प्रमुख आधार यही है कि बड़े पैमाने पर दस्तावेज मांगने की प्रक्रिया से वास्तविक मतदाताओं को परेशानी हो सकती है। दूसरी ओर, चुनाव आयोग का तर्क मतदाता सूची की शुद्धता और पात्रता की जांच से जुड़ा है। इसलिए इस बहस का समाधान आरोप-प्रत्यारोप से नहीं, बल्कि स्पष्ट नियम, सरल प्रक्रिया, पर्याप्त समय और प्रभावी अपील व्यवस्था से निकल सकता है। 26 सितंबर की बैठक में आयोग ने एसआईआर के दौरान आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों को कम करने के लिए प्रक्रिया में कुछ बदलावों की घोषणा भी की। रिपोर्टों के अनुसार दस्तावेज जमा करने और सुनवाई की प्रक्रिया को अधिक सुविधाजनक बनाने के कदम उठाए गए हैं। यह स्वागतयोग्य दिशा है, क्योंकि चुनावी प्रक्रिया का उद्देश्य नागरिक के लिए बाधा खड़ी करना नहीं, बल्कि उसके अधिकार को सुरक्षित करना होना चाहिए। विपक्षी दलों ने एसआईआर को लेकर गंभीर आपत्तियां उठाई हैं। उनका कहना है कि पुनरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम प्रभावित हो सकते हैं। दूसरी ओर आयोग अपने फैसलों को नियमों और न्यायिक प्रक्रिया के अनुरूप बता रहा है। ऐसे में लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए सबसे उपयोगी रास्ता यही है कि जिन मतदाताओं को शिकायत है, उनके दावों और आपत्तियों की पारदर्शी तरीके से जांच हो। राजनीतिक दल भी ऐसे मामलों को सामने लाकर संस्थागत प्रक्रिया के जरिये उनका समाधान कराने में भूमिका निभा सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट में एसआईआर से संबंधित मुकदमों की न्यायिक समीक्षा भी हुई है। अदालत ने प्रक्रिया के दौरान मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा और दावे-आपत्तियों के अवसर पर जोर दिया है। इसलिए न्यायालय में चल रही कार्यवाही को राजनीतिक आरोपों के आधार पर अंतिम निष्कर्ष में बदलने के बजाय उसके आदेशों और निर्णयों के आधार पर ही समझा जाना चाहिए।

चुनाव आयोग के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती केवल आंतरिक एकजुटता दिखाने की नहीं, बल्कि मतदाता सूची पुनरीक्षण की पूरी प्रक्रिया में विश्वास कायम करने की है। आयोग की ताजा बैठक ने आंतरिक मतभेद की अटकलों पर स्थिति जरूर स्पष्ट की है, लेकिन एसआईआर से जुड़े व्यावहारिक सवालों का महत्व बना रहेगा। लोकतंत्र में चुनाव की निष्पक्षता का आधार केवल मतदान का दिन नहीं, बल्कि उससे पहले तैयार होने वाली मतदाता सूची भी है। इसलिए आगे की दिशा स्पष्ट होनी चाहिए—पात्र मतदाता का नाम सुरक्षित रहे, अपात्र नामों की जांच हो, दावे-आपत्तियों की निष्पक्ष सुनवाई हो और हर निर्णय का पर्याप्त रिकॉर्ड उपलब्ध रहे। इससे न केवल चुनाव आयोग की विश्वसनीयता मजबूत होगी, बल्कि राजनीतिक दलों और मतदाताओं के बीच पैदा होने वाले अविश्वास को भी कम किया जा सकेगा। विवाद पर विराम तभी स्थायी माना जाएगा, जब प्रक्रिया पर भरोसा भी मजबूत हो।

दो टूक

सत्ता में आधी आबादी की हिस्सेदारी अभी दूर

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

महिलाएं मतदान के मामले में पुरुषों के बराबर ही नहीं, कई चुनावों में उससे आगे भी दिखाई देती हैं। चुनावी राजनीति में उनकी मौजूदगी लगातार बढ़ी है। राजनीतिक दलों के घोषणापत्रों में भी महिलाओं को केंद्र में रखकर योजनाओं और वादों की कमी नहीं है। इसके बावजूद जब सत्ता के शीर्ष स्तर पर निर्णय लेने की बारी आती है तो तस्वीर बदल जाती है। महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी और वास्तविक सत्ता में हिस्सेदारी के बीच अभी भी बड़ा अंतर है।

विश्व आर्थिक मंच की 16 सितंबर 2026 को जारी वैश्विक लैंगिक अंतर रिपोर्ट 2026 इसी विरोधाभास को सामने रखती है। रिपोर्ट के 20वें संस्करण में 145 देशों की स्थिति का आकलन किया गया है। वैश्विक स्तर पर लैंगिक अंतर का 69.2 प्रतिशत हिस्सा पाटा जा चुका है, लेकिन राजनीतिक सशक्तीकरण अब भी सबसे पीछे रहने वाले क्षेत्रों में है। रिपोर्ट के अनुसार, मौजूदा गति बनी रही तो वैश्विक स्तर पर पूर्ण लैंगिक समानता हासिल करने में 120 वर्ष लग सकते हैं। भारत की स्थिति को देखें तो देश 131वें स्थान पर है और उसका समग्र लैंगिक समानता स्कोर 64.5 प्रतिशत है। पिछले दो दशकों में इसमें सुधार हुआ है, लेकिन सुधार की गति सभी क्षेत्रों में एक जैसी नहीं रही। भारत की सबसे बड़ी चुनौती राजनीतिक सशक्तीकरण के क्षेत्र में दिखाई देती है। यहां भारत का स्कोर 24.5 प्रतिशत है। संसद में महिलाओं की राजनीतिक हिस्सेदारी से जुड़ा लैंगिक समानता स्कोर 16.1 प्रतिशत है, जबकि मंत्रिस्तरीय स्तर पर यह केवल 5.9 प्रतिशत है। खास बात यह है कि मंत्रिस्तरीय स्तर का स्कोर 2019 के 30 प्रतिशत के उच्चतम स्तर से काफी नीचे है। भारत के लिए रिपोर्ट का सकारात्मक पक्ष शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में दिखाई देता है। शिक्षा में लैंगिक समानता का स्तर 96.6 प्रतिशत है। स्वास्थ्य और उत्तरजीविता में यह 95.6 प्रतिशत है। यानी इन दोनों क्षेत्रों में महिलाओं और पुरुषों के बीच अंतर काफी हद तक कम हुआ है।

शिक्षा के क्षेत्र में भारत ने पिछले दो दशकों में उल्लेखनीय सुधार किया है। रिपोर्ट के अनुसार प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा में नामांकन के स्तर पर भारत लगभग पूर्ण समानता की स्थिति में है। वयस्क साक्षरता में अभी अंतर मौजूद है, लेकिन यहां भी दीर्घकालीन सुधार दर्ज किया गया है। यह स्थिति इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि शिक्षा को महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक स्थिति मजबूत करने की बुनियाद माना जाता है। शिक्षा के अवसर बढ़ने से रोजगार, आय, स्वास्थ्य और निर्णय लेने की क्षमता पर भी असर पड़ता है। इसलिए इस मोर्चे पर हुई प्रगति को आगे की राजनीतिक और आर्थिक भागीदारी की आधारभूमि माना जा सकता है। आर्थिक भागीदारी में भारत का लैंगिक समानता स्कोर 41.2 प्रतिशत है। पिछले वर्ष की तुलना में इसमें 0.5 प्रतिशत अंक का सुधार हुआ है। हालांकि यह स्तर अभी भी काफी नीचे है। रिपोर्ट बताती है कि पेशेवर और तकनीकी कामकाज में महिलाओं की स्थिति में पिछले दो दशकों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। 2006 में इस क्षेत्र में समानता का स्तर 26.6 प्रतिशत था, जो 2026 में बढ़कर 49.9 प्रतिशत हो गया। इसके बावजूद श्रमबल में महिलाओं की भागीदारी की तस्वीर बहुत मजबूत नहीं है। 2026 में इसका लैंगिक समानता स्कोर 44.1 प्रतिशत है। विधायकों, वरिष्ठ अधिकारियों और प्रबंधकों के स्तर पर भी महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ी है, लेकिन यह अभी 13.1 प्रतिशत के समानता स्कोर पर है। इससे स्पष्ट है कि महिलाओं की शिक्षा और कार्यबल में प्रवेश बढ़ने के बावजूद निर्णयकारी और वरिष्ठ पदों तक उनकी पहुंच अभी सीमित है। रिपोर्ट का सबसे महत्वपूर्ण संदेश राजनीतिक क्षेत्र से जुड़ा है। वैश्विक स्तर पर पिछले 20 वर्षों में राजनीतिक सशक्तीकरण में सबसे ज्यादा सुधार हुआ है, लेकिन यह क्षेत्र अभी भी लैंगिक अंतर के मामले में सबसे पीछे है। 2006 में वैश्विक राजनीतिक सशक्तीकरण का स्कोर 14.4 प्रतिशत था, जो 2026 में बढ़कर 22.4 प्रतिशत हुआ। लेकिन 2020 के 24.6 प्रतिशत के उच्चतम स्तर के बाद इसमें गिरावट भी दर्ज हुई है। मंत्रिमंडलों में महिलाओं की हिस्सेदारी का सवाल भी महत्वपूर्ण है। रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर में मंत्रिस्तरीय पदों पर महिलाओं की समानता का स्कोर 23.5 प्रतिशत है। संसदों में यह 31.4 प्रतिशत है। यानी संसद की तुलना में मंत्रिमंडल के स्तर पर महिलाओं की भागीदारी और प्रभाव अभी भी कम है।

भारत में यह अंतर और स्पष्ट दिखाई देता है। संसद में महिलाओं का समानता स्कोर 16.1 प्रतिशत है, जबकि मंत्रिस्तरीय स्तर पर यह केवल 5.9 प्रतिशत है। 2019 में भारत का मंत्रिस्तरीय समानता स्कोर 30 प्रतिशत तक पहुंचा था। उसके बाद इसमें बड़ी गिरावट आई।

भारतीय राजनीति में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का एक दूसरा पहलू भी है। मतदान से लेकर चुनावी परिणामों तक महिलाओं की भूमिका लगातार महत्वपूर्ण हुई है। राजनीतिक दल महिलाओं को केंद्र में रखकर योजनाएं बनाते हैं। महिला मतदाताओं के लिए अलग घोषणाएं और कल्याणकारी योजनाएं भी चुनावी राजनीति का प्रमुख हिस्सा बन चुकी हैं। लेकिन सवाल यह है कि जिस आधी आबादी को राजनीतिक दल मतदाता के रूप में इतनी गंभीरता से देखते हैं, उसे निर्णय लेने वाली संस्थाओं में उसी अनुपात में जगह क्यों नहीं मिल रही? यही अंतर लैंगिक समानता की बहस का सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न बनकर सामने आता है। स्थानीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के आरक्षण ने इस दिशा में आधार तैयार किया है। बड़ी संख्या में महिलाएं स्थानीय शासन का हिस्सा बनी हैं। इससे राजनीतिक अनुभव और नेतृत्व का एक नया आधार तैयार हुआ है। अब चुनौती इस अनुभव को विधानसभा, संसद और मंत्रिमंडल जैसे उच्च निर्णयकारी स्तरों तक पहुंचाने की है। भारत में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने के लिए संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के आरक्षण का संवैधानिक प्रावधान किया जा चुका है। इसके प्रभावी क्रियान्वयन का रास्ता परिसीमन और संबंधित संवैधानिक प्रावधानों से जुड़ा है। ऐसे में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि भविष्य में इसका वास्तविक राजनीतिक प्रतिनिधित्व पर कितना प्रभाव पड़ता है। राजनीति में संख्या बढ़ना ही पर्याप्त नहीं है। वास्तविक चुनौती यह भी है कि महिलाओं को महत्वपूर्ण समितियों, मंत्रालयों और निर्णयकारी जिम्मेदारियों में प्रभावी भूमिका मिले। राजनीतिक प्रतिनिधित्व तभी सार्थक होगा जब महिलाओं की आवाज नीति निर्माण के केंद्र तक पहुंचे।

वैश्विक स्तर पर आइसलैंड 93 प्रतिशत के स्कोर के साथ इस सूचकांक में शीर्ष पर है। फिनलैंड, नॉर्वे और अन्य देशों ने भी कई क्षेत्रों में लैंगिक अंतर कम करने में उल्लेखनीय प्रगति की है। लेकिन रिपोर्ट का निष्कर्ष केवल कुछ देशों की सफलता तक सीमित नहीं है। पूरी दुनिया के सामने चुनौती बनी हुई है। विश्व आर्थिक मंच ने 2006 में पहली बार वैश्विक लैंगिक अंतर सूचकांक जारी किया था। 2026 का संस्करण इसकी 20वीं रिपोर्ट है। इसमें चार प्रमुख क्षेत्रों—आर्थिक भागीदारी और अवसर, शैक्षिक उपलब्धि, स्वास्थ्य एवं उत्तरजीविता तथा राजनीतिक सशक्तीकरण—के आधार पर देशों की स्थिति का आकलन किया गया है।

(यह लेखक के अपने विचार हैं।)

चुनाव आयोग में एकतरफा फैसलों की जगह नहीं

एस.वाई. कुरैशी

एक साल से भी अधिक समय से, मैं मतदाता सूचियों के 'विशेष सघन पुनरीक्षण' (एस.आई.आर.) के बारे में आलोचनात्मक रूप से लिखता रहा हूं। मैंने ऐसा कुछ संकोच के साथ किया। भारत का निर्वाचन आयोग (ई.सी.आई.) एक ऐसा संस्थान है, जहां मैंने कई वर्षों तक सेवा की है। मैं इसकी खूबियों को जानता हूं और मैंने अक्सर इसे हमारे संविधान के महान उपहारों में से एक कहा है। एक अंग्रेजी अखबार के खुलासों के बाद, मुझे आश्चर्य होता है कि क्या मैं पर्याप्त रूप से आलोचनात्मक था? जांच रिपोर्ट बताती है कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने 10 महीनों में कम से कम 14 बार उन फैसलों और आदेशों पर आपत्तियां दर्ज कराईं, जिनके बारे में उन्होंने कहा कि वे उनकी जानकारी के बिना लिए गए थे। उनकी चिंताएं ई.सी.आई. के मूल कामकाज से जुड़ी थीं, जिसमें मतदाताओं का पंजीकरण और विलोपन, नामों की बहाली, फॉर्म 6, चुनावी मामलों में अपील और नामावलियों की डिजिटल संरचना पर नियंत्रण शामिल था।

अब सवाल सिर्फ यह नहीं रह गया कि क्या एस.आई.आर. बुद्धिमानी भरा, निष्पक्ष या प्रशासनिक रूप से सही था। एक वास्तविक सवाल उठता है-क्या ये फैसले वास्तव में ई.सी.आई. द्वारा लिए जा रहे हैं? यदि नहीं, तो क्या इन्हें कानूनी माना जा सकता है? कानून स्पष्ट है। मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और पदावधि) अधिनियम, 2023 की धारा 18(2) में प्रावधान है कि आयोग का सारा कामकाज, जहां तक संभव हो, सर्वसम्मति से निपटाया जाएगा। यदि मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों में मतभेद होता है, तो मामले का फैसला 'बहुमत की राय के अनुसार किया जाएगा'।

धारा 18(1) इससे भी आगे जाती है-कामकाज के संचालन और उसके आबंटन की प्रक्रिया को भी केवल सर्वसम्मत फैसले द्वारा ही विनियमित किया जा सकता है। सर्वसम्मति ही वैधानिक नियम है। जहां यह विफल होती है, वहां बहुमत तय करता है। एकतरफा फैसलों के लिए यहां कोई जगह नहीं है। यह सिद्धांत इस कानून से भी पुराना है। टी.एन. शेषन बनाम भारत संघ (1995) के मामले में, सर्वोच्च न्यायालय ने इस बात पर बल दिया था कि अनुच्छेद 324 चुनावों की जिम्मेदारी ई.सी.आई. को सौंपता है, किसी एक व्यक्ति को नहीं। यदि दो आयुक्त मुख्य चुनाव आयुक्त (सी.ई.सी.) से असहमत होते हैं, तो धारा 18 बताती है कि किसका दृष्टिकोण मान्य होगा।

कानूनी परिणाम गंभीर हैं। किसी ऐसे ठोस फैसले पर विचार करें जो कानून आयोग में निहित करता है लेकिन आयोग के समक्ष रखे बिना या कामकाज के विधिपूर्वक अपनाए गए आबंटन के दायरे के बिना 'चुनाव आयोग' के नाम पर लिया गया हो, ऐसा निर्णय प्रथम दृष्टया, अधिकारक्षेत्र से बाहर है। कोई लैटरहैड वह अधिकार प्रदान नहीं कर सकता, जिसे कानून रोकता है। आयोग 3 सदस्यीय संवैधानिक निकाय है। यह इसके अध्यक्ष का दूसरा नाम नहीं है। एस.आई.आर. विवाद के दौरान ई.सी.आई. को लगभग एक अखंड सार्वजनिक चेहरा बनाए रखते देखकर, मुझे कभी-कभी आश्चर्य होता था कि क्या दोनों आयुक्त बहुत डरपोक थे और क्या उनकी चुप्पी का मतलब सहमति था? रिपोर्ट इसके उलट संकेत देती है। वे फाइल पर आपत्तियां दर्ज करा रहे थे, फैसलों पर सवाल उठा रहे थे, चुनावी डाटाबेस के इर्द-गिर्द सुरक्षा उपायों की मांग कर रहे थे और यहां तक कि जब उन्हें लगा कि संस्थागत प्रक्रियाओं का उल्लंघन हुआ है, तो उन्होंने कैबिनेट सचिव से भी संपर्क किया।

प्रतिक्रिया संस्थागत होनी चाहिए, दलगत नहीं। एक आयोग के रूप में बैठक करते हुए आयोग को निम्नलिखित कदम उठाने चाहिएं-यह खुलासा करना चाहिए कि एस.आई.आर. के किन बड़े फैसलों को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई थी, किन्हें बहुमत से तय किया गया था और किस वैध अधिकार के तहत अन्य फैसले जारी किए गए थे। ऐसे हर फैसले की समीक्षा की जाए, जिसे दो आयुक्तों ने मंजूरी के अभाव के रूप में चुनौती दी है और जिसे भी बिना वैध अधिकार के लिया गया पाया जाए, उसे वापस लिया जाए। फॉर्म 6 को वैधानिक नियमों के अनुरूप बहाल किया जाए। ईसीआईनैट को एक स्वतंत्र तकनीकी और कानूनी ऑडिट के अधीन किया जाए।

यह सुनिश्चित किया जाए कि वैधानिक ई.आर.ओ. उन शक्तियों का प्रयोग कर सकें जो संसद ने उन्हें दी हैं। उस प्राधिकारी का खुलासा किया जाए, जिसके तहत ई.सी.आई. के नाम पर अपीलें दायर की गईं। जहां आयोग कार्रवाई नहीं करेगा, वहां सर्वोच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करना होगा। सालों से, ई.सी.आई. के बारे में केंद्रीय सवाल यह रहा है कि क्या यह कार्यपालिका से स्वतंत्र है? आज एक और सवाल अपरिहार्य हो गया है-क्या चुनाव आयोग एक आयोग के रूप में कार्य कर रहा है?

संविधान ने एक आयोग का निर्माण किया था। संसद ने सामूहिक निर्णय लेने की व्यवस्था निर्धारित की थी। सर्वोच्च न्यायालय ने किसी व्यक्ति को संस्थान पर हावी होने देने के खिलाफ आगाह किया था। एक संवैधानिक प्राधिकरण, जो लगभग एक अरब मतदाताओं से चुनावी कानून के सख्त अनुपालन की मांग करता है, उसे खुद को नियंत्रित करने वाले कानून का सख्ती से पालन करके शुरुआत करनी चाहिए।

(यह लेखक के अपने विचार हैं।)

कोरस

बिंदेश कुमार झा

तुम्हारी करूणा का क्या फल होगा

मैं दुख के अंधकार में था
तुम्हारे इंतजार में था
पर तुम नहीं आए
नहीं कोई करुणा दिखाएं
क्या तुमने सोचा कि
मेरी आंखों में नेत्रजल होगा
तुम्हारी करूणा का क्या फल होगा

हमेशा जीवन में मैंने तुम्हारा साथ दिया
तुम्हारा चाहक बन सब कुछ किया
पर तुम नहीं आए
नहीं कोई करूणा दिखाएं
क्या तुमने सोचा कि मेरा मित्र
कहीं बेचैन होगा
मैं कहार रहा था व्यथा में अपने
तुम्हारे आने का सपना देख रहा था
पर तुम नहीं आ सके
संवेदना का एक शब्द ना कह सके
मैं सोचा था मेरा मित्र
मेरे व्यथा में अवल होगा
अब तुम्हारे करूणा दिखाने का क्या फल होगा

नई औद्योगिक क्रांति के पथ पर भारत

प्रहलाद सबनानी

भारत में आज एक नई औद्योगिक क्रांति प्रारम्भ हो चुकी है। यह विचार अमेरिका की जानी-मानी निवेश बैंकिंग संस्था जेफरीज ने व्यक्त किया है। भारत में विशेष रूप से डाटा सेंटर स्थापित करने के उद्देश्य से करोड़ों अमेरिकी डॉलर का निवेश होता दिखाई दे रहा है। डाटा सेंटर स्थापित करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से टैक्स में भारी छूट भी प्रदान की जा रही है। ऐसे में भारत में डाटा सेंटर स्थापित करने की होड़ दिखाई दे रही है। पिछले पांच वर्षों के दौरान भारत में डाटा सेंटरों की क्षमता दोगुनी हो चुकी है और आने वाले पांच वर्षों में इसके बढ़कर 10 जीडब्ल्यू तक पहुंचने की संभावना व्यक्त की जा रही है। वैश्विक स्तर पर डाटा सेंटर अब एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभर रहा है।

साथ ही, भारत में सेमीकंडक्टर उत्पादन इकाइयों को उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत लाभ प्रदान किया जा रहा है। इसके लिए 1,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि निर्धारित की गई है। इसका परिणाम यह है कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में विनिर्माण इकाइयों की स्थापना के लिए भारत में 2,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया जा चुका है और यह निवेश आगे भी जारी रहने की संभावना है। भारत आज उन चुनिंदा देशों में शामिल है, जिनके पास अंतरिक्ष क्षेत्र से संबंधित नवीनतम तकनीक उपलब्ध है। भारत में स्पेस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था वर्ष 2030 तक पांच गुना तक बढ़ सकती है। वैश्विक स्तर पर एयरोस्पेस क्षेत्र में मांग और आपूर्ति के बीच असंतुलन के चलते भारत लाभ की स्थिति में पहुंच गया है। कम लागत और कुशल इंजीनियरिंग टैलेंट भारत की महत्वपूर्ण ताकत बनकर उभरा है।

इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में भारत अब केवल पुर्जों को जोड़कर उत्पाद तैयार करने तक सीमित नहीं है बल्कि इस क्षेत्र में उच्चस्तरीय उत्पादों का निर्माण भी करने लगा है। अगले छह वर्षों में मोबाइल कंपोनेंट्स में घरेलू वैल्यू एडिशन लगभग 20 प्रतिशत से बढ़कर 50 प्रतिशत तक होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। सोलर क्षेत्र में भारत आज वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा सोलर पीवी उत्पादक देश बन गया है। इसका परिणाम यह है कि वर्तमान में भारत में 35 जीडब्ल्यू की सोलर क्षमता चालू है, जबकि 100 जीडब्ल्यू की क्षमता पर निर्माण कार्य चल रहा है। एशिया की सबसे बड़ी 100 कंपनियों की सूची में आज भारत की 34 कंपनियां शामिल हो चुकी हैं। कुल मिलाकर, पहले भारत फार्मा, टेक्सटाइल, चमड़ा उत्पाद, कृषि उत्पाद, मसाले, स्टील, ऑटोमोबाइल और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर उत्पादों का निर्यात करने में सफल हो रहा था। अब परिस्थितियां बदल रही हैं। डाटा सेंटर, सेमीकंडक्टर उत्पादन, स्पेस, इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर और सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी भारत तेजी से वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ रहा है।

भारत बन रहा है वैश्विक योग्यता केंद्र: भारत में उपलब्ध प्रतिभा और श्रमशक्ति के भरोसे विश्व की कई बड़ी कंपनियों के बीच भारत में विशाल वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित करने की होड़ दिखाई दे रही है। ब्रिटेन की फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने चेन्नई में एक विशाल वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित किया है। बैंक ऑफ अमेरिका ने अपना सबसे बड़ा बैक-ऑफिस कार्यालय पुणे में स्थापित किया है। इस बैंक के दुनियाभर के बैक-ऑफिस संचालन में कार्यरत 11,000 कर्मचारी इस केंद्र का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

अमेरिका के सबसे पुराने वित्तीय संस्थानों में से एक बैंक ऑफ न्यूयॉर्क मेलॉन ने पुणे और चेन्नई में वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित किए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में कार्य करने वाली बोस्टन की एक कंपनी ने फरवरी 2026 में हैदराबाद में बड़े स्तर पर अपना अंतरराष्ट्रीय कार्यालय स्थापित किया है। बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और पुणे में आज 1,700 से अधिक वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं। इन केंद्रों में 19 लाख से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। भारत अब आउटसोर्सिंग हब से आगे बढ़कर उच्चस्तरीय टैलेंट सेंटर के रूप में स्थापित हो रहा है।

भारत में स्थापित कुल वैश्विक योग्यता केंद्रों में लगभग 65 प्रतिशत केंद्र अमेरिकी कंपनियों द्वारा स्थापित किए गए हैं।

इन कंपनियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे अनुसंधान का कार्य इन केंद्रों में सम्पन्न हो रहा है। टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नए उत्पादों का विकास भी इन्हीं केंद्रों में किया जा रहा है। स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत अमेरिका की कंपनी ट्रूब्रिज ने भी फरवरी 2026 में मुंबई में वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित किया है। इस केंद्र का आने वाले समय में और विस्तार किया जाना है। इसी प्रकार बीमा, बैंकिंग, स्वास्थ्य, साइबर सिक्योरिटी, फार्मा और सुरक्षा के क्षेत्रों में कार्यरत अनेक कंपनियां भारत में अपने वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित कर रही हैं।

ब्रेन ड्रेन से रिवर्स ब्रेन ड्रेन की ओर: एक समय अमेरिका और अन्य विकसित देशों की ओर भारत से बड़े पैमाने पर ब्रेन ड्रेन हुआ करता था। अब परिस्थितियों में बदलाव दिखाई दे रहा है और भारत रिवर्स ब्रेन ड्रेन की दिशा में आगे बढ़ता दिखाई दे रहा है। विशेष रूप से अमेरिका की नीतियों के कारण अन्य देशों से अमेरिका जाने वाले टैलेंट के लिए वहां लंबे समय तक रहना चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। इसके साथ ही अमेरिका और अन्य यूरोपीय देशों में जनसंख्या संबंधी परिस्थितियां भी बदल रही हैं। इन देशों में जन्म दर लगातार कम हो रही है। वहां जीवनशैली तेजी से व्यक्तिगत केंद्रित होती जा रही है। विवाह जैसी सामाजिक संस्था के प्रति दृष्टिकोण में भी व्यापक परिवर्तन दिखाई दे रहा है। पश्चिमी देशों में लिव-इन रिलेशनशिप का चलन बढ़ा है और विवाह को लेकर पारंपरिक सोच में बदलाव आया है। तलाक की दरों में भी कई देशों में वृद्धि दर्ज की गई है। इन देशों में सामान्य जीवन-यापन की लागत लगातार बढ़ रही है।

परिवार बढ़ाने और बच्चों के पालन-पोषण पर होने वाला खर्च भी लोगों के निर्णयों को प्रभावित कर रहा है। इसी संदर्भ में 'डबल इनकम नो किड्स' यानी डीआईएनके का विचार भी जोर पकड़ रहा है। इसका अर्थ है कि परिवार में दोनों व्यक्ति आय अर्जित करें, पर बच्चे न हों। भारतीय दर्शन में विवाह को परिवार, समाज और अगली पीढ़ी के निर्माण से जुड़ी एक महत्वपूर्ण संस्था के रूप में देखा गया है। इसके विपरीत, पश्चिमी समाज में व्यक्तिगत स्वतंत्रता और व्यक्तिगत सुख को अधिक महत्व दिए जाने के कारण पारिवारिक संरचनाओं में बदलाव दिखाई दे रहा है। पुनर्जन्म और जीवन के आध्यात्मिक उद्देश्य को लेकर भारतीय तथा पश्चिमी दार्शनिक दृष्टिकोणों में भी महत्वपूर्ण अंतर है।

पश्चिमी समाज में बढ़ती भौतिक आवश्यकताओं, जीवन-यापन की लागत और व्यक्तिगत जीवनशैली का प्रभाव परिवार एवं जनसंख्या संरचना पर दिखाई दे रहा है। नागरिकों के सामने यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण होता जा रहा है कि वे अपनी आय और संसाधनों का कितना हिस्सा परिवार तथा बच्चों के पालन-पोषण पर खर्च कर सकते हैं। परिणामस्वरूप कई देशों में परिवार का आकार छोटा होता जा रहा है और जन्म दर में गिरावट देखी जा रही है।

भारत की ओर बढ़ता आकर्षण: आज पश्चिमी देशों के नागरिक, विशेष रूप से प्रौढ़ नागरिक, अपने जीवन के अंतिम चरण को अधिक सहज और शांतिपूर्ण बनाने के उद्देश्य से भारत की ओर भी आकर्षित हो रहे हैं। भारत की आध्यात्मिक नगरी ऋषिकेश, हरिद्वार तथा हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के अनेक क्षेत्रों में विदेशी नागरिकों की उपस्थिति बढ़ी है। कुछ देशों के नागरिक गोवा जैसे राज्यों में भी आकर बस रहे हैं।

भारत के इन स्थलों पर उन्हें मानसिक शांति और आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त होता है। प्रारम्भ में अनेक विदेशी नागरिक योग और आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त करने के उद्देश्य से भारत आते हैं। भारत में रहने के दौरान उन्हें यहां की जीवनशैली और आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव होता है। इसके बाद कुछ लोग भारत में ही लंबे समय तक रहने या बसने का निर्णय लेते हैं।

भारत में तेजी से विकसित हो रही औद्योगिक और तकनीकी क्षमताओं के साथ-साथ यहां की विशाल प्रतिभा, कुशल इंजीनियरिंग क्षमता, अपेक्षाकृत कम लागत और आध्यात्मिक-सांस्कृतिक वातावरण भी वैश्विक स्तर पर भारत के आकर्षण को बढ़ा रहा है। डाटा सेंटर से लेकर सेमीकंडक्टर, स्पेस, इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और वैश्विक योग्यता केंद्रों तक अनेक क्षेत्रों में भारत का विस्तार इस बात का संकेत है कि देश एक नए औद्योगिक और तकनीकी चरण में प्रवेश कर रहा है।

(यह लेखक के अपने विचार हैं।)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक: जितेन्द्र सिंह द्वारा एवीबी रिप्रोग्राफिक्स ए-59 इण्डस्ट्रियल एरिया तालकटोरा लखनऊ से मुद्रित एवं 2/353, विशाल खण्ड-2 गोमती नगर लखनऊ (उ.प्र.) से प्रकाशित। **सम्पादक जितेन्द्र सिंह***
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के तहत उत्तरदायी) समाचार से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा। आरएनआई UPHIN/2013/55887
पत्राचार एवं व्यवसायिक कार्यालय : 5/295, विपुल खण्ड-5, गोमती नगर, लखनऊ-226010, मो. 9554964672
For News : samradhinewslko@gmail.com/samradhinews@gmail.com **For Official :** chiefeditorsamriddhinews@gmail.com

खबरें एक नजर में

किसान मेले के स्थल में बदलाव, अब कुछेछा में होगा आयोजन

हमीरपुर। जनपद स्तरीय किसान मेले के स्थल में संशोधन किया गया है। उप कृषि निदेशक ने बताया कि 28 सितंबर को प्रातः 11ः00 बजे से आयोजित होने वाला किसान मेला अब पूर्व निर्धारित राजकीय महिला महाविद्यालय के स्थान पर विकास भवन परिसर, कुछेछा में आयोजित होगा7 जिलाधिकारी अशोक कुमार के निर्देश पर आयोजित इस मेले में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम व मक्का विकास कार्यक्रम के अंतर्गत कृषि, पशुपालन, उद्यान, मत्स्य, आजीविका मिशन सहित विभिन्न विभागों के स्टॉल लगेंगे। कृषि विज्ञान केंद्र कुरारा के वैज्ञानिक किसानों को उन्नत खेती व नई तकनीकों की जानकारी देंगे।

पति से झगड़कर महिला फांसी में झूली, मौत

सुमेरपुर। क्षेत्र के ग्राम पचखुरा खुर्द में बीती रात पति से झगडकर पत्नी फांसी में झूल गई पति की सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। इसी तरह के वार्ड संख्या 15 पीडब्ल्यूडी स्टोर के पास सेवानिवृत्त सिपाही ने गृह कलह के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने बगैर पुलिस को सूचित किये उनका अंतिम संस्कार कर दिया। थानाक्षेत्र के ग्राम पचखुरा खुर्द में बीती रात सर्वेश कुमार की पत्नी किरन 35 वर्ष ने पति से झगड़ने के बाद रात 12ः00 बजे फांसी पर झूल गई। पत्नी को फांसी पर लटका देखकर पति के होश उड़ गए। पति ने घटना से पुलिस को अवगत कराया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मृतका अपने पीछे पति सर्वेश कुमार, पुत्र शुभम, पुत्री शुभी को रोता बिलखता छोड़ गई है। इसी तरह वार्ड संख्या 15 में पीडब्ल्यूडी स्टोर के पास रहने वाले सेवानिवृत्त सिपाही राममनोहर साहू 65 वर्ष ने गृह कलह के चलते फांसी लगाकर शनिवार देर शाम आत्महत्या कर ली। सुबह परिजन बगैर किसी सूचना के अंतिम संस्कार कर दिया। थानाध्यक्ष पवन कुमार पटेल ने बताया कि महिला का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है सिपाही की सूचना उन्हें नहीं है।

केबल में शॉर्ट सर्किट से दो ट्रांसफार्मर जले, दुकानें बचीं

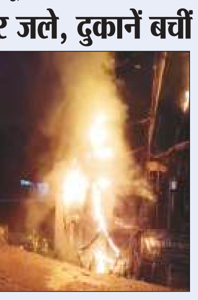

सुमेरपुर। शनिवार रात करीब 11 बजे निरीक्षण भवन के पास हाईवे किनारे रखे विद्युत ट्रांसफार्मर में एलटी लाइन की केबल में फाल्ट होने से आग लग गई। आग ने पास रखे दूसरे ट्रांसफार्मर को भी चपेट में ले लिया। कुछ ही देर में दोनों ट्रांसफार्मर जलकर खाक हो गए। ट्रांसफार्मरों के पास बनी दुकानों तक आग पहुंचने से पहले ही पड़ोसियों ने एकत्र होकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। दो ट्रांसफार्मर जलने से वार्ड संख्या 15 के आधे क्षेत्र की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। करीब 18 घंटे से बिजली न आने के कारण मोहल्लेवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विद्युत वितरण उपखंड के अवर अभियंता कार्तिकेय त्रिपाठी ने बताया कि एलटी लाइन की केबल में फाल्ट से आग लगी है। दोनों ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हुए हैं। शाम तक आपूर्ति बहाल करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

सड़क पर बह रहा पानी, गड्ढे बने मुसीबत

समथर, झांसी। कस्बे की प्रमुख सड़कों पर पाइप लीकेज और जगह-जगह बने गड्ढे राहगीरों के लिए परेशानी का कारण बने हुए हैं। आग बाजार स्थित हनुमान मंदिर के पास पाइप लाइन लीकेज होने से सड़क पर लगातार पानी बह रहा है, जिससे आवागमन प्रभावित हो रहा है। वहीं मूर्ति चौराहा स्थित साहू घी वाले के सामने मुख्य सड़क पर बना गहरा गड्ढा हादसे को दावत दे रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, दोनों समस्याओं की कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं हुआ।नगरवासियों ने संबंधित अधिकारियों से पाइप लीकेज दुरुस्त कराने और सड़क के गड्ढे को भरवाने की मांग की है, ताकि आवागमन सुचारु हो सके और हादसे की आशंका टाली जा सके।

निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन

गुरसरांय (झांसी)। सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय जानकी कुंड चित्रकूट के तत्वावधान में समाजसेवी मेजर अखिलेश पिपरैया के संयोजन में निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन ग्राम परसुवा में किया गया,जिसमें मरीजों का नेत्र परीक्षण कर उन्हें निशुल्क दवाइयां वितरित की गईं।नेत्र शिविर में डॉ जयप्रकाश चौबे,डॉ राहुल पाण्डेय,डॉ शिवानी वर्मा एवं डॉ शिवानी शाक्या ने मरीजों का परीक्षण किया।अंत मे शिविर के आयोजक मेजर अखिलेश पिपरैया ने सभी डॉक्टरों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर संतराम तिवारी, धनीराम कुशवाहा, धनीराम जायसवाल, रामप्रसाद अहिरवार,संजय कुमार खरे, गोविंदास श्रीवास, आत्माराम दुवे आदि उपस्थित रहे।

जर्जर कच्चे मकान में रहने को मजबूर परिवार

समथर (झांसी)। मोहल्ला नई बस्ती, वार्ड नंबर 15 निवासी श्रीराम कुशवाहा पुत्र रतीराम अपने परिवार के साथ जर्जर कच्चे मकान में रहने को मजबूर हैं। उनका कहना है कि आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वह स्वयं पक्का मकान बनवाने में सक्षम नहीं हैं।श्रीराम के अनुसार, आवास योजना का लाभ पाने के लिए उन्होंने कई बार ऑनलाइन आवेदन किया, लेकिन अब तक योजना का लाभ नहीं मिल सका। पुराने मकान की मरम्मत कराना भी आर्थिक तंगी के चलते मुश्किल है।उन्होंने संबंधित अधिकारियों से मकान का स्थलीय निरीक्षण कराकर पात्रता के आधार पर आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग की है, ताकि परिवार को सुरक्षित छत मिल सके।

लोडर से कुचल कर बाइक सवार युवक की मौत

बांदा। बदौसा थाना क्षेत्र के तुर्रा गांव के मजरा सुखाय पुरवा मटका डाढ निवासी केशू वर्मा (22) पुत्र रज्जू शनिवार को बहन रज्जी से बदौसा कस्बा स्थित ससुराल से मिलने के बाद बाइक से घर लौट रहा था। झांसी-मिर्जापुर नेशनल हाइवे स्थित बदौसा कस्बे के समीप ढाबा के पास सामने से आ रहे लोडर ने उसे कुचल दिया। वह गंभीर रूप से घायल हो गया। बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद वाहन समेत चालक मौके से फरार हो गया। सीएचसी से उसे हालत नाजुक होने पर रानी दुर्गावती मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। यहां उपचार से पहले ही उसकी मौत हो गई। मृतक के पिता ने बताया कि केशू पूना में रह कर मजदूरी करता था। चार दिन पहले पूना से गांव लौटा था। बहन से मिलने के बाद गांव लौट रहा था तभी रास्ते में यह हादसा हो गया।

कार्यकर्ताओं से एमएलसी चुनाव तैयारियों में जुटने का आह्वान

- भाजपा जिलाध्यक्ष ने पदाधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारियां

समृद्धि न्यूज़, बांदा।

विधान परिषद चुनाव को लेकर जिले में राजनीतिक सरगर्मियां परवान चढ़ने लगी हैं। सत्तारूढ़ भाजपा सहित सभी राजनीतिक दलों ने इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक निर्वाचन चुनाव को लेकर तैयारियां तेज कर दीं। इसी क्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष ने बैठक करते हुए पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपते हुए चुनाव की तैयारियों में जुटने का आह्वाहन किया।

तीन दिनों पहले भारत निर्वाचन आयोग द्वारा इलाहाबाद-झांसी विधान परिषद द्विवार्षिक निर्वाचन कार्यक्रम घोषित करने के बाद जिले में सत्ताधारी भाजपा समेत सभी राजनीतिक दलों ने चुनाव की तैयारियां तेज कर दीं। इसी क्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष कल्लू सिंह राजपूत ने रविवार को पार्टी कार्यालय में बैठक करते हुए इलाहबाद-झांसी खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करने के लिए सभी पदाधिकारियों को जिला व विधानसभा से लेकर बूथों तक जिम्मेदारियां सौंपी। कहा कि सौंपी गई जिम्मेदारियों का पदाधिकारी व कार्यकर्ता ईमानदारी से निर्वहन करते हुए अपने क्षेत्रीय बूथों के मतदाताओं से संपर्क कर भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने को जनसंपर्क अभियान चलाएं। यदि कोई मतदाता बनने से वंचित रह गया हो तो वह 29 सितंबर तक फार्म-18 भरकर जमा कर दें। इस मौके पर जिला महामंत्री सुधीर कुशवाहा, जिला मीडिया प्रभारी उत्तम सक्सेना, जिला उपाध्यक्ष अजित गुप्ता, राजेश सिंह परिहार, मंडल अध्यक्ष राजेश गुप्ता रज्जन, इंद्रजीत राजपूत, रमन सिंह, आशीष अवस्थी आदि मौजूद रहे।

302 करोड़ की बाईपास परियोजना का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

- बेतवा पुल की एक लेन पर जल्द शुरू हो सकता है यातायात
- यमुना पुल के निर्माण में तेजी के निर्देश

समृद्धि न्यूज़, हमीरपुर।

जिलाधिकारी अशोक कुमार ने 302 करोड़ की बेतवा-यमुना पुल एवं बाईपास परियोजना का स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति, गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों की समीक्षा की।बेतवा नदी पर दोनों लेन में 26 स्पैन बनने हैं, जिनमें एक लेन के सभी 13 स्पैन पूरे हो चुके हैं। पीडब्ल्यूडी के शेष कार्य तेजी से पूरे होने पर एक माह के भीतर इस लेन पर यातायात शुरू होने की संभावना है।वहीं यमुना नदी पर कुल 32 स्पैन प्रस्तावित हैं, जिनमें एक तरफ के 5 स्पैन पूरे हो चुके हैं। डीएम ने शेष निर्माण में तेजी लाने तथा उपलब्ध संसाधनों और मैनपावर का प्रभावी उपयोग करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्माण गुणवत्ता से समझौता न करने, थर्ड-पार्टी क्वालिटी जांच, श्रमिकों की सुरक्षा और सुरक्षा उपकरणों के अनिवार्य प्रयोग पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि परियोजना में अनावश्यक विलंब अथवा लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।निरीक्षण के दौरान एनएच-34 और यमुना पुल के पहुंच मार्गों के गड्ढों की भी समीक्षा की गई। लोक निर्माण विभाग को चिह्नित गड्ढों को एक माह में दुरुस्त कराने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण में सेतु निगम के प्रोजेक्ट मैनेजर एवं डीपीएम दिलीप कुमार, सूचना अधिकारी सतीश कुमार सहित संबंधित अधिकारी व निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

अतिवृष्टि से बर्बाद फसलों का विधायक ने किया निरीक्षण

राठ (हमीरपुर)। पिछले दो दिनों से हुई मूसलाधार बारिश से बर्बाद खरीफ की फसलों का रविवार को क्षेत्रीय विधायक मनीषा अनुरागी ने स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने औडेरा, सैदपुर, धमना, टिकरिया समेत आधा दर्जन से अधिक गांवों में किसानों के खेतों में पहुंचकर फसलों का जायजा लिया। विधायक ने बताया कि क्षेत्र के अधिकांश किसान कृषि पर निर्भर हैं। लगातार बारिश से उड़द, मूंग, तिली और धान समेत खरीफ की फसलों को भारी नुकसान हुआ है। निरीक्षण के दौरान एसडीएम चित्रा निर्वाल, तहसीलदार दिलीप सिंह और लेखपालों ने फसलों के नुकसान का आकलन किया। विधायक ने किसानों को नुकसान का उचित मुआवजा दिलाने की बात कही।

योगा टीचर की नौकरी का झांसा देकर 91 हजार हड़पे 10 माह कराया काम

राठ (हमीरपुर)। नगर में योगा टीचर की नौकरी दिलाने का झांसा देकर महिला से 91 हजार रुपये लेने और करीब 10 माह तक बिना वेतन काम कराने का मामला सामने आया है। सिकंदरपुरा मोहल्ला निवासी परशुराम ने अतरौलिया मोहल्ला निवासी एक व्यक्ति पर आरोप लगाते हुए राठ कोतवाली में दोबारा शिकायत की है।परशुराम के अनुसार आरोपी ने उनकी बेटी अंजली को योगा टीचर की नौकरी दिलाने का भरोसा देकर 91 हजार रुपये लिए। इसके बाद उससे करीब 10 माह तक काम कराया, लेकिन वेतन नहीं दिया। नौकरी और वेतन के संबंध में पूछने पर आरोपी टालमटोल करता रहा। रकम वापस मांगने पर भी उसने पैसे लौटाने से इनकार कर दिया। परशुराम ने बताया कि उन्होंने 20 सितंबर को भी कोतवाली में शिकायत की थी। रविवार को दोबारा शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की गई। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि शिकायत मिली है।

36 घंटे की मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

- लगभग दो दर्जन से अधिक गावों का सम्पर्क कटा, लोग घरों में कैद

समृद्धि न्यूज़, मौदहा, हमीरपुर।

बीते तीन दिन से लगातार 36घंटे हुई से अधिक हुई मूसलाधार बारिश से जहां नदी, नाले, पोखर, तालाब भर गए हैं वहीं जलभराव और सडकों पर पानी चलने से लोगों का निकलना मुश्किल हो गया है और लोग घरों में कैद होकर रह गए हैं जबकि कच्चे घरों के गिरने का सिलसिला भी शुरू हो गया है। क्षेत्र के लगभग दो दर्जन से अधिक गावों का कस्बे से सम्पर्क कट गया है इतना ही नहीं कस्बे के कुछ मोहल्लों में भी इलाही तालाब का पानी बहने से कुम्हरौडा मोहल्ले के सैकडों घरों में पानी भर गया है और लोग घरों में कैद होकर रह गए हैं। इस समय देश का अधिकांश हिस्सा चक्रवाती तूफान अर्नब और लौटते हुए मानसून की वर्षा की चपेट में है, जबकि क्षेत्र में गुरुवार और शुक्रवार और शनिवार को हुई तेज हवाओं के साथ मूसलाधार बारिश के चलते पूरा क्षेत्र पानी में सराबोर हो गया जबकि तालाब, पोखर, नदी और नाले अपने पूरे शबाब पर आ गए। कस्बे का इलाही तालाब शनिवार सुबह ओवरफ्लो हो गया जिसके चलते उपजिलाधिकारी कर्णवीर सिंह और क्षेत्राधिकारी राजकुमार पाण्डेय की अगुवाई में नगरपालिका टीम द्वारा जेसीबी मशीन से पानी निकासी की व्यवस्था की गई जिसके चलते कुम्हरौडा मोहल्ला के सैकड़ो घरों में पानी भर गया और रास्ते में पानी चलने लगा। इसके अतिरिक्त बडेरी नाला के उफान के कारण छिमौली रोड पर बना रपटा डूब जाने के कारण रास्ता ब्लॉक हो गया जबकि राजकीय महाविद्यालय मार्ग पर भी सडक से पानी चलने के कारण रास्ता ब्लॉक हो गया। बताते चलें कि मदारपुर के पहले पडने वाले नाले का पानी सडक पर आने के कारण मदारपुर टापू में तब्दील हो गया है। कपसा मार्ग पर सिजनौडा के निकट सडक कटने के कारण आवागमन बाधित हो गया तो वहीं कपसा में बनी पुलिया पूरी तरह से जलमग्न हो गई जिससे रास्ता ब्लॉक हो गया वहीं श्याम नाला के निकट बसा गुरदहा गांव टापू में तब्दील हो गया है। सपा नेता रामप्रकाश प्रजापति ने राहत सामग्री बांटी। वहीं पढोरी गांव में चंद्रावल नदी का पानी रपटे से काफी ऊपर चल रहा है। कोतवाली क्षेत्र का परछछ गांव भी टापू में तब्दील हो गया है,जबकि कम्हरिया में मस्तान बाबा के तरफ बसी नयी बस्ती में भी पानी होने से लोग घरों में कैद होकर रह गए हैं। जबकि मांचा, भमौरा, मौदहा सहित अन्य गावों से कच्चे घरों के गिरने की खबरें भी आ रही हैं। जबकि उपजिलाधिकारी कर्णवीर सिंह, क्षेत्राधिकारी राजकुमार पाण्डेय, कोतवाली प्रभारी संतोष कुमार सिंह सहित तहसीलदार के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम लगातार क्षेत्र का दौरा कर हर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

भागवत कथा से पहले निकली कलश यात्रा

गरौठा (झांसी)। ग्राम खड़ौरा में श्रीमद्भागवत कथा के शुभारंभ से पूर्व भव्य कलश यात्रा निकाली गई। महिलाएं सिर पर कलश धारण कर बैंड-बाजों के साथ यात्रा में शामिल हुईं। विधि-विधान से मंगल कलश स्थापित किए गए।कथा व्यास आचार्य मुरलीधर शास्त्री ने भागवत महात्म्य का वर्णन करते हुए कहा कि भगवान सत्य, चित और आनंद स्वरूप हैं। जो उनकी शरण में जाता है, वह संसार के बंधनों से मुक्त हो जाता है। कथा की आरती परीक्षित निधि वीरेंद्र तिवारी एवं ओमनारायण मिश्रा ने की। इस अवसर पर बालादीन मिश्रा, प्रेमनारायण मिश्रा सहित श्रद्धालु मौजूद रहे।

जल विहार महोत्सव में सजी कवि सम्मेलन की महफिल

- हास्य-व्यंग्य की रचनाओं पर देर रात तक गूंजते रहे ठहाके और तालियां

समृद्धि न्यूज़, बरुआसागर (झांसी)।

जल विहार महोत्सव-2026 के तहत शनिवार रात नवीन सब्जी मंडी, बस स्टैंड के पास अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधान परिषद सदस्य श्रीमती रमा निरंजन मुख्य अतिथि रहीं, जबकि अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष सुशीला राजेंद्र कुशवाहा ने की। भाजपा जिला उपाध्यक्ष अमर सिंह कुशवाहा और नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी लाल जी विशिष्ट अतिथि रहे।कवि सम्मेलन में प्रयागराज के अखिलेश द्विवेदी और टीकमगढ़ के बेद पास्तोर ने हास्य-व्यंग्य की रचनाओं से श्रोताओं को खूब गुदगुदाया। मनोज गुर्जर ने भी हास्य प्रस्तुतियों से माहौल में रंग भरा। इंदौर के गीतकार गौरव साक्षी ने गीतों की प्रस्तुति देकर वाहवाही लूटी।बिहार की सान्या राय और पल्लवी पंडित ने श्रृंगार रस की रचनाएं प्रस्तुत कीं, जबकि ओरछा के सुमित ने विभिन्न रसों से सजी प्रस्तुतियों से श्रोताओं का मनोरंजन किया। कवियों की प्रस्तुतियों पर देर रात तक तालियां और ठहाके गूंजते रहे। कार्यक्रम में नगर पालिका के पार्षद, भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता, साहित्यप्रेमी, गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में नगरवासी मौजूद रहे।

विश्व पर्यटन दिवस पर विद्यार्थियों ने जाना बुंदेलखंड का ग्रामीण जीवन

- चंदेलकालीन मंदिर, जैविक खेती और हस्तशिल्प का किया अध्ययन

समृद्धि न्यूज़, झांसी।

विश्व पर्यटन दिवस पर बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के भास्कर जनसंचार एवं पत्रकारिता संस्थान की ओर से उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के सहयोग से एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने बुंदेलखंड की ऐतिहासिक विरासत, ग्रामीण जीवन, जैविक खेती और लोक संस्कृति को करीब से जाना।भ्रमण दल ने गैराहा स्थित चंदेलकालीन शिव मंदिर का अवलोकन कर उसकी स्थापत्य कला की जानकारी ली। इसके बाद पठाकरका में तुलसी की जैविक खेती तथा रानीपुर के देवरी सिंहपुरा में हैंडलूम, पावरलूम और टेराकोटा से जुड़ी गतिविधियों का अध्ययन किया। विद्यार्थियों ने स्थानीय कारीगरों से पारंपरिक वस्त्र निर्माण और ग्रामीण आजीविका की जानकारी भी ली।श्री कौशल किशोर महाराज मंदिर में विद्यार्थियों ने बुंदेली भजन संध्या के माध्यम से लोक संस्कृति को समझा। दल का नेतृत्व डॉ. राघवेंद्र दीक्षित ने किया। इस दौरान शिक्षक उमेश शुक्ला, शोधार्थी अतीत विजय एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

डीएम ने की शिक्षा विभाग के साथ समीक्षा बैठक

महोबा। शिक्षा विभाग में चल रही विभिन्न सरकारी योजनाओं की हकीकत जानने के लिए जिलाधिकारी के द्वारा बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा की गई। इस समीक्षा बैठक में बेसिक शिक्षा विभाग के समस्त अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में शिक्षा विभाग में चल रही समस्त योजनाओं यथा-आपरेशन कायाकल्प, डी.बी.टी., अपार आई डी, स्कूल चलो अभि-यान के अंतर्गत नामांकन, मिड डे मील, इत्यादि की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी द्वारा विद्यालयों की विभिन्न समस्याओं जलभराव, आने जाने के रास्ते में हो रही कठिनाई, जर्जर विद्यालयों के ध्वस्तीकरण के सन्दर्भ में महत्वपूर्ण निर्देश प्रदान किए गये। जिलाधिकारी द्वारा बेसिक शिक्षा विभाग में हो रहे नवाचार यथा- इसरो लैब, स्मार्ट क्लास, टैब लैब की जानकारी ली गई। यह स्पष्ट किया गया कि शिक्षा जिलाधिकारी की सर्वोच्च प्राथमिकता है, उच्च गुणवक्तापूर्ण शिक्षा एवं बेहतर शैक्षिक वातावरण बनाया जाए। शिक्षा विभाग में जो भी समस्याएँ है उनका तत्काल निस्तारण किया जाय। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को इस संदर्भ में महत्वपूर्ण निर्देश प्रदान करते हुए बैठक सधन्यवाद समाप्त हुई।

पीएचसी में आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेलों में 47 मरीजों का हुआ उपचार

कालपी। शासन की महात्वाकांक्षी योजना के तहत रविवार को कालपी के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। जिसमें चिकित्सकीय टीम के द्वारा 47 मरीजों का उपचार करके स्वस्थ रहने का परामर्श दिया गया।नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उदनपुरा कालपी में चिकित्साधिकारी डॉक्टर अमित पोरवाल की अध्यक्षता में आयोजित मेले में 47 मरीजों का इलाज किया गया। जिसमें 26 पुरुष, 21 महिला मरीज शामिल रहे। इस दौरान शुगर के 6 टेस्ट किए जबकि बुखार तथा स्किन के 7-7 मरीजों की जांच की गयी।महिला चिकित्सक डॉ रंजना सिंह ने परिवार कल्याण कार्यक्रमों तथा स्वास्थ्य के बारे में जानकारियां देते हुये जागरूक किया। मेले में कंडोम, टेबलेट तथा सामग्रियों का वितरण कर परिवार कल्याण कार्यक्रम के बारे में जागरूक किया गया।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ का गुरु वंदन समारोह, सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान

उरई(जालौन)। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की बैठक रविवार को आर्यन पब्लिक स्कूल में हुई। इसमें गुरु वंदन एवं सेवानिवृत्त शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह चौहान ने की और संचालन महामंत्री इलयास मंसूरी ने किया। मुख्य अतिथि लोकतंत्र सेनानी व संस्थापक सदस्य राजाराम व्यास रहे।शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पार्चन और दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। बैठक में सत्र 2025-26 के आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया और संगठन को सक्रिय बनाने पर चर्चा हुई। गुरु-शिष्य परंपरा के सम्मान के लिए गुरु वंदन कार्यक्रम हुआ। सेवानिवृत्त शिक्षकों में जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह चौहान, बद्री प्रसाद झा, वीरेंद्र सिंह चौहान, शकील अहमद और मुन्नी देवी को शॉल व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि व्यास ने कहा कि बच्चे कच्ची मिट्टी की तरह होते हैं, शिक्षक उन्हें जैसा गढ़ेगा वे वैसे बनेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन का नारा है- देश का करेंगे पूरा काम, काम का लेंगे पूरा दाम। राष्ट्र निर्माण संतुष्ट शिक्षकों पर निर्भर है।जिलाध्यक्ष चौहान ने कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद भी संगठन के लिए समर्पित रहेंगे। प्रदेश मीडिया प्रभारी बृजेश श्रीवास्तव ने कहा कि संगठन शिक्षक हित और शिक्षा की गुणवत्ता के लिए कार्य करता रहेगा।

खेत से मवेसी निकलने के विवाद में कुल्हाड़ी से हमला कर बछड़े की हत्या का प्रयास

- आरोपी ने जान से मारने की दी धमकी ग्रामीणों में आक्रोश

समृद्धि न्यूज़, ललितपुर।

कोतवाली महरौनी अंतर्गत छपरट गांव में खेत से मवेशियों के निकलने के विवाद में एक दबँग द्वारा एक गाय के बछड़े (पड़ा) पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर उसकी हत्या का प्रयास किया, जिसमें बछड़ा गंभीर रूप से घायल हुआ है। हालांकि ग्रामीण ने बछड़े का उपचार कराया। जिसके बाद पीड़ित ग्रामीण ने आरोपी के खिलाफ थाना प्रभारी को प्रार्थना पत्र सौंपकर कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। गांव में बछड़े पर किए गए जानलेवा हमले के संबंध में ग्राम छपरट निवासी प्रकाश पुत्र रामदीन अहिरवार ने थाना महरौनी में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि 26 सितंबर 2026 को उनका एक साल का पड़ा (भैंस का बच्चा) छपरट के खेत से गुजर रहा था। आरोप है कि गांव के ही पुष्पेन्द्र पुत्र जयराम गड़रिया ने खेत से मवेशियों को निकालने को लेकर विवाद खड़ा कर दिया। इस दौरान हुई कहा सुनी से आक्रोशित दबंग ने कुलहाड़ी से बछड़े प्र हमका क़र उसको बुरी तरह घायल कर दिया। धारदार हथियार से गले और कान के पास गहरा वार किए जाने के कारण अत्यधिक खून बहने से बछड़े की हालत खराब हो गई। उलाहना देने पर जान से मारने की धमकी दी गई। जब पीड़ित प्रकाश और उनकी पत्नी उलाहना (शिकायत) देने आरोपी पुष्पेन्द्र के पास पहुंचे, तो आरोपी ने उनके साथ गाली-गलौज की और अभद्रता की।

विवाद के बाद गाली-गलौज जान से मारने की धमकी देने का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

ललितपुर। थाना जाखलौन क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम दाँवनी में किसी बात को लेकर दो ग्रामीणों के बीच कहासुनी हो गई थी।

इस दौरान एक पक्ष के दो लोगों ने मिलकर एक राय होकर विपक्षी को मौके पर दबोच कर उसके साथ गाली-गलौज कर मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। घटना के संबंध में पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने दोनों आरोपियों पर मामला दर्ज किया है। ग्राम दावनी निवासी धर्मेंद्र कुमार पुत्र गुलाब लोधी ने थाना जाखलौन पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए अवगत कराया कि दिनांक 22 सितंबर 2026 को दोपहर 2:00 उसकी कहासुनी गांव में ही रहने वाले विपक्षी जितेंद्र पुत्र प्राण सिंह आदि से हो गई थी।

एसडीआरएफ की मेहनत हुई सफल

24 घंटे से लापता शव तीन किमी दूर मिला शव

समृद्धि न्यूज, पनवाड़ी (महोबा)।

ब्रह्म नदी के तेज बहाव में बहे रिवई गांव निवासी 50 वर्षीय बासुदेव कुशवाहा का शव रविवार दोपहर करीब दो बजे टिंगुरा ब्यारजो गांव के पास बरामद हुआ। घटनास्थल से करीब तीन किलोमीटर दूर शव मिलने की सूचना पर परिजनों में चीख-पुकार मच गई। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। बासुदेव शनिवार को बकरियों की देखरेख के लिए खेत जा रहे थे। ब्रह्म नदी पार करते समय तेज बहाव की चपेट में आने से वह बह गए थे। सूचना पर थाना प्रभारी अर्जुन सिंह पुलिस बल के साथ पहुंचे। नायब तहसीलदार विकास कुमार, राजस्व कर्मियों और स्थानीय गोताखोरों ने तलाश शुरू की, लेकिन सफलता नहीं मिली। रविवार सुबह एसडीआरएफ की टीम ने सर्च अभियान शुरू किया। कई घंटे की तलाश के बाद टिंगुरा ब्यारजो के पास नदी से बासुदेव का शव बरामद कर लिया गया। हादसे के बाद परिवार में मातम पसरा है।

क्षमावाणी पर्व पर दिगम्बर जैन मंदिर में गूंजा क्षमा व सौहार्द का संदेश

समृद्धि न्यूज, रायबरेली।

दस दिवसीय पर्यूषण महापर्व के गरिमामय समापन के उपरांत सिविल लाइंस स्थित दिगम्बर जैन मंदिर में क्षमावाणी का पावन पर्व अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर संपूर्ण जैन समाज ने पवित्र मंत्र का जाप करते हुए वर्षभर में जाने-अनजाने में हुई गलतियों के लिए एक-दूसरे से क्षमा याचना की तथा आपसी मनमुटाव को मिटाकर भाई चारे और सौहार्द का संदेश दिया। रविवार को सुबह से ही घरों और मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला प्रारंभ हो गया था। श्रद्धालुओं ने सर्व मंगल और सुख-समृद्धि की कामना करते हुए विधि-विधान से अपने दसलक्षण व्रत का पारणा किया। शाम को आयोजित भव्य सामूहिक आरती में पूरा समाज भक्ति के रंग में रंगा नजर आया।

जैन मन्दिर में पूजा करते जैन समुदाय के लोग

कार्यक्रम के दौरान क्षमावाणी के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए जैन समाज के अध्यक्ष सुनील जैन ने कहा कि क्षमावाणी पर्व हमारे मन के अहंकार को मिटाने का पावन अवसर है। क्षमा हमें झुकना सिखाती है और जो झुकता है वही जीवन में ऊँचाई और महानता को पाता है। वहीं रविंद्र जैन ने कहा कि क्षमा हमें विनम्रता सिखाती है। अनिल जैन ने क्रोध और क्षमा के बीच का अंतर समझाते हुए कहा कि क्रोध से चेहरा लाल और विकृत हो जाता है, जबकि क्षमा मांगने और करने से चेहरे पर मुस्कुराहट आ जाती है।

मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने राहुल गांधी के लिए किया सद्बुद्धि यज्ञ

समृद्धि न्यूज, रायबरेली।

एक कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने परजीवी सांसद, परजीवी आंदोलनकर्ता, परजीवी नागरिक राहुल गांधी जी पर जमकर निशाना साधा। मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि राहुल गांधी आपकी माता भारत की नागरिक बनीं 1983 में और आपका जन्म 1970 में हुआ, तो क्या आप जायज भारतीय नागरिक हो, इस पर देश विचार करे। उन्होंने आगे कहा कि, राहुल आपकी माँ 1983 में भारत की नागरिक बनीं और 1980 में ही उन्हें भारत का मतदाता बनाने वाले तत्कालीन चुनाव आयुक्त क्या नाजायज नहीं थे? इस पर कांग्रेस को जवाब देना चाहिए। मंत्री जी ने चेतावनी देते हुए कहा कि याद रखना दुनिया में सर्वाधिक लोकप्रिय जननेता

राहुल गांधी की सद्बुद्धि के लिए यज्ञ करते राज्यमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतवासियों के आशीर्वाद से लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई भारत सरकार को यदि देश के दुश्मनों की साजिश में शामिल होकर बदनाम करने की कोशिश करेंगे तो रायबरेली से आपकी जड़ें भी हिलाई जाएंगी। अंत में उन्होंने कहा कि जिस चुनाव आयोग से राहुल गांधी इस्तीफा मांग रहे हैं, उसी चुनाव आयोग परिवार के तीन लोगों को निर्वाचित घोषित किया है तो तीनों पहले इस्तीफा दो फिर आयोग से इस्तीफा मांगो।

अनियंत्रित कार ने बाइक सवार दो युवकों को रौंदा हालत गंभीर

समृद्धि न्यूज, बछरावां-रायबरेली। थाना क्षेत्र के अंतर्गत चुरूवा बाईपास पर तेज रफ्तार अनियंत्रित क्रेटा कार ने बाइक सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार एक युवक को काफी दूर तक घसीटते हुए ले गई।

हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों की पहचान अर्नव कश्यप पुत्र हरिप्रसाद निवासी हसनगंज लखनऊ और ललित चंद्र पुत्र पान सिंह निवासी विकासखंड गोमती नगर लखनऊ के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार घटना के बाद मौके पर भीड़ लग गई। सूचना पर पहुंची एनएचएआई की एंबुलेंस द्वारा दोनों घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया।

संदिग्ध परिस्थितियों में किशोरी ने खाया जहरीला पदार्थ, मौत

समृद्धि न्यूज, बछरावां-रायबरेली। थाना क्षेत्र के कुबेरी खेड़ा मजरे राजामऊ गांव में शनिवार की देर शाम एक किशोरी ने संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के कुबेरी खेड़ा निवासी राजेंद्र की पुत्री ज्योति अपने दादा कल्लू के साथ करीब एक दशक से रह रही थी। शनिवार को संदिग्ध परिस्थितियों में उसने जहरीला पदार्थ खा लिया। कुछ देर बाद हालत बिगड़ने पर परिजनों को इसकी जानकारी हुई। परिजन तत्काल उसे लेकर सीएचसी पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

अनियंत्रित डंपर ने बाइक सवार दो किशोरों को मारी टक्कर, एक की मौत, एक घायल

समृद्धि न्यूज, सतांव-रायबरेली।

गुरुबख्शगंज थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर रायबरेली मार्ग पर दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। सतांव कस्बे के गन्ना कांटा के समीप तेज गति से आ रहे डंपर ने बाइक सवार दो किशोरों को टक्कर मार दी। दुर्घटना में दोनों किशोर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना स्थल पर पहुंचे राहगीरों ने एंबुलेंस से दोनों को सीएचसी जतुआ टप्पा पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने एक किशोर को मृत घोषित कर दिया। दूसरे का इलाज जारी है। पूरे यदुनाथ सिंह का पुरवा मजरे हाजीपुर निवासी सोनू (16) पुत्र अमर बहादुर रविवार को अपने दोस्त शुभम (15) पुत्र राकेश कुमार निवासी मकरईली के साथ बाइक से गुरुबख्शगंज गया था। दोनों जरूरी काम पूरा करने के बाद दोपहर करीब दो बजे घर की ओर रवाना हुए थे। वे सतांव कस्बे में गन्ना कांटा के पास पहुंचे ही थे कि सामने से आ रहे डंपर ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। अचानक हुई टक्कर से दोनों सड़क पर जा गिरे। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। राहगीरों ने बिना देर किए एंबुलेंस बुलाकर घायलों को सीएचसी जतुआ टप्पा पहुंचाया। वहां चिकित्सक डॉ. जितेंद्र कुमार ने सोनू की जांच कर उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं शुभम की हालत गंभीर देखते हुए उसका उपचार शुरू किया गया। हादसे की जानकारी मिलते ही सोनू के परिजन अस्पताल पहुंच गए। बेटे की मौत की खबर सुनकर मां और भाइयों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलने पर गुरुबख्शगंज पुलिस अस्पताल पहुंची और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

वोट चोरी के खिलाफ होने वाले प्रदर्शन को लेकर हुई बैठक

समृद्धि न्यूज, बछरावां-रायबरेली।

रविवार को ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय बछरावां में ब्लॉक अध्यक्ष अवधेश चौधरी की अध्यक्षता में वोट चोरी के खिलाफहोने वाले रायबरेली के प्रदर्शन में भाग लेने के लिए आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के तौर पर पंकज तिवारी जिला अध्यक्ष रायबरेली कांग्रेस कमेटी ने शिरकत की। इस मौके पर उपाध्यक्ष विधानसभा प्रभारी मोहम्मद इलियास, महासचिव विधानसभा प्रभारी रामखेलावन पासी, जिला सचिव संतोष पासवान, जिला सचिव जुबेर अहमद, जिला सचिव प्रमोद बाजपेई, ब्लॉक उपाध्यक्ष रमाकांत मिश्रा, अविनाश चंद्र बाजपेई, शिवकुमार,

ब्लाक महासचिव रामप्यारे, कुसुम, गीता, ब्लॉक सचिव सुखदेई, लक्ष्मी, चंद्रवती, दुर्गा बॉक्स सिंह, सभी न्याय पंचायत अध्यक्ष राजेंद्र चौधरी, दुर्गेश अवस्थी, अनुराग वर्मा, रामचंद्र पासी पासी, राजेंद्र कुमार पाल, सतीश सिंह, राम लखन यादव, सुरेश कुशवाहा, नरेंद्र सिंह, सिद्धनाथ, कमल किशोर सहित ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी गण मौजूद रहे।

संविदा श्रमिकों व उनके परिजनों के बनाये गये आयुष्मान कार्ड

समृद्धि न्यूज, प्रयागराज।

विशेष शिविर का किया गया आयोजन

मण्डल रेल प्रबंधक प्रयागराज रजनीश अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मण्डल कार्मिक अधिकारी वैभव कुमार गुप्ता के निर्देशन में मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर कार्यरत संविदा श्रमिकों एवं उनके परिवारजनों के आयुष्मान कार्ड बनवाने हेतु विशेष शिविरों का आयोजन किया गया। यह शिविर मिर्जापुर, प्रयागराज, फतेहपुर, कानपुर, इटावा, टूंडला, अलीगढ़ एवं अन्य स्टेशनों पर आयोजित किए गए। इन विशेष शिविरों के माध्यम से संविदा श्रमिकों एवं उनके परिवारजनों को आयुष्मान कार्ड बनवाने की प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक जानकारी एवं सहायता प्रदान की गई। शिविरों में 100 से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाए गए, जबकि पात्र लाभार्थियों को कार्ड बनवाने के लिए आवश्यक दस्तावेज एवं प्रक्रिया से संबंधित सहायता भी उपलब्ध कराई गई। आयुष्मान भारत योजना का उद्देश्य पात्र परिवारों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक बेहतर पहुंच उपलब्ध कराना है। योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को सूचीबद्ध अस्पतालों में निर्धारित स्वास्थ्य उपचार एवं अस्पताल में भर्ती संबंधी सुविधाओं का लाभ मिल सकता है। आयुष्मान कार्ड पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

खबरें एक नजर में

जहरीले जंतु के काटने से बच्ची की मौत

डलमऊ-रायबरेली। जहरीले जंतु के काटने से बच्ची की मौत हो गई घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया, घर वालों का रो रो कर बुरा हाल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है। डलमऊ कोतवाली क्षेत्र के घुरवारा चौकी अंतर्गत गुलहाबाद मजरे तेरूखा गांव निवासी मनोज कुमार की पुत्री नैन्सी (11) शनिवार रात करीब एक बजे घर में सो रही थी। उसी दौरान किसी जहरीले जंतु ने उसे डस लिया। परिजन पहले बच्ची को झाड़-फूंक के लिए ले गए। हालत में सुधार न होने पर उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डलमऊ ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसका उपचार किया। उसके बाद परिजन बच्ची को लेकर घर लौट रहे थे, तभी रास्ते में हालत बिगड़ने से उसकी मौत हो गई।

लगातार हुई बारिश से कई गरीबों के आशियाने ढहे

परसदेपुर-रायबरेली। सलोन तहसील के ग्राम पंचायत दोस्त पुर बुढ़बारा में 3 लोगों के कच्चे आवास गिर गये। गनीमत रही कि कोई हताहत नहीं हुआ है। पूरे बिसेनन निवासिनी शारदा देवी पत्नी स्व. विनोद कुमार ने बताया कि उनके पास तीन छोटे छोटे बच्चे हैं। खाने के लाले पड़े हैं। पति की मृत्यु हो गई है जो घर था वह भी गिर गया है। समाजसेवी आशीष कुमार सिंह ने झिल्ली तनवा दिया है। जिसमें बच्चों के साथ गुजर बसर कर रही हूं। इसी प्रकार गांव के ही शेर बहादुर पुत्र राम नेवाज पाल व दोस्त पुर बुढ़बारा निवासिनी दर्जिन पत्नी स्व. राम सजीवन कोरी ने बताया कि उनका मकान भी गिर गया है। उन्होंने ने बताया कि रहने के लिए बहुत बड़ी दिक्कत हो रही है। जिलाधिकारी महोदया से मांग की है कि राजस्व विभाग से जांच पड़ताल करवा कर शीघ्र अहेतुक सहायता उपलब्ध कराई जाय। लेखपाल आलोक कुमार सिंह ने बताया कि जांच कर शीघ्र नुकसान की भरपाई हेतु रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को प्रेषित की जायेगी।

संविदा विद्युत कर्मियों का जज्बा, अंधेरा दूर करने में झोंकी ताकत

रानीगंज-प्रतापगढ़। रानीगंज पावर हाउस से जुड़े नार्थ फीडर लच्छीपुर क्षेत्र में बीते लगभग 24 घंटे से बाधित विद्युत आपूर्ति को बहाल करने के लिए संविदा कर्मचारी देर रात तक मुस्तैदी से डटे रहे। स्थानीय ग्रामीणों को अंधेरे से निजात दिलाने के लिए लाइनमैन धीरज पाण्डेय और विजय पाण्डेय ने अपनी जान जोखिम में डालकर रात के अंधेरे में भी लाइन ठीक करने का कार्य जारी रखा। एक तरफ जहां विभाग के उच्चाधिकारी अपनी जिम्मेदारियों से बेफिक्र नजर आते हैं, वहीं दूसरी तरफ संविदा कर्मी पूरी निष्ठा से जनता की सेवा में लगे रहते हैं। हालांकि, इस कड़ी मेहनत के बीच संविदा कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर एक बड़ा सवाल खड़ा हो गया है।

पीएचसी कोइरीपुर में लगा मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला

चांदा, सुलतानपुर। नगर पंचायत कोइरीपुर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर रविवार को मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में चिकित्सकों ने 54 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक दवाएं वितरित कीं। प्रयोगशाला में 13 मरीजों की विभिन्न जांचें की गईं। वहीं एक किशोरी को एचपीवी का टीका लगाया गया। मेले में सर्दी, जुकाम और खांसी से पीड़ित मरीजों की संख्या अधिक रही। चिकित्सक डॉ. सुनील कुमार व डॉ. अमित कुमार मौर्य ने मरीजों को परामर्श दिया। फार्मासिस्ट संतोष कुमार उपाध्याय, रियाज अहमद, वार्ड ब्वाय सौरभ वर्मा व स्वीपर सत्यनारायण पाल सहित स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

बेमौसम बारिश, जलभराव व हवा से प्रभावित फसलों की क्षति का होगा सर्वेक्षण

बीमित किसान 72 घंटे के भीतर टोल फ्री नंबर 14447 पर दें सूचना

समृद्धि न्यूज, रायबरेली।

जिला कृषि अधिकारी अखिलेश पाण्डेय ने बताया है कि खरीफ2026 मौसम में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत आच्छादित फसलों में वर्तमान में बेमौसम वर्षा, जलभराव एवं तेज हवा के कारण हुई क्षति की सूचनाएं प्राप्त हो रही हैं। किसानों को फसल क्षति की स्थिति में नियमानुसार बीमा कंपनी को समय से सूचना देने की अपील की गई है।

उन्होंने बताया कि जनपद में खरीफ सीजन में धान, ज्वार, तिल, मूंगफली एवं अरहर की फसलों को ग्राम पंचायत स्तर पर अधिसूचित किया गया है। योजना के अंतर्गत मध्यावस्था में सूखा अथवा शुष्क स्थिति, बाढ़, ओलावृष्टि, भूस्खलन, तूफान, चक्रवात, जलभराव, आकाशीय बिजली से उत्पन्न आग तथा रोके न जा सकने वाले अन्य जोखिमों से होने वाली क्षति को शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त स्थानिक आपदाओं के अंतर्गत खड़ी फसल को ओलावृष्टि, जलभराव, भूस्खलन, बादल फटने तथा आकाशीय बिजली से उत्पन्न आग से हुई क्षति भी योजना के प्रावधानों के अनुसार आच्छादित है। जनपद के लिए नामित बीमा कंपनी यूनिवर्सल सोम्पो जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड है। मौसम के अंत में फसल कटाई प्रयोगों से प्राप्त उपज के आधार पर क्षतिपूर्ति का आकलन कर नियमानुसार भुगतान किया जाता है। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि फसल की बुवाई के 1 माह बाद से फसल कटाई के 15 दिन पूर्व तक प्रतिकूल मौसमीय परिस्थितियों के कारण संभावित उपज की तुलना में सामान्य उपज में 50 प्रतिशत से अधिक कमी होने की स्थिति में निर्धारित फार्मूले के अनुसार बीमा कंपनी द्वारा तात्कालिक सहायता प्रदान की जाती है।

आगामी 14 दिनों तक खेत में सुखाने के लिए रखी फसल को ओलावृष्टि, चक्रवात अथवा बेमौसम/चक्रवाती वर्षा से हुई क्षति का आकलन व्यक्तिगत बीमित कृषक के स्तर पर बीमा कंपनी द्वारा किया जाएगा।

आंधी-पानी से सड़क पर गिरा ट्रांसफार्मर आधा दर्जन गांवों की बत्ती गुल

समृद्धि न्यूज, रायबरेली। महराजगंज तहसील क्षेत्र के महराजगंज पावर हाउस अंतर्गत हरदोई फीडर के ओई ग्राम पंचायत स्थित शिवाला गांव में तेज आंधी और बारिश के कारण एक पेड़ सीधे ट्रांसफार्मर पर जा गिर गया। पेड़ के जोरदार झटके से दो खंभों के पोल पर टिका ट्रांसफार्मर उखड़कर सीधे मुख्य मार्ग पर जा गिरा। गनीमत रही कि हादसे के वक्त

सड़क पर कोई आवाजाही नहीं थी, जिससे एक बड़ा हादसा होने से टल गया। इस घटना के बाद से इलाके के लगभग आधा दर्जन गांवों की बिजली आपूर्ति पूरी तरह से ठप हो गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि जर्जर पेड़ की समस्या को लेकर पूर्व में भी विभागीय अधिकारियों से कई बार शिकायत की गई थी, लेकिन समय रहते कोई कदम नहीं उठाया गया। घटना के तुरंत बाद ग्रामीणों ने बिजली विभाग के टोल-फ्री नंबर 1912 पर शिकायत दर्ज कराई है और जल्द से जल्द नया ट्रांसफार्मर लगवाकर आपूर्ति बहाल करने की मांग की है।

ओरिएंटेशन प्रोग्राम में शोध की नवीन विधियों पर विमर्श

समृद्धि न्यूज, सुलतानपुर। केएनआईपीएसएस के शिक्षा संकाय और असम विश्वविद्यालय सिलचर के संयुक्त तत्वावधान में 21 सितंबर से ऑनलाइन ओरिएंटेशन एवं सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम चल रहा है। 29 सितंबर तक चलने वाले कार्यक्रम में देश-विदेश के विषय विशेषज्ञ शोध के क्षेत्र में हो रहे तकनीकी विकास और नवीन विधियों की जानकारी प्रतिभागियों को दे रहे हैं। कोर्स कोऑर्डिनेटर डॉ. संतोष सिंह कुशवाहा ने बताया कि 21 से 26 सितंबर तक स्टूडेंट्स डाइवर्सिटी एंड इंक्लूजन, क्वालिटेटिव रिसर्च मेथड, रिसर्च एंड डेवलपमेंट इकोसिस्टम, एनईपी-2020 एंड रिसर्च, रिसर्च प्रोसेस, कम्युनिटी एंगेजमेंट तथा क्रिएटिविटी एंड नॉलेज जेनरेशन जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने जानकारी दी।

सीएम ग्रिड के कार्यों में नहीं चलेगी सुस्ती

समृद्धि न्यूज़, प्रयागराज।

सीएम ग्रिड के तहत चल रहे सड़क निर्माण कार्यों में सुस्ती पर नगर आयुक्त साईं तेजा ने सख्ती दिखाई है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों और कार्यदायी एजेंसियों को 15 अक्टूबर तक काम पूरा करने का अल्टीमेटम दिया है। साथ ही प्रत्येक सड़क पर कम से कम 100 मजदूर लगाने और मशीनों की संख्या बढ़ाने के निर्देश हैं। नगर आयुक्त पिछले कुछ दिनों से सीएम ग्रिड की सड़कों के निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर रहे हैं। उन्होंने लीडिल रोड और अमरनाथ झा मार्ग का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मौके पर मजदूरों की संख्या मानक से करीब आधी मिली। जहां 100 मजदूर होने चाहिए थे, वहां महज 40 से 45 श्रमिक ही काम करते मिले। चिंतामणि रोड समेत अन्य साइटों पर भी श्रमिकों की संख्या कम पाई गई।कार्य में लापरवाही पर संबंधित ठेकेदारों और एजेंसियों पर पहले ही 10 से 20 लाख रुपये तक की पेनल्टी लगाई जा चुकी है। अब काम में तेजी लाने के लिए मशीनरी और श्रमबल बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। नगर आयुक्त के निरीक्षण को लेकर एक इंजीनियर ने बताया कि कार्यों की गति धीमी होने के कारण कार्यदायी एजेंसियों पर जुर्माना लगाया जा रहा है। 15 अक्तूबर तक काम पूरा नहीं होने पर अर्थदंड बढ़ने के साथ कठोर कार्रवाई होगी।

पानी भरने जा रहे अधेड़ की करंट की चपेट में आकर मौत

समृद्धि न्यूज, सुल्तानपुर। जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र के बिरसिंहपुर गांव में रविवार को सुबह पानी भरने जा रहा अधेड़ स्टे रॉड में उतरे करंट की चपेट में आ गया।गंभीर हालत में उसे सौ शैय्या अस्पताल बिरसिंहपुर ले जाया गया।जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। बता दे कि बिरसिंहपुर गांव निवासी मल्लू धुरिया (50)पुत्र सागर दीन सुबह पानी भरने नल पर जा रहे तभी बिजली के पोल के पास लगे स्टे रॉड में उतरे करंट की चपेट में आ गए।गंभीर हालत में परिजन लेकर सौ शैय्या अस्पताल बिरसिंहपुर पहुंचे जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।घटना से परिवार में कोहराम मच गया।मृतक के तीन बेटे है जिनमें से एक की शादी नहीं हुई है।

वृद्ध मां सहित परिजनो का रो रो कर बुरा हाल है।

रानीगंज में बेखौफ चोरों का तांडव
एक ही रात में तीन दुकानों को बनाया निशाना

समृद्धि न्यूज, रानीगंज-प्रतापगढ़।

नए थाना प्रभारी की तैनाती के तुरंत बाद बेखौफ चोरों ने पुलिसिया गश्त की धज्जियां उड़ाते हुए रानीगंज कस्बे में एक ही रात लगातार चोरी की कई वारदातों को अंजाम दे डाला। घटना से आक्रोशित व्यापारियों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भारी गुस्सा है। दरियापुर पावर हाउस के पास स्थित इरशाद सीमेंट एजेंसी के पीछे का रास्ता खोलकर घुसे चोर गल्ले से 15-20 हजार रुपये नकदी, बैंक के जरूरी कागजात और पहचान छिपाने के लिए सीसीटीवी का डीवीआर तक उठाकर ले गए।

इसके बाद चोरों ने पास ही स्थित हाफिज जी फर्नीचर की दुकान में सेंधमारी की। वहां से 30 हजार रुपये नकदी, रांदा मशीन और कटर मशीन

सहित कई कीमती सामान पार कर दिया। चोरों ने सद्दाम अंसारी की आटा चक्की का शटर तोड़कर और अधिवक्ता मो. जीशान के मकान में भी चोरी की कोशिश की, लेकिन वहां कुछ हाथ न लगने पर खाली हाथ लौट गए। सुबह जानकारी मिलते ही व्यापारियों की भारी भीड़ जुट गई। सूचना पर कस्बा चौकी प्रभारी अंकित श्रीवास्तव ने पुलिस टीम के साथ घटनास्थल का जायजा लिया और साक्ष्य जुटाए। घटना के बाद व्यापारियों ने पुलिस गश्त पर सवाल उठाते हुए चोरों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। उधर, डीवीआर चोरी होने से पुलिस के सामने चोरों को पकड़ने की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। पुलिस आसपास के अन्य सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर चोरों की तलाश में जुटी है।

कोइरीपुर उपकेंद्र की बिजली 24 घंटे बाद बहाल, सोनावा फीडर बंद

समृद्धि न्यूज, चांदा, सुलतानपुर। तेज बारिश और आंधी के कारण चांदा क्षेत्र में बिजली आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित हो गई। नगर पंचायत कोइरीपुर विद्युत उपकेंद्र की आपूर्ति करीब दो दिन बंद रहने के बाद रविवार दोपहर बहाल हो सकी। वहीं सोनावा गांव में फोरलेन के किनारे खेत में 11 हजार वोल्ट की लाइन के पोल गिरने से अभी भी बिजली आपूर्ति ठप है। इससे करीब 15 हजार की आबादी प्रभावित है। बिजली विभाग के कर्मचारी फाल्ट दूर करने में जुटे हैं। एसडीओ चांदा विमलेश कुमार मौर्य ने बताया कि सोनावा में पोल गिरने से 11 हजार वोल्ट की आपूर्ति बाधित है।

रविवार को छुट्टी के दिन बैंक खोलने के आदेश से आक्रोशित कर्मचारियों ने काला कपड़ा पहनकर जताया विरोध

समृद्धि न्यूज, कटरा मेदनीगंज-प्रतापगढ़।

रविवार को साप्ताहिक छुट्टी के दिन बैंक खोलने के शासन-प्रशासन के आदेश के खिलाफ बैंक कर्मचारियों का आक्रोश फूट पड़ा। आदेश के विरोध में बैंक कर्मियों ने कार्यस्थल पर काली पट्टी और काले कपड़े पहनकर अपना विरोध दर्ज कराया।

जानकारी के अनुसार, रविवार को छुट्टी होने के बावजूद बैंकों को चालू रखकर ग्राहकों के काम निपटाने के निर्देश दिए गए थे। कर्मचारियों ने आदेश का अनुपालन करते हुए बैंक के ताले खोले और दिनभर आने वाले ग्राहकों के कामकाज को

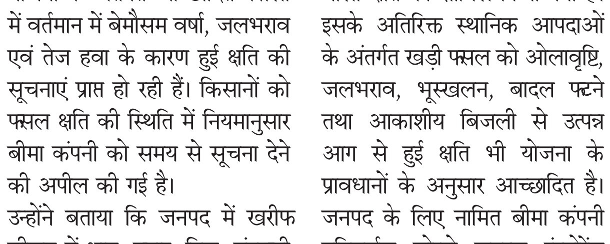

निपटाया, लेकिन इस फैसले को लेकर उनके भीतर भारी असंतोष देखने को मिला। कर्मचारियों ने कहा कि बैंक क्षेत्र में पहले से ही स्टाफ की भारी कमी है और वे लगातार काम के अत्यधिक दबाव से जूझ रहे हैं। ऐसे में सप्ताह में मिलने वाले एकमात्र छुट्टी के दिन भी काम कराना एक तानाशाहीपूर्ण फैसला है। इससे उनके पारिवारिक और निजी जीवन पर बेहद प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। सांकेतिक विरोध जताते हुए बैंक कर्मियों ने मांग की कि प्रशासन इस तरह के अव्यवहारिक फैसलों को तत्काल वापस ले।

उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि उनकी जायज मांगों को अनदेखा किया गया, तो वे आने वाले दिनों में चुप नहीं बैठेंगे और उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

कच्चे मकान की दीवार ढहने से मलबे में दबकर महिला की मौत

समृद्धि न्यूज, प्रतापगढ़।

बारिश के कहर ने मानिकपुर नगर पंचायत में एक हंसते-खेलते परिवार की खुशियां छीन लीं। मानिकपुर के लाटतारा-चाकोलिया वार्ड में शुक्रवार देर रात (26 सितंबर) लगातार हो रही बारिश की वजह से एक कच्चा मकान अचानक भरभरा कर गिर गया। इस दर्दनाक हादसे में श्री राम सरोज की धर्मपत्नी की मलबे में दबने से मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

घटना शुक्रवार रात करीब 10:49 बजे की है। क्षेत्र में पिछले कई दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण कच्चे मकान की दीवारें पूरी तरह से सीलन खाकर कमजोर हो चुकी थीं। रात में जब परिजन सो रहे थे, तभी

अचानक पूरा मकान ढह गया। चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर दौड़े और कड़ी मशक्कत के बाद महिला को मलबे से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी सांसें थम चुकी थीं। हादसे के बाद पूरे मोहल्ले में मातम पसर गया और शोकाकुल परिवार में कोहराम मच गया।

हादसे की सूचना मिलते ही समाजसेवी रिशु जायसवाल तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल उपजिलाधिकारी कुंडा और क्षेत्राधिकारी कुंडा को दूरभाष पर घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही प्रशासनिक अमला भी मौके पर पहुंचा और स्थिति का जायजा लिया। समाजसेवी रिशु जायसवाल ने पीड़ित परिवार से मिलकर उन्हें सांत्वना दी और गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि दुःख की इस कठिन घड़ी में वे पूरी तरह से परिवार के साथ खड़े हैं। प्रशासनिक अधिकारियों ने पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है, वहीं तहसील प्रशासन द्वारा पीड़ित परिवार के लिए सरकारी राहत व मुआवजा राशि दिलाने की कागजी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

भक्ति व उत्साह का अनुपम संगम रही भव्य कलशयात्रा

- श्री गोविंद सत साहित्य प्रचार समिति व प्रभात फेरी मंडल का आयोजन
- श्रीराम कथा महा महोत्सव व दुर्लभ सत्संग का आयोजन शुरू

समृद्धि न्यूज, छिबरामऊ, कन्नौज।

नगर में आयोजित भव्य कलश यात्रा ने धार्मिक और आध्यात्मिक माहौल को और भी उल्लासमय बना दिया। यह यात्रा सौरिख रोड स्थित सिद्ध पीठ मां कालिकादेवी मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ शुरू हुई और नगर के मुख्य मार्ग से होती हुई विशुनगढ़ रोड के रास्ते श्री गंगेश्वरनाथ मंदिर पहुंची। वहां विधि-विधान के साथ कलश स्थापना की गई। इस यात्रा में 751 महिलाएं लाल चुनरी में सजी धजी, सिर पर कलश लेकर भक्ति भाव के साथ चल रही थीं, जिसने पूरे नगर में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार किया। कलश यात्रा के दौरान भक्ति गीतों और भजनों की स्वर लहरियों ने माहौल को और भी रसमय बना दिया। युवा भक्ति गीतों पर नृत्य करते हुए उत्साह के साथ आगे बढ़ रहे थे। विशेष रूप से हनुमान स्वरूप में सजे सुशील पांडेय एडवोकेट की प्रस्तुति छम छम नाचे वीर हनुमाना गीत पर उनकी अनुपम छटा, दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रही थी। इसके अलावा, राजा राम दरबार की जीवंत झांकी ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। कलश यात्रा में नगर पालिका अध्यक्ष मनोज दुबे सिर पर रामायण जबकि उनकी पत्नी नीरू दुबे राधा रानी का कलश लेकर भक्ति में लीन थीं। कलश यात्रा के साथ श्री गोविंद सत् साहित्य प्रचार समिति एवं प्रभात फेरी मंडल के संयोजन में 28 सितंबर से 6 अक्टूबर तक गंगेश्वरनाथ मंदिर परिसर में नौ दिवसीय श्रीरामकथा महामहोत्सव एवं दुर्लभ सत्संग का आयोजन भी शुरू हो गया।

कलश यात्रा का कई जगह हुआ भव्य स्वागत

यात्रा के दौरान पुराने सौरिख बस स्टाप के पास भाजपा विधायक अर्चना पांडेय ने सभी का स्वागत किया। नगरपालिका तिराहा पर ईओ अजय कुमार, जेई रविराज कौशल, सभासद एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष हिमांक त्रिपाठी ने साथी सभासदों के साथ, पीपल चौराहा पर पूर्व पालिकाध्यक्ष राजीव दुबे तथा समाजवादी व्यापार सभा के जिलाध्यक्ष प्रियतेश तोमर, सब्जी मंडी के पास व्यापार मंडल और दीपांक दुबे की टीम के अलावा नगरवासियों ने कई स्थानों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

55 विकास कार्यों को मंजूरी, खर्च होंगे 4.12 करोड़

समृद्धि न्यूज, कन्नौज। ग्रामीण क्षेत्रों में विकास को गति देने के लिए कन्नौज, सौरिख और उमर्दा क्षेत्र पंचायतों में 55 निर्माण कार्यों को स्वीकृति दी गई है। इन कार्यों पर कुल 4 करोड़ 12 लाख 95 हजार रुपये खर्च होंगे। जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने बताया कि क्षेत्र पंचायतों के प्रशासक (निवर्तमान प्रमुख) से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर कार्यों को मंजूरी दी गई है। विकासखंड कन्नौज में 23 कार्यों के लिए 2 करोड़ 17 लाख 9 हजार, सौरिख में 18 कार्यों के लिए 98 लाख 10 हजार और उमर्दा में 14 कार्यों के लिए 97 लाख 76 हजार रुपये की आगणित लागत स्वीकृत की गई है।

पटाखा विस्फोट के बाद तीसरे युवक की चर्चा तेज

- हादसे के बाद तीन युवकों के भागने की बात
- दो नामजद आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की दबिश जारी

समृद्धि न्यूज, छिबरामऊ, कन्नौज।

ग्राम बहबलपुर में 22 सितंबर को पटाखे बनाते समय हुए विस्फोट के बाद मौके से भागे तीसरे युवक को लेकर ग्रामीणों में चर्चा तेज हो गई है। हादसे में पटाखा कारीगर शिव कुमार चिक (55) की झुलसने से मौत हो गई थी। घटना के बाद तीन युवकों के मौके से भागने की बात सामने आई थी। मृतक के बेटे सूरज और तत्कालीन बहबलपुर चौकी प्रभारी रावेंद्र सिंह की तहरीर पर शिव कुमार सक्सेना और उसके दोनों बेटों संतोष व महेश के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी। ग्रामीणों का दावा है कि घटना के समय पटाखे बनाने में एक अन्य युवक भी मौजूद था और धमाके के बाद वह मौके से भाग गया। हादसे के बाद से उसके गांव में दिखाई नहीं देने की भी चर्चा है। हालांकि पुलिस जांच में अभी तक उसकी संलिप्तता की पुष्टि नहीं हुई है। वहीं कोतवाली प्रभारी कपिल दुबे ने बताया कि जांच में किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता सामने नहीं आई है। नामजद आरोपित संतोष और महेश की गिरफ्तारी के लिए कन्नौज के अलावा फर्रुखाबाद, एटा, इटावा और मैनपुरी में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। सर्विलांस सेल की मदद भी ली जा रही है। दोनों आरोपितों के मोबाइल बंद होने से पुलिस को तलाश में परेशानी हो रही है। उधर, ग्रामीणों में आरोपित परिवार के प्रति आक्रोश है और प्रशासन से प्रभावी कार्रवाई की मांग की जा रही है।

विधायक अर्चना पांडे ने सीएम को लिखा पत्र

क्षतिग्रस्त मकानों व फसलों का शीघ्र सर्वेक्षण व मुआवजा दिलाने की मांग

समृद्धि न्यूज, छिबरामऊ, कन्नौज।

विधायक एवं पूर्व राज्य मंत्री अर्चना पांडे ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अत्यधिक वर्षा से क्षतिग्रस्त कच्चे मकानों और किसानों की फसलों का शीघ्र सर्वेक्षण कराकर मुआवजा दिलाए जाने का निवेदन किया है।

पत्र में उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्र छिबरामऊ सहित जनपद कन्नौज के विभिन्न ग्रामों में विगत दिनों हुई भारी वर्षा से जनजीवन प्रभावित हुआ है। लगातार बारिश के कारण कई स्थानों पर कच्चे मकान गिर गए, जिससे ग्रामीण परिवारों को आर्थिक नुकसान हुआ और रहने की समस्या खड़ी हो गई है।

इसी तरह अत्यधिक वर्षा और जलभराव से किसानों की धान, धनिया तथा विभिन्न सब्जियों सहित अन्य फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। फसलें खराब होने से किसान आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं।

अर्चना पांडे ने अनुरोध किया है कि संबंधित अधिकारियों को निर्देश देकर क्षतिग्रस्त मकानों व फसलों का तुरंत स्थलीय सर्वेक्षण कराया जाए तथा पात्र प्रभावित परिवारों व किसानों को नियमानुसार उचित मुआवजा व आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए, ताकि वे इस आपदा से उबर सकें।

बारिश से क्षेत्र में बिगड़े हालात, कई परिवार बेघर : आकाश शाक्य

- फसलों और मकानों में क्षति का सर्वे कर मुआवजा देने की मांग

समृद्धि न्यूज, छिबरामऊ, कन्नौज।

पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश ने विधानसभा क्षेत्र में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। कई गांवों में जलभराव की स्थिति है। बारिश के कारण कच्चे मकान गिरने से कई परिवारों के सामने रहने का संकट खड़ा हो गया है। वहीं खेतों में पानी भरने से धान समेत अन्य फसलों को नुकसान पहुंचा है।

सपा के प्रदेश सचिव आकाश शाक्य ने रजलामऊ, तेराजाकेट, भूड़ा, सरायप्रयाग समेत कई गांवों में पहुंचकर बारिश से प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया। उन्होंने प्रभावित परिवारों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और किसानों से फसल नुकसान की जानकारी ली। आकाश शाक्य ने प्रशासन से प्रभावित गांवों में तत्काल राहत पहुंचाने और कच्चे मकान गिरने वाले परिवारों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग की टीमें गांव-गांव भेजकर मकान और फसल क्षति का सर्वे करें तथा नियमानुसार पीड़ितों को शीघ्र मुआवजा दिया जाए। उन्होंने जलभराव वाले क्षेत्रों में पंप लगाकर पानी की निकासी, सफाई और एंटी-लार्वा का छिड़काव कराने की भी मांग की। साथ ही स्वास्थ्य विभाग की टीमें भेजकर लोगों की जांच और आवश्यक दवाओं की व्यवस्था कराने को कहा। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में प्रशासन को कागजी कार्रवाई के बजाय मौके पर पहुंचकर प्रभावित लोगों को राहत देनी चाहिए।

दो दिन बाद मेडिकल कॉलेज में लौटी बिजली

समृद्धि न्यूज, तिर्वा/कन्नौज।

तिर्वा स्थित राजकीय मेडिकल कॉलेज की मुख्य बिजली लाइन में फाल्ट आने से दो दिनों से बाधित आपूर्ति को जिलाधिकारी के हस्तक्षेप के बाद बहाल कर दिया गया। मरीजों, छात्रों और कर्मचारियों की परेशानी को देखते हुए मेडिकल कॉलेज की बिजली आपूर्ति फिलहाल तिर्वा फीडर से जोड़कर शुरू कराई गई है।

मुख्य लाइन में खराबी के कारण मेडिकल कॉलेज में जनरेटर के सहारे इमरजेंसी और जरूरी सेवाओं का संचालन किया जा रहा था, जबकि हॉस्टलों में रह रहे छात्र-छात्राओं और कर्मचारियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। समस्या की जानकारी मिलने पर प्राचार्य डॉ. पुष्पेंद्र सिंह ने पावर हाउस पहुंचकर बिजली कर्मियों से जानकारी ली और जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री से वार्ता की। इसके बाद वैकल्पिक व्यवस्था के तहत तिर्वा फीडर से आपूर्ति शुरू करा दी गई।

इस बीच प्राचार्य ने इमरजेंसी वार्ड का औचक निरीक्षण किया।

राइफल से शीशा तोड़कर पांच की जान बचाने वाले सिपाही दंपती को मिलेगा सम्मान

- एडीजी कानपुर जोन अनुपम कुलश्रेष्ठ ने की सराहना
- हादसे में सुल्तानपुर की जिला पंचायत अध्यक्ष समेत पांच लोग थे फंसे

समृद्धि न्यूज, कन्नौज।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर हादसे के बाद कार में फंसे सुल्तानपुर की जिला पंचायत अध्यक्ष समेत पांच लोगों की जान बचाने वाले कन्नौज के सिपाही दंपती को एडीजी कानपुर जोन सम्मानित करेंगी। 25 सितंबर को सौरिख से लखनऊ जाते समय सिपाही अमित तेवतिया और उनकी पत्नी महिला कांस्टेबल अर्चना ने हादसा देखा तो तत्काल अपनी गाड़ी रोक दी।

कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने के कारण उसमें सवार लोग बाहर नहीं निकल पा रहे थे। सिपाही अमित ने अपनी रायफल से कार का शीशा तोड़ा और एक-एक कर पांचों लोगों को बाहर निकलवाया। इसके बाद पुलिस को सूचना देकर घायलों को अस्पताल पहुंचाने में भी मदद की। हादसे में सुल्तानपुर की जिला पंचायत अध्यक्ष ऊषा सिंह समेत पांच लोग सवार थे। एसपी विनोद कुमार ने बताया कि सिपाही दंपती का साहस और तत्परता सराहनीय है।

मामले की जानकारी मिलने पर एडीजी कानपुर जोन अनुपम कुलश्रेष्ठ ने दोनों की प्रशंसा की और उन्हें पुरस्कृत करने की घोषणा की है।

पुलिस के हाथ लगी लाखों कीमत की अवैध शराब, दो गिरफ्तार

- कंटेनर से लायी जा रही थी अवैध शराब
- चेकिंग अभियान के दौरान सौरिख पुलिस को मिली सफलता

समृद्धि न्यूज, कन्नौज।

जिले से होकर हरियाणा से बिहार बिक्री हेतु ले जाई जा रही अवैध शराब को पकड़ने में जिले की सौरिख पुलिस को सफलता मिली है।

पुलिस ने एक कंटेनर से करीब पांच लाख रुपए कीमत की अवैध शराब की तीस पेटी पकड़ी हैं। दो आरोपियों को भी उपरोक्त तस्करी मामले में पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

जानकारी के मुताबिक पुलिस कप्तान विनोद कुमार और जिले के अन्य पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में चलाए जा रहे चेकिंग अभियान के दौरान सर्विलांस सेल की मदद से सौरिख थाना प्रभारी नागेंद्र सिंह ने अपनी टीम के साथ बीती रात गोदावरी बाईपास से खड़नी जाने वाले मार्ग पर कस्बा सौरिख के पास एक कंटेनर संख्या हरु 01त्र 3493 को रोकने का प्रयास किया। पुलिस से बचने को कंटेनर चालक ने वाहन को भगा दिया। जिसके बाद हरकत में आई पुलिस ने वाहन का पीछा करते हुए सीएसबी रोड सर्वा मोड़ के पास अपनी गिरफ्त में ले लिया। तलाशी के दौरान कंटेनर पर अवैध शराब 12पेटी रॉयल स्टेग 750 स्रू13 पेटी रॉयल स्टेग 375 स्रू हॉफ, पांच पेटी ब्लेंडर प्राइड 375 स्रू हॉफ, कुल 30 पेटी अंग्रेजी अवैध शराब कीमत करीब पांच लाख रुपए, बरामद की गई। पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी में शामिल प्रयुक्त कंटेनर सहित दो तस्कर आरोपी 21 वर्षीय शिवकुमार पुत्र रमेश चंद्र जाटव निवासी ग्राम सुदामा नगला नवीगंज बेवर जिला मैनपुरी एवं इटावा के थाना सिविल लाइन के गांव नगला नगोली निवासी 26 वर्षीय प्रदीप पुत्र श्रीराम स्वरूप राजपूत को भी गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों ने बताया कि, वे हरियाणा से बिहार बिक्री हेतु शराब को ले जा रहे थे। यहां उन्हें शराब की अच्छी कीमत मिल जाती है। जिसके चलते उनका और उनके परिवार का भरण पोषण होता है। अवैध शराब बरामदगी मामले में पुलिस ने कंटेनर और शराब को जब्त कर लिया है। आरोपियों पर आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी थी। मामले में एसपी ने बताया कि, कन्नौज जिले की सर्विलांस, एसओजी के निर्देशन में थाना सौरिख पुलिस को अवैध शराब बरामदगी में सफलता मिली है।

खबरें एक नजर में

टूटी बिजली लाइन की चपेट में आने से भैंस की मौत

कन्नौज। लगातार बारिश के बाद टूटी बिजली लाइन की चपेट में आने से एक दुधारू भैंस की मौत हो गई। घटना से परिवार के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। पीड़ित ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मुआवजे की गुहार लगाई है। मकरंद नगर के कुतुलुपुर निवासी विक्रम पुत्र कमल सिंह ने बताया कि बारिश के बाद बिजली की लाइन टूटकर गिर गई थी। लाइन टूटने की जानकारी होने के बावजूद बिजली विभाग की ओर से समय रहते उसे ठीक नहीं कराया गया। इसी दौरान उसकी दुधारू भैंस बिजली के तार की चपेट में आ गई और करंट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पीड़ित के मुताबिक भैंस के दूध की बिक्री से ही परिवार का खर्च चलता था। पशु की मौत से उसकी आय का प्रमुख साधन छिन गया है। पीड़ित ने प्रशासन और बिजली विभाग से आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की है।

जलभराव से मकानों की दीवारों में आईं दरारें

- निकासी की व्यवस्था न होने से ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन कर उठाई आवाज

समृद्धि न्यूज, छिबरामऊ, कन्नौज।

लगातार हो रही बारिश से विकासखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत कुंदेपुर के मजरा सबसुख नगला में जलभराव की समस्या गंभीर हो गई है। गलियों में पानी भरा होने और निकासी की व्यवस्था न होने से ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी हो रही है। लंबे समय से जलभराव के कारण कई मकानों की दीवारों में दरारें आने से ग्रामीणों में चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों के अनुसार उदयवीर सिंह शाक्य पुत्र गिरेंद्र सिंह, जय शंकर पुत्र राम प्रसाद उर्फ बाबाजी और मनोज कुमार पुत्र श्याम बाबू के मकानों में दरारें आई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश का पानी घरों के आसपास भरा होने से मकानों को नुकसान पहुंचने का खतरा बना हुआ है। गंदे पानी के कारण संक्रमण फैलने की आशंका भी बनी हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि जलनिकासी की समस्या को लेकर ग्राम प्रधान सुभाष चंद्र शाक्य से कई बार शिकायत की गई, लेकिन समाधान नहीं हुआ। इससे नाराज ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन कर जल्द जलनिकासी की व्यवस्था कराने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि घरों के बाहर बने शौचालयों तक पहुंचने में भी पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ रहा है।

पीड़ित परिवार से मिलीं सपा नेत्री शशिमा सिंह दोहरे

समृद्धि न्यूज, कन्नौज।

गुगरापुर ब्लॉक के ग्राम कीरतपुर में कच्चा मकान गिरने से मलबे में दबकर 17 से अधिक बकरियों की मौत हो गई। हादसे में कई बकरियां गंभीर रूप से घायल भी हुई हैं। घटना के बाद पशुपालक परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया।

हादसे की जानकारी मिलने पर समाजसेवी एवं सपा नेत्री शशिमा सिंह दोहरे गांव पहुंचीं। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली और दुख साझा किया। उन्होंने कहा कि गरीब और पशुपालक परिवारों की आजीविका पशुधन पर निर्भर रहती है। ऐसे में पशुओं की मौत से परिवार को बड़ा नुकसान हुआ है। उन्होंने प्रशासन से मृत बकरियों का तत्काल आकलन कराकर पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिलाने की मांग की। साथ ही घायल बकरियों के उपचार की समुचित व्यवस्था कराने को कहा। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवार को समय से राहत मिलनी चाहिए। इस संबंध में वह प्रशासन के समक्ष पीड़ित परिवार की मांग उठाएंगी।

नंदेश्वर नाथ मंदिर के महंत ने सुनाई मार्कण्डेय पुराण की पितृ कथा

- कहा, पितरों की एक प्रार्थना से मिलता है खोया राज्य व अमर होता है वंश

समृद्धि न्यूज, गुरसहायगंज कन्नौज।

पितृपक्ष के पावन अवसर पर नंदेश्वर नाथ मंदिर के प्रमुख महंत पंडित बलराम त्रिपाठी ने मार्कण्डेय पुराण में वर्णित रुचि ऋषि की कथा का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि यह कथा अध्याय चौरानवे से सौ तक में आती है और इसी से पितृ स्तुति प्रकट हुई है जिसे पितृपक्ष में पढ़ना सबसे फलदायी माना जाता है।

महंत बलराम त्रिपाठी ने बताया कि प्राचीन काल में रुचि नाम के तेजस्वी ब्रह्मर्षि थे जिन्होंने आजीवन ब्रह्मचर्य का व्रत लिया था। एक दिन वन में उन्होंने आकाश में चार पुरुषों को मुंह नीचे लटका देखा। पूछने पर उन्होंने बताया कि हम तुम्हारे पितर हैं जो संतान द्वारा पिंड जल न मिलने से अधोगति को जा रहे हैं। शास्त्र कहता है अपुत्रस्य गतिर्नास्ति। यह सुनकर रुचि का हृदय कांप गया।

उन्होंने कहा कि तब रुचि ने हाथ जोड़कर पितृ स्तुति की। अर्चितानाममूर्तानां पितृणां दीप्ततेजसाम्, नमस्यामि सदा तेषां ध्यानिनां दिव्यचक्षुषाम्। इस स्तुति से प्रसन्न होकर पितरों ने आशीर्वाद दिया कि तुम विवाह करो, तुम्हारा पुत्र मन्वन्तर का स्वामी होगा।

महंत जी ने कहा कि पितरों के आशीर्वाद से रुचि ने मालिनी से विवाह किया और उनका खोया हुआ राज्य बिना युद्ध के वापस मिल गया। समय आने पर उन्हें तेजस्वी पुत्र रौच्य प्राप्त हुआ जो तेरहवें मन्वन्तर का मनु बना। स्वयं रुचि को ब्रह्मा जी ने प्रजापति पद दिया।

अंत में महंत पंडित बलराम त्रिपाठी ने कहा कि वैराग्य अपनी जगह है पर पितृ ऋण से मुक्त हुए बिना मोक्ष नहीं मिलता। विवाह और संतान केवल भोग नहीं बल्कि पितरों को तारने का यज्ञ है। पितृपक्ष में इस स्तुति को अवश्य पढ़ना चाहिए, इससे पितर प्रसन्न होते हैं और वंश को मन्वन्तर तक अक्षय आशीर्वाद देते हैं।

कार्यालय नगर पालिका परिषद गुरसहायगंज, जनपद-कन्नौज

पत्रांक- 550/न0पा0प0, गुर0गंज/(2026-27) दिनांक 26.09.2026

सार्वजनिक निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि 15वां वित्त आयोग के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि के सापेक्ष अर्जित ब्याज की धनराशि से नगर पालिका परिषद गुरसहायगंज 15 नग हैण्ड ड्रायर क्रय करना चाहती है। जिसकी निविदा समाचार में प्रकाशन की तिथि से लेकर दिनांक 19.10.2026 अपरान्ह 02:00 बजे तक नगर पालिका परिषद गुरसहायगंज में सीलबंद लिफाफे में आमंत्रित की जाती है। प्राप्त निविदाओं को दिनांक 19.10.2026 अपरान्ह 03:00 बजे इच्छुक निविदादाताओं के समक्ष निविदा समिति द्वारा खोला जायेगा। निविदा प्रपत्र इस कार्यालय से दिनांक 17.10.2026 अपरान्ह 05:00 बजे तक लेखा पटल से प्राप्त किये जा सकते हैं।

निविदा को बिना कारण बताए स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार अध्यक्ष/अधिशासी अधिकारी में निहित है। अवकाश होने की स्थिति में उक्त निविदा की कार्रवाई अगले कार्यदिवस में पूर्ण की जायेगी। निविदा के सम्बन्ध में नियम व शर्तों की जानकारी किसी भी कार्यदिवस में लेखा पटल से प्राप्त की जा सकती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।

क्र0सं0	कार्य का नाम	अनुमानित धनराशि	ईएमडी धनराशि	निविदा शुल्क
1	15 नग हैण्ड ड्रायर आपूर्ति	Rs. 90000.00	Rs. 9000.00	Rs. 500.00

(अनिल कुमार)
अधिशासी अधिकारी

(मुन्नी देवी)
अध्यक्ष

समृद्धि न्यूज

लखनऊ, सोमवार 28 सितम्बर, 2026

मेजर एस.डी.सिंह पी.जी. आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज एण्ड हास्पिटल-फतेहगढ़

मूसलाधार बारिश से ओवरफ्लो हुए तालाब व नाले, घरों में घुसा पानी

- आक्रोशित लोगों ने किया नगर पंचायत अध्यक्ष के आवास का घेराव

समृद्धि न्यूज, नवाबगंज।

पिछले 48 घंटों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने नगर पंचायत नवाबगंज की व्यवस्थाओं की पोल खोलकर रख दी है। भारी बारिश के चलते नगर के कई तालाब ओवरफ्लो हो गए हैं, जिससे नालों का गंदा पानी सड़कों पर बहते हुए सीधे लोगों के घरों में दाखिल हो गया है। जलभराव से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है और कई इलाकों में कच्ची दीवारें व मकान गिरने से भारी नुकसान की खबरें हैं। जलभराव की सबसे विकराल स्थिति वार्ड नंबर 13 में देखने को मिल रही है। घरों में पानी भरने और लगातार बढ़ रही मुसीबतों से नाराज करीब एक सैकड़ा निवासी रविवार सुबह एकजुट होकर नगर पंचायत अध्यक्ष अनिल राजपूत के आवास पर जा पहुंचे। आक्रोशित लोगों ने अध्यक्ष के आवास का घेराव कर जमकर विरोध जताया और जल निकासी की तत्काल व्यवस्था करने की मांग की। नागरिकों का कहना है कि जलभराव के कारण उनका दिनचर्या पूरी तरह ठप हो गई है। स्थानीय लोगों ने नगर पंचायत प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर आरोप लगाए हैं। नागरिकों का कहना है कि नगर में जगह-जगह नाला निर्माण का कार्य चल रहा है, लेकिन मानसून से पहले जल निकासी के पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए।

नगर पंचायत अध्यक्ष के आवास पर मौजूद ग्रामीण

जगह-जगह खुदे पड़े नालों और ओवरफ्लो तालाबों के कारण पानी का निकास रुक गया है और गंदा पानी सीधे रिहायशी बस्तियों में भर रहा है। घेराव और हंगामे की सूचना पर पहुंचे नगर पंचायत अध्यक्ष अनिल राजपूत ने प्रभावित क्षेत्रों का मुआयना किया। उन्होंने नागरिकों को समझा-बुझाकर शांत कराया और जल्द जेसीबी भेजकर पानी की निकासी कराने का आश्वासन दिया। हालांकि, स्थानीय निवासियों का साफकहना है कि जब तक स्थायी समाधान नहीं होगा, वे चैन से नहीं बैठेंगे।

नवाबगंज में 40 घंटे से 120 गांवों की बिजली ठप

- पेयजल संकट गहराया, इनवर्टर हुए फेल

समृद्धि न्यूज, नवाबगंज।

नवाबगंज नगर विद्युत उपकेंद्र की इनकमिंग मशीन में तकनीकी खराबी आ जाने से नवाबगंज नगर सहित आसपास के लगभग 120 गांवों में पिछले 40 घंटे से अधिक समय से बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप है। भीषण उमस और अंधेरे के बीच लंबे समय से जारी बिजली कटौती ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है।

लगातार बिजली न मिलने के कारण घरों में पानी की मोटरें बंद हैं, जिससे पानी की टंकियां खाली हो चुकी हैं और लोगों के सामने पीने के पानी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। वहीं, 40 घंटे से अधिक का समय बीत जाने से घरों के इनवर्टर भी डिस्चार्ज होकर बंद हो चुके हैं। लोग अंधेरे और उमस में रहने को मजबूर हैं, जबकि अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण शोपीस बने हुए हैं।

इनकमिंग मशीन ठीक करते विद्युत कर्मी

बिजली विभाग के अधिकारियों के अनुसार क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के कारण इनकमिंग मशीन में नमी आ गई थी, जिससे यह बड़ा फाल्ट हुआ। बिजली संकट की सूचना मिलते ही विद्युत विभाग की टीम हरकत में आ गई है। एसडीओ विद्यासागर और जेई दीपक राम के नेतृत्व में लाइनमैनों और कर्मचारियों की विशेष टीमें लगातार मरम्मत कार्य में जुटी हुई हैं।

एसडीओ विद्यासागर ने बताया कि विभागीय टीम मुस्तैदी से काम कर रही है और जल्द ही तकनीकी खराबी को दूर कर क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

बारिश से ध्वस्त हुई बिजली व्यवस्था 48 घंटे से अमृतपुर में छाया अंधेरा

- 33 हजार वोल्ट लाइन के दो पोल टूटने से बाधित हुई थी आपूर्ति

समृद्धि न्यूज, अमृतपुर।

बीते दो दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के चलते अमृतपुर क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। करीब 48 घंटे से अमृतपुर क्षेत्र के कई हिस्से अंधेरे में डूबे हुए हैं, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के बीच बिजली विभाग की टीम युद्धस्तर पर जुटी हुई है और आपूर्ति बहाल करने के लिए लगातार काम किया जा रहा है।

विद्युत लाइन ठीक करते कर्मी

बारिश के दौरान फर्रुखाबाद-बदायूं मुख्य मार्ग पर कुतलूपुर के पास 33 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन के दो पोल टूट गए थे, जिसके चलते अमृतपुर क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। विभागीय कर्मचारियों ने बारिश और खराब मौसम के बीच दोनों पोलों को दोबारा खड़ा कर दिया है। पोलों पर लाइन डालने का काम भी पूरा कर लिया गया है और अब लाइन को पूरी तरह दुरुस्त करने का कार्य चल रहा है।

जेई राजेश कुमार ने बताया कि विद्युत विभाग की टीम लगातार मौके पर काम कर रही है। लाइन को सुरक्षित और सुचारु रूप से दुरुस्त करने के बाद जल्द ही अमृतपुर क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

25-25 हजार रुपये के दो इनामी चोर गिरफ्तार

समृद्धि न्यूज, फर्रुखाबाद।

एसओजी, सर्विलांस और थाना शमसाबाद पुलिस की संयुक्त टीम ने विभिन्न थानों में पंजीकृत चोरी के मामलों में वांछित 25-25 हजार रुपये के दो इनामी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।

अपर पुलिस अधीक्षक ने घटना का खुलासा करते हुए बताया कि शमशाबाद पुलिस द्वारा विभिन्न थानों में पंजीकृत चोरी के मामलों में वांछित 25-25 हजार रुपये के दो इनामी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में साकिर उर्फ चूहा पुत्र लटूर खाँ उर्फ लटूरी निवासी ग्राम इस्लामनगर थाना मिर्जापुर जनपद शाहजहाँपुर व भूरे उर्फबाटा पुत्र मेंहदी हसन निवासी मस्जिद नगला थाना मिर्जापुर जनपद शाहजहाँपुर को गिरफ्तार किया गया है। थाना शमसाबाद, नवाबगंज और मेरापुर में दर्ज चोरी के 07 मुकदमों की विवेचना के दौरान इन दोनों शातिर अभियुक्तों के नाम प्रकाश में आए थे। पुलिस पूछताछ के दौरान अभियुक्तों ने बताया कि वे अपने शौक पूरे करने के लिए चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे और सामान बेच दिया करते थे।

पुलिस द्वारा गिरफ्तार किये गये आरोपी

पुलिस ने इनके पास से लगभग 1.5 लाख रुपये अनुमानित कीमत का चोरी का माल और नकदी बरामद की है। 02 इन्वर्टर माइक्रोटेक सोलर व माइक्रोटेक 05 बैटरियां लिवफास्ट, ल्यूमनस, यूटीएल, अमेज व अन्य 2,530 रुपये नकद बरामद किये गये है।

गिरफ्तार दोनों अभियुक्त शातिर किस्म के अपराधी हैं।

अभियुक्त भूरे उर्फबाटा के खिलाफ विभिन्न थानों में चोरी, आर्म्स एक्ट आदि के 10 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। वहीं साकिर उर्फ चूहा एक अति-शातिर अपराधी है।

जिसके विरुद्ध फतेहगढ़, शाहजहाँपुर व बदायूँ के विभिन्न थानों में गैंगस्टर एक्ट, गुंडा एक्ट, जानलेवा हमला 307 और चोरी जैसे 33 से अधिक गंभीर मुकदमे पंजीकृत हैं।

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष शमसाबाद उ0नि0 सचिन सिंह चौधरी, उ0नि0 हरीश कुमार, उ0नि0 योगेश कुमार, कांस्टेबल सोहित कसाना, नितिन कुमार, राहुल कुमार, शीलेश, अंकुश कुमार, अभिषेक कुमार तथा एसओजी/सर्विलांस प्रभारी उ0नि0 सन्त कुमार व उनकी टीम शामिल रही।

खबरें एक नजर में

अतिवृष्टि से फसलों को हुए नुकसान के लिए 72 घंटे में दर्ज कराएं क्लेम

- कृषि विभाग ने जारी की एडवाइजरी

समृद्धि न्यूज, फर्रुखाबाद। जनपद में हाल ही में हुई अत्यधिक बारिश और जलभराव के कारण किसानों की फसलों को पहुंचे नुकसान को देखते हुए उप कृषि निदेशक ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत बीमित किसानों से नुकसान की सूचना तुरंत दर्ज कराने की अपील की है। कृषि विभाग के अनुसार केवल कृषि विभाग, राजस्व विभाग और संबंधित बीमा कंपनी के माध्यम से ही आवेदन मान्य होंगे। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के आधिकारिक पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन आवेदन करें। त्वरित सूचना देने के लिए राष्ट्रीय कृषि रथ हेल्प लाइन नंबर 14447 पर कॉल करें। अपने क्षेत्र के लेखपाल राजस्व विभाग, कृषि विभाग के मैदानी कर्मचारियों या बीमा कंपनी के प्रतिनिधियों को तत्काल लिखित सूचना दें। बीमा नियमों के अनुसार फसल क्षति होने के 72 घंटे के भीतर बीमा कंपनी या संबंधित विभाग को सूचना देना अनिवार्य है। किसानों द्वारा सूचना दर्ज कराए जाने के बाद राजस्व विभाग, कृषि विभाग और बीमा कंपनी की संयुक्त टीम खेतों का सर्वे करेगी। सर्वे के आधार पर ही पात्र किसानों को क्लेम का नियमानुसार भुगतान किया जाएगा।

बीमारी से जूझ रहे ग्रामीण पर प्रकृति की मार, बरसाती पानी से घर जलमग्न

- खाद्यान्न भीगा, परिवार के सामने खाने का संकट
- राजस्व निरीक्षक ने मौके पर पहुंचकर की जांच

समृद्धि न्यूज, अमृतपुर।

लगातार 48 घंटे से हो रही मूसलाधार बारिश ने अमृतपुर कस्बे में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। बारिश का पानी लोगों के घरों में घुसने से उनकी मुश्किलें बढ़ गई हैं।

कस्बा अमृतपुर निवासी वीरपाल जाटव के घर में भी बारिश का पानी कमरे तक भर गया।

पानी भरने से घर में रखा खाद्यान्न पूरी तरह भीग गया, जिससे परिवार के सामने भोजन का संकट खड़ा हो गया है। बताया गया कि वीरपाल जाटव पहले से ही गंभीर बीमारी से ग्रसित हैं। ऐसे में लगातार हो रही बारिश और घर में पानी भरने से उनकी परेशानियां और बढ़ गई हैं।

घर में घुसा बरसात का पानी

घर में पानी भर जाने के कारण दैनिक जरूरत का सामान भी प्रभावित हुआ है। मामले की जानकारी मिलने पर राजस्व निरीक्षक दिनेश शर्मा मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लेते हुए जांच-पड़ताल की। उन्होंने पीड़ित परिवार को भरोसा दिलाया कि उनकी स्थिति से उच्च अधिकारियों को अवगत कराया जाएगा, ताकि नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

लगातार बारिश के बीच प्रशासनिक टीमों के क्षेत्र में पहुंचने से प्रभावित लोगों को राहत की उम्मीद जगी है। स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन से जलभराव की समस्या का शीघ्र समाधान कराने और प्रभावित परिवारों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

अधिशासी अधिकारी ने नालों का किया स्थलीय निरीक्षण

- आवागमन की बाधाएं कराईं दूर

समृद्धि न्यूज, फर्रुखाबाद।

नगर पालिका परिषद फर्रुखाबाद के अधिशासी अधिकारी ने रविवार को शहर के प्रमुख नालों और जल निकासी व्यवस्था का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों और क्षेत्रों जैसे महल्ला महबूबबक्श से बरगदियाघाट, बस स्टेशन से बरगदियाघाट, भूषामण्डी से पुलमण्डी, पक्का पुल से गुदड़ी, तलैया फजल इमाम से आई0एण्ड0डी0, रेलवे स्टेशन फर्रुखाबाद से ग्राम रमपुरा, बीबीगंज से करबला, पल्ला गल्ला मण्डी से पक्कापुल, आई0टी0आई0 से लालगेट पूर्व नवाबगंज बस स्टेण्ड, घेरशामू खां से देवरामपुर गुमटी रेलवे, आवास विकास से मसेनी, भोलेपुर से नगलानैन, हाथीखाना से पुलमण्डी, और जाफरी फतेहगढ़ से पुलमण्डी की ओर जाने वाले नालों का जायजा लिया गया। निरीक्षण के समय उपरोक्त सभी नालों में पानी का बहाव सुचारू रूप से चलता हुआ पाया गया और जल निकासी में किसी प्रकार की रुकावट नहीं मिली। कुछ स्थानों पर भारी वर्षा व हवा के कारण वृक्ष टूटकर सड़कों पर गिर गए थे, जिन्हें तत्काल हटवाकर आवागमन बहाल कराया गया।

ईंट भट्ठे के गहरे गड्ढे में नहाते समय दो बालक डूबे

- एक का शव बरामद, दूसरे की तलाश जारी

समृद्धि न्यूज, कायमगंज।

मऊ रशीदाबाद इलाके में रविवार दोपहर करीब एक बजे एक दर्दनाक हादसा हो गया। गांव कटरा के पास ईट भट्ठे के लिए खोदे गए गहरे गड्ढे में जमा पानी में नहाते समय दो मासूम बालक डूब गए। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद एक बालक का शव बाहर निकाल लिया है, जबकि दूसरे बालक की तलाश लगातार जारी है।

जानकारी के अनुसार, गांव कटरा निवासी चार बच्चे ईट भट्ठे के लिए बनाए गए गड्ढे में भरे पानी में नहाने गए थे। नहाते समय सूरज (12) पुत्र विनोद और मोनू (10) पुत्र राजपाल गहरे पानी में चले जाने के कारण डूबने लगे। दोनों को डूबता देख साथ गए अन्य दो बच्चों ने शोर मचाया और तुरंत गांव पहुंचकर परिजनों को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही परिजन और भारी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने पानी में उतरकर तलाश शुरू की और सूरज के शव को बाहर निकाल लिया। हादसे की खबर से परिजनों में कोहराम मच गया है। गड्ढे में पानी की गहराई लगभग 8 से 12 फीट बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही कायमगंज कोतवाली पुलिस, सीओ कायमगंज अजय वर्मा और तहसील प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। मोनू की खोजबीन के लिए स्थानीय गोताखोरों को लगाया गया है। इसके साथ ही एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम को भी मौके पर बुलाकर दूसरे बच्चे की तलाश की जा रही है।

जांच पड़ताल करती पुलिस

तालाब, पोखर उफनाये, घरों में घुसे बारिश के पानी ने बढ़ाई मुश्किलें

- खेतों की ओर पानी निकालने में जुटी जेसीबी

समृद्धि न्यूज, अमृतपुर।

बीते दो दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश ने अमृतपुर कस्बे की जल निकासी व्यवस्था की गंभीर स्थिति को उजागर कर दिया है। लगातार बारिश के चलते कस्बे के करीब 11 तालाब पहले से ही पूरी तरह लबालब हैं। ऐसे में दो दिनों से लगातार हो रही बारिश का पानी तालाबों में समाने की जगह अब कस्बे की गलियों और घरों में भरने लगा है।

जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने से स्थिति विकट होती जा रही है। कई घरों में बारिश का पानी भर जाने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। घरों में पानी भरने से दैनिक जरूरतों के साथ-साथ लोगों के सामने सामान और खाद्यान्न को सुरक्षित रखने की भी चुनौती खड़ी हो गई है। कस्बे में जलभराव की समस्या बढ़ने के बाद प्रधान की ओर से पानी की निकासी के प्रयास शुरू किए गए हैं। फर्रुखाबाद-बदायूं मार्ग पर बनी पीडब्ल्यूडी की पुलिया को जेसीबी से खोलने का कार्य कराया जा रहा है, ताकि कस्बे में जमा पानी का कुछ हिस्सा खेतों की ओर निकाला जा सके और जलभराव से लोगों को राहत मिल सके। स्थानीय लोगों का कहना है कि अमृतपुर कस्बे में जल निकासी की समस्या कोई नई नहीं है, लेकिन लगातार बारिश के दौरान यह समस्या गंभीर रूप ले लेती है। तालाबों के पहले से भरे होने और पानी की निकासी के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने के कारण बारिश का पानी आबादी में पहुंच जाता है। लोगों ने प्रशासन से स्थायी जल निकासी व्यवस्था विकसित किए जाने की मांग की है, ताकि हर बार बारिश के दौरान कस्बे के लोगों को जलभराव की समस्या से न जूझना पड़े।

नाले में डूबे मासूम का शव मिलने से परिवार में मचा कोहराम

- नाले में बहकर खेत तक पहुंचा
- एकलौते बेटे की मौत से मां बेसुध

समृद्धि न्यूज, फर्रुखाबाद।

थाना मऊदरवाजा क्षेत्र के मोहल्ला दुंगइयां चुंगी के पास दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है। बीती शाम घर के बाहर नाले में गिरे 4 वर्षीय मासूम रेवांश (देवांश) शाक्य का शव रविवार सुबह कर्बला के पास खेत में मिलने से परिवार में हाहाकार मच गया।

जानकारी के अनुसार, मोहल्ला दुंगइयां चुंगी निवासी आकाश शाक्य का 4 वर्षीय पुत्र रेवांश शनिवार शाम करीब 4 बजे घर के बाहर शौच करने गया था।

मूसलाधार बारिश के कारण नाला उफान पर था और अचानक पैर फिसलने से मासूम सीधे तेज बहाव वाले नाले में जा गिरा। जब परिजनों ने बच्चे को आसपास नहीं देखा, तो खोजबीन शुरू हुई। नाले में गिरने की आशंका पर पुलिस को सूचना दी गई।

मृतक मासूम का फाइल फोटो

मौके पर सीओ सिटी, सिटी मजिस्ट्रेट और थाना मऊदरवाजा पुलिस की टीम पहुंची। मासूम को तलाशने के लिए एनडीआरएफ की टीम को भी लगाया गया, लेकिन देर रात तक उसका कोई सुराग नहीं लग सका।

रविवार सुबह करीब 8 बजे कर्बला के निकट स्थित ग्राम भोपत नंगला निवासी सुधाकर शाक्य व दिलेराम शाक्य के गोभी के खेत की मेड़ के पास ग्रामीणों ने एक बच्चे का शव देखा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर लोहिया अस्पताल भेजा। बताया जा रहा है कि परिजन और ग्रामीण रातभर बच्चे की तलाश वन की ओर जाने वाले नाले के किनारे करते रहे। लेकिन पानी का बहाव इतना तेज था कि मासूम का शव रास्ते में बनी पुलिया से गुजरते हुए दूसरी ओर चला गया।

नाले में गिरे 4 वर्षीय बालक का एसडीआरएफटीम ने किया रेस्क्यू: एसडीएम

उप जिलाधिकारी सदर संजय कुमार ने बताया कि 26 सितम्बर को सायं लगभग 06 बजे प्राप्त सूचना के अनुसार ग्राम दुंगइया, थाना मऊदरवाजा निवासी रेवांश पुत्र आकाश शाक्य उम्र लगभग 04 वर्ष बाहर शौच करते समय पैर फिसलने के कारण नाले में गिर गया। नाले में पानी का बहाव तेज होने के कारण बालक बह गया। सूचना प्राप्त होते ही एसडीआरएफटीम को मौके पर बुलाकर तत्काल राहत एवं बचाव कार्य प्रारम्भ कराया गया। एसडीआरएफटीम द्वारा लगातार खोजबीन एवं रेस्क्यू अभियान चलाया गया। 27 सितम्बर को प्रातः लगभग 08 बजे एसडीआरएफ टीम द्वारा रेवांश पुत्र आकाश शाक्य का शव घटनास्थल से करीब 500 मीटर की दूरी पर बरामद किया गया। शव को पोस्टमार्टम हेतु डॉ0 राम मनोहर लोहिया जिला चिकित्सालय भेजा गया। मृतक के पिता आकाश शाक्य शाक्य को पोस्टमार्टम के संबंध में अवगत कराया गया, किन्तु उनके द्वारा पोस्टमार्टम न कराने हेतु अपनी सहमति व्यक्त की गई।

क्षमावाणी पर्व पर वृहद शांतिधारा, श्रद्धालुओं ने मांगी परस्पर क्षमा

- 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़
- मिच्छामि दुक्कडम् के साथ लिया क्षमा-भाव अपनाने का संकल्प

समृद्धि न्यूज, फर्रुखाबाद।

पर्यूषण महापर्व एवं दशलक्षण धर्म की आराधना के समापन के बाद रविवार को जैन समाज ने क्षमावाणी पर्व श्रद्धा, भक्ति और आत्मचिंतन के साथ मनाया। लोहाई रोड स्थित 1008 श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा को पांडुक शिला पर विराजमान कर विधि-विधान से पूजन, अभिषेक एवं बृहद शांतिधारा का आयोजन किया गया। मोहित जैन, अतुल जैन, नयन जैन एवं कन्हैया लाल जैन ने भगवान का अभिषेक किया, जबकि मयंक जैन ने शांतिधारा की। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर भगवान पार्श्वनाथ का पूजन-अभिषेक किया और शांतिधारा में सहभागिता की। धार्मिक आयोजन के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान पार्श्वनाथ की आराधना कर सुख-शांति एवं विश्व कल्याण की कामना की। शांतिधारा के उपरांत क्षमावाणी पर्व की भावना के अनुरूप श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे से मन, वचन और कर्म से हुई जाने-अनजाने भूलों के लिए क्षमा मांगी। जैन समाज में क्षमावाणी पर्व को आत्मशुद्धि, प्रेम, मैत्री और आपसी सौहार्द का पर्व माना जाता है। श्रद्धालुओं ने ष्मिच्छामि दुक्कडम् कहकर परस्पर क्षमा याचना की और जीवन में किसी के प्रति द्वेष न रखते हुए क्षमा, विनम्रता एवं मैत्री की भावना अपनाने का संकल्प लिया।

भगवान पार्श्वनाथ का पूजन करते भक्तगण

पांचाल की ऐतिहासिक धरा को मिलेगी वैश्विक पहचान

पर्यटन, ओडीओपी व इको-टूरिज्म को पंख लगाने की तैयारी

समृद्धि न्यूज, फर्रुखाबाद।

बैठक में मौजूद पदाधिकारी

विश्व पर्यटन दिवस पर पांचाल शोध एवं विकास समिति द्वारा बेवर रोड स्थित एक पैलेस में जनपद के समृद्ध पर्यटन एवं ऐतिहासिक धरोहरों पर केंद्रित गोष्ठी का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने जनपद के सुप्रसिद्ध धार्मिक व ऐतिहासिक स्थलों के विकास तथा पर्यटन विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर विस्तृत चर्चा की। अध्यक्षता करते हुए संस्था के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह सोमवंशी ने कहा कि पांचाल की यह पवित्र भूमि अपने आप में अनूठा इतिहास समेटे हुए है। उन्होंने जनपद के पर्यटन ढाँचे को मजबूत करने और इसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए पर्यटन विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न विकास योजनाओं की खुलकर सराहना की। भूपेंद्र प्रताप सिंह ने जिले के प्रमुख पर्यटन केंद्रों-बाबा नीब करोरी धाम नीम करोरी, बौद्ध स्थली संकिसा, महाभारत कालीन पौराणिक नगरी कम्पिल तथा महर्षि श्रृंगी ऋषि की तपोस्थली श्रृंगीरामपुर के सौंदर्यीकरण, जीर्णोद्धार और श्रद्धालुओं के लिए नागरिक सुविधाएं बढ़ाने में पर्यटन विभाग के योगदान को रेखांकित किया। वक्ताओं ने कहा कि संकिसा जैसे अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध स्थल और बाबा नीब करोरी के धाम में पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए पर्यटन विभाग द्वारा किया जा रहा बुनियादी ढाँचे का विकास बेहद सराहनीय और समय की माँग है। स्थानीय अर्थव्यवस्था और पर्यटन को नई दिशा देने के लिए एक जिला एक उत्पाद के तहत फर्रुखाबाद के विश्वप्रसिद्ध जरदोजी व ब्लॉक प्रिंटिंग उद्योग और एक जिला एक व्यंजन योजना को पर्यटन गतिविधियों से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। समिति ने सुझाव दिया कि कृषि व पर्यावरण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जनपद की प्रमुख नर्सरियों को टूरिज्म सर्किट से जोड़ा जाए।

कानपुर के 1281 बूथों से गूंजा मोदी के 'मन की बात' का संदेश

समृद्धि न्यूज, कानपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 138वें 'मन की बात' कार्यक्रम को लेकर रविवार को कानपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों में खासा उत्साह दिखाई दिया। शहर के गोविंद नगर विधानसभा क्षेत्र में बड़ी स्क्रीन लगाकर प्रधानमंत्री के संबोधन का लाइव प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में युवाओं, महिलाओं और छात्रों की उल्लेखनीय सहभागिता रही। वहीं, भाजपा कानपुर उत्तर जिले के सभी 1281बूथों पर कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम का सामूहिक रूप से श्रवण किया। गोविंद नगर में आयोजित लाइव कनेक्ट कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं कानपुर क्षेत्र प्रभारी शंकर लाल लोधी, विधान परिषद सदस्य गोविंद नारायण शुक्ला, सांसद रमेश अवस्थी सहित पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

होम्योपैथी शिविर में 125 से अधिक मरीजों ने कराया उपचार

समृद्धि न्यूज, फर्रुखाबाद।

मरीज का उपचार करती डॉ. मधुरंजन सक्सेना

पद्मश्री केजी सक्सेना के 114वें जन्मदिवस को होम्योपैथी विकास दिवस के रूप में मनाया गया। डॉ0 मधुरंजन सक्सेना ने बताया कि उन्होंने आईईएमए एवं आईआईएचपी की स्थापना की थी। आईआईएचपी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ0 शशीप्रभा सक्सेना एवं डॉ0 मधुरंजन सक्सेना ने बताया कि प्रत्येक वर्ष होम्योपैथिक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाता है। 25 से 27 सितंबर तक चले तीन दिवसीय शिविर में सर्दी, जुकाम, बुखार, एलर्जी एवं अन्य गंभीर रोगों से पीड़ित 125 से अधिक मरीजों की जांच की गई। मरीजों को स्वास्थ्य परामर्श देने के साथ ही निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गई। इस दौरान 50 प्रतिशत पैथोलॉजी जांचें जनता पैथोलॉजी द्वारा निःशुल्क की गई। नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ0 मेघा सक्सेना ने मरीजों की आंखों की भी निःशुल्क जांच की गई। शुभारंभ डॉ0 हैनिमैन एवं पद्मश्री डॉ0 केजी सक्सेना के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। डॉ0 मधुरंजन सक्सेना ने बताया कि होम्योपैथी चिकित्सा पद्धत से हर रोग का स्थाई इलाज संभव है। महिलाओं व अन्य मरीजों को होने वाले गंभीर रोगों का उपचार होम्योपैथी से सफलतापूर्वक किया जा सकता है। शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ0 मेघा सक्सेना, डॉ0 विदिशा अग्रवाल, डॉ0 अपूर्वी, डॉ0 अंशुल, डॉ0 शिखर सक्सेना एवं डॉ0 एसके सक्सेना मौजूद रहे।

नगर पंचायत में कार्यकर्ताओं ने सुनी पीएम मोदी की मन की बात

कार्यक्रम में मौजूद भाजपा नेता

समृद्धि न्यूज, नवाबगंज। कार्यालय नगर पंचायत नवाबगंज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम मन की बात का सजीव प्रसारण सुना गया। इस अवसर पर नगर पंचायत चेयरमैन अनिल राजपूत सहित स्थानीय नेताओं और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने एक साथ बैठकर प्रधानमंत्री का संबोधन सुना। कार्यक्रम के दौरान चेयरमैन अनिल राजपूत एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष कमल भारद्वाज ने कहा कि प्रधानमंत्री की मन की बात देशवासियों में नया उत्साह और राष्ट्र सेवा की प्रेरणा जगाती है। इसमें बताए गए सामाजिक सुधार, स्वदेशी अपनाओ और जन-भागीदारी के संदेशों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाया जाएगा। इस दौरान हेम सिंह लोधी, भरत सिंह राठौड़, आकाश गुप्ता, दिनेश चंद्र गुप्ता, विनीत भारद्वाज, सभासद शिवमंगल सिंह, बलवीर कठेरिया, ललित श्रीवास्तव और धर्मपाल शर्मा मुख्य रूप से मौजूद रहे।

शमसाबाद में तीन दिन की बारिश से भारी तबाही

नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि ने क्षतिग्रस्त मकानों का किया निरीक्षण

समृद्धि न्यूज, शमसाबाद।

पीड़ितों से मिलते नदीम अहमद फारुकी

शमसाबाद नगर पंचायत क्षेत्र में पिछले लगातार तीन दिनों से हो रही भारी बरसात के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। बारिश के चलते नगर के कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं और जगह-जगह भयंकर जलभराव हो गया है। हालात का जायजा लेने के लिए नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि नदीम अहमद फारूकी ने नगर का भ्रमण किया और क्षतिग्रस्त मकानों का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रभावित लोगों से मुलाकात कर उन्हें भरोसा दिलाया कि जल्द ही उन्हें उचित मुआवजा दिलवाया जाएगा। इसके अलावा, जिन लोगों ने प्रधानमंत्री आवास के लिए फॉर्म भरा है, उनके संबंध में उप जिलाधिकारी को पत्र भेजकर जल्द आवास दिलाने की कार्रवाई की जाएगी। नगर में जलभराव की गंभीर समस्या को लेकर भी प्रशासन सख्त है। इस समस्या के समाधान के लिए जल्द ही जिलाधिकारी को पत्र लिखा जाएगा और नगर का सर्वे कर जल निकासी का स्थायी निदान किया जाएगा। मुबारकपुर मोहल्ले में कर्मचारियों को लगाकर जलभराव से निजात दिलाने का कार्य शुरू करा दिया गया है, जिसका अध्यक्ष प्रतिनिधि ने स्वयं निरीक्षण भी किया। अध्यक्ष प्रतिनिधि ने कर्मचारियों को मोहल्ला इमली दरवाजा, चौखन्डा, दलमीरखां, फतेहचन्द्र सैदवाड़ा, सिकन्दरपुर आदि क्षेत्रों में सर्वे कर समस्या का तुरंत समाधान करने के निर्देश दिए हैं।

इसके साथ ही मुनीरखां, सतीश मिश्रा, मुकेश सक्सेना और इमाम बाड़ा आदि के गिरे हुए मकानों की सूची बनाकर जल्द से जल्द मुआवजा दिलाने की कार्यवाही की मांग की गई है।

गुरुवार को घर से निकली महिला का शव झाड़ियों में मिला

समृद्धि न्यूज, बांगरमऊ उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सुरसेनी निवासी 65 वर्षीय वृद्धा गुरुवार को संदिग्ध परिस्थितियों में घर से दोपहर बाद गायब हो गई थी। वहीं उसकी चप्पल बिल्हौर मार्ग गंगा नदी पुल पर दूसरे दिन पड़ी हुई मिली थी। महिला के पुत्र द्वारा कोतवाली में शुक्रवार को गुमशुदगी की सूचना दर्ज कराई गई। पुलिस और परिजन वृद्ध महिला की तलाश गंगा नदी में नाव द्वारा काफी दूर तक करते रहे। जहां शनिवार को दोपहर बाद महिला का शव धन्नापुरवा गांव के सामने झाड़ियों में मिल गया। पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही कर शव परिजनों को सौंप दिया। परिजनों द्वारा अंतिम संस्कार कर दिया गया है। क्षेत्र के ग्राम सुरसेनी निवासी सर्वेश कुमार पुत्र सोनेलाल ने 25 सितम्बर को कोतवाली पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र में कहा है कि उसकी मां लौंग श्री 65 वर्ष पत्नी सोनेलाल 24 सितम्बर दिन लगभग दो बजे घर से खेत पर गई थी। तब से वह घर वापस लौट कर नही आई हैं।

विजय दशमी पर्व को लेकर क्षत्रिय महासभा की बैठक संपन्न

बैठक को संबोधित करते अनिल प्रताप सिंह

फर्रुखाबाद, समृद्धि न्यूज। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की बढ़पुर स्थित राजपूताना होटल के सभागार में विजय दशहरा तैयारियों को लेकर बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विजय दशमी पर्व एवं शस्त्र पूजन समारोह की जिम्मेदारियां समाज के पदाधिकारियों को दी गई। मुख्य अतिथि वरिष्ठ राष्ट्रीय महामंत्री कुंवर राघवेन्द्र सिंह राजू ने कहा कि इस बार विजय दशमी पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया जायेगा और प्रतिभाशाली एवं मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जायेगा। साथ ही समाज के लोग विभिन्न क्षेत्र में योगदान करने के लिए भी सम्मानित होंगे। प्रदेश सचिव अनिल प्रताप सिंह ने कहा कि इस पर्व को भव्यता प्रदान करने के लिए सभी लोग सहयोग करें। जिलाध्यक्ष महेश पाल सिंह उपकारी ने कहा कि समाज के लोग 20 अक्टूबर को ज्यादा से ज्यादा संख्या में राजपूताना पब्लिक स्कूल के निकट आयोजित कार्यक्रम में शामिल हो। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व गृहराज्य मंत्री महाराष्ट्र के कृपाशंकर सिंह होंगे। विशिष्ट अतिथि पूर्व आईजी आरके सिंह राठौर होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सांसद चन्द्रभूषण सिंह मुन्नूबाबू करेंगे। कार्यक्रम में वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह राठौर के अलावा वरिष्ठ राष्ट्रीय महामंत्री राघवेन्द्र सिंह राजू भाग लेंगे। इस मौके पर रामबहादुर सिंह, कैप्टन डीएस राठौर, सुमन राठौर, रमला राठौर, किरन सिंह, जिलाध्यक्ष महेश पाल सिंह उपकारी आदि लोग मौजूद रहे।

खबरें एक नजर में

बारिश के चलते रेलवे स्टेशन पर फिसलने से यात्री घायल

बांगरमऊ उन्नाव। लगातार तीन दिनों से हो रही बारिश के चलते बांगरमऊ रेलवे स्टेशन पर काई लगने से आज सुबह कई लोग फिसल कर गिर गए । जिससे कुछ लोगों को मामूली चोटे आई हैं। नगर के मोहल्ला दरगाह शरीफ निवासी जिबराइल आज सुबह अपने किसी रिस्तेदार को दवा दिलाने के लिए लिए उन्नाव जाने के लिए नगर के रेलवे स्टेशन पर पहुँचे। उनके साथ में उनका साथी अमित निवासी नसीमगंज भी था । बताया जाता है कि बालामऊ से कानपुर जाने वाली ट्रेन जैसे ही आकर स्टेशन पर रुकी स स्टेशन पर मौजूद यात्री ट्रेन पर चढ़ने के लिए आगे पहुँचे । तभी वहां लगी काई के कारण कई लोग फिसलने से गिर गए । जिबराइल के कमर में चोट आई है । वहीं अमित को भी मामूली चोटे आई हैं स दोनों ने उन्नाव पहुंच कर वहां निजी चिकित्सक से दवा ली तब उन्हें राहत मिली । उक्त दोनों लोगों के अनुसार स्टेशन पर काई की चपेट में आने से कुछ अन्य लोग भी फिसलने से गिर गए थे। लेकिन किसी को भी गंभीर चोटे नही लगी है और बाल - बाल बच गए।

दिव्यांग बच्चों के बीच पहुंची भाजपा, बांटे उपहार

कानपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत रविवार को भाजपा जिला अध्यक्ष

अनिल दीक्षित और सांसद रमेश अवस्थी के नेतृत्व में जवाहर नगर स्थित अंध विद्यालय में दिव्यांग बच्चों को उपहार एवं खाद्य सामग्री वितरित की गई। दोनों नेताओं ने बच्चों से संवाद कर उनका उत्साह बढ़ाया। अनिल दीक्षित ने कहा कि सेवा भाजपा के संस्कारों में है और कार्यकर्ता समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने के लिए प्रतिबद्ध हैं। रमेश अवस्थी ने कहा कि दिव्यांग बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाना समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी है और भाजपा कार्यकर्ता हर जरूरतमंद के साथ खड़ा है। जिला मीडिया प्रभारी अनुराग शर्मा एडवोकेट ने बताया कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चल रहे अभियान में दिव्यांगजनों एवं वृद्धजनों की सेवा के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस दौरान अभिनव दीक्षित, जन्मेजय सिंह, रीता पासवान, अभिमन्यु सक्सेना व पी.सी. शर्मा आदि उपस्थित रहे।

जि.पं.अ. ने गुजरात सोलर एनर्जी शो रूम का किया उद्घाटन

फतेहपुर। रामगंज पक्का तालाब में गुजरात सोलर एनर्जी शोरूम का उद्घाटन

जिला पंचायत अध्यक्ष अभय प्रताप सिंह ने फीता काट कर किया। वही संचालक कारी वसीम दानिश सिद्दीकी व मैनेजर अनस ने बताया कि उनके शोरूम में सोलर पैनल लगाए जाएंगे। इस दौरान 3 किलो वाट का सोलर पैनल लगवाने पर 108000 रूपये की सब्सिडी भी मिलेगी और लोगों को फाइनेंस की सुविधा भी मिलेगी। संचालक ने बताया कि भारी भरकम बिजली के बिल से भी लोगों को राहत मिलेगी और लोग बिना किसी विघ्न बाधा के एसी, फ्रिज, कूलर, टीवी सहित तमाम विद्युत से संचालित सामान को चला सकते हैं।इस अवसर पर साजिद, अबुल हसन, कयामुल, आजम, अल्ताफ, सगीर सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

पति-पत्नी के 34 विवादित जोड़ों की सकुशल की गयी विदाई

समृद्धि न्यूज, उन्नाव। जय प्रकाश सिंह वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उन्नाव के कुशल निर्देशन, श्री आयुष श्रीवास्तव पुलिस अधीक्षक उत्तरी की अध्यक्षता में परिवार परामर्श केन्द्र एवं विभिन्न थानों में स्थित महिला हेल्प डेस्क में पति-पत्नी के विवादित जोड़ों को बुलाया गया। केंद्र में आए पति-पत्नी के विवादित मामलों की काउंसलिंग प्रक्रिया में स्वयं सहभागिता की। उन्होंने दंपतियों से संवाद करते हुए आपसी समझ, विश्वास एवं सकारात्मक बातचीत के माध्यम से पारिवारिक मतभेद दूर करने का प्रयास किया। काउंसलिंग के उपरांत कुछ दंपतियों की सफलतापूर्वक विदाई भी कराई गई। उन्होंने कहा कि परिवार में उत्पन्न विवादों को संवाद, समझ और उचित परामर्श के माध्यम से सुलझाने में परिवार परामर्श केंद्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

76वां तीतर दंगल आयोजित

समृद्धि न्यूज, बीघापुर, उन्नाव।

विकास खण्ड के गांव इंदामऊ में रविवार को 76 वां तीतर दंगल आयोजित हुआ। दंगलमें तहसील क्षेत्र के टिकरिया , चमियानी , नरापत खेड़ा ,सगवर , बेलहरा, मलौना, बिहार सहित 32 तीतर पालको ने अपने तीतर लेकर आए।

तीतर की कई कुश्ती हुई। तीतरों की कुश्ती देखने के लिए बच्चों और नवयुवकों में भारी उत्साह देखने को मिला ।लगभग 4 घण्टे तक चले इस आयोजन में बेलहरा गामा पासवान के तीतर ने प्रथम व मलौना के रामबहादुर के तीतर शंकर ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

आयोजक शत्रुध्न सिंह ने विजयी तीतरों व उनके मालिकों को सम्मान प्रदान कर पुरस्कृत किया तथा दंगल में आने वाले सभी तीतर मालिकों को भी सम्मानित किया।

48 घंटे से लगातार बारिश, किसानों की बढ़ी चिंता

हजारों बीघा धान की खड़ी फसल पानी में डूबी

समृद्धि न्यूज, नवाबगंज।

जनपद में पिछले करीब 48 घंटे से लगातार हो रही बारिश ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। लगातार बरसात के चलते खेतों में पानी भर गया है और कई क्षेत्रों में धान की खड़ी फसल जलमग्न हो गई है। खेतों में पानी भरा होने के कारण किसानों को फसल खराब होने और सड़ने की चिंता सताने लगी है। ग्राम पंचायत कक्योली क्षेत्र के किसानों के अनुसार, इस समय धान की फसल खेतों में खड़ी है। लगातार बारिश के कारण खेतों में पानी का स्तर बढ़ता जा रहा है। कई स्थानों पर धान के पौधे पानी में डूब गए हैं, जबकि कुछ खेतों में फसल गिर भी गई है। किसानों का कहना है कि यदि बारिश का सिलसिला जारी रहा और खेतों से पानी की निकासी नहीं हुई तो धान की फसल को भारी नुकसान हो सकता है। किसान रामकिशन, गंगादयाल, महेंद्र और जमालुद्दीन ने बताया कि धान की फसल तैयार करने में उन्होंने काफी मेहनत और लागत लगाई है। अब लगातार बारिश ने उनकी चिंता बढ़ा दी है। किसानों के मुताबिक खेतों में कई दिनों तक पानी भरा रहा तो धान की बालियों और पौधों में सड़न लग सकती है, जिससे तैयार फसल बर्बाद होने का खतरा है। जिन खेतों में पानी अधिक भर गया है, वहां फसल को बचाना किसानों के लिए चुनौती बन गया है। किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि बारिश से प्रभावित क्षेत्रों में फसलों का सर्वे कराकर वास्तविक नुकसान का आकलन कराया जाए और प्रभावित किसानों को नियमानुसार आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए।

19 नवचयनित ग्राम पंचायत अधिकारियों की टीम लखनऊ रवाना

समृद्धि न्यूज, फतेहपुर।

पंचायती राज विभाग द्वारा आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में प्रतिभाग करने के लिए फतेहपुर जनपद के 19 नवचयनित ग्राम पंचायत अधिकारियों की टीम को विकास भवन से लखनऊ के लिए रवाना किया गया। जिला पंचायत राज अधिकारी राम शंकर वर्मा ने शनिवार शाम लगभग 4 बजे हरी झंडी दिखाकर को रवाना किया।

यह वाहन पंचायती राज विभाग द्वारा विशेष रूप से व्यवस्थित किया गया था, जिस पर मुख्यमंत्री द्वारा नव नियुक्त ग्राम पंचायत अधिकारियों का नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का बैनर लगा था। मीडिया को जानकारी देते हुए जिला पंचायत राज अधिकारी राम शंकर वर्मा ने बताया कि जनपद से कुल 19 अभ्यर्थी ग्राम पंचायत अधिकारी के पद पर चयनित हुए हैं। ये सभी अभ्यर्थी कल 28 सितम्बर 2026 को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर, लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा नियुक्ति पत्र प्राप्त करेंगे। इस दल के वाहन प्रभारी/नोडल अधिकारी व अध्यक्ष रघुवेन्द्र सिंह और ग्राम पंचायत अधिकारी अर्चना सिंह को बनाया गया है। टीम में मोहित सिंह, अतुल कुमार मिश्रा, शिप्रा सचान, दिव्यांशी सहित 19 सदस्य शामिल हैं।

नियुक्ति पत्र प्राप्त करने के बाद इन सभी अधिकारियों का जनपद में सम्मान भी किया जाएगा।

पनकी क्षेत्र में जलभराव का महापौर ने किया निरीक्षण अधिकारियों को मौके पर रहने के निर्देश

समृद्धि न्यूज, कानपुर।

पनकी क्षेत्र में लगातार बारिश के बाद उत्पन्न जलभराव की स्थिति का महापौर ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने पनकी और सुंदर नगर क्षेत्रों का दौरा कर जल निकासी की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि पाण्डु नदी का जलस्तर अत्यधिक बढ़ जाने के कारण बरसात के पानी की निकासी प्रभावित हो रही है। इसके चलते पनकी और सुंदर नगर क्षेत्र में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। महापौर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे मौके पर रहकर जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करें और लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न होने दें। इस दौरान नगर निगम के इंजीनियरिंग विभाग और जलकल विभाग की टीमें जल निकासी के कार्य में जुटी मिलीं।

कार्यालय नगर पंचायत, कमालगंज जनपद-फर्रुखाबाद।

पत्रांकः-804/ 15वां वित्त (टाइड/अनटाइड) कमालगंज/2026-27 दिनांकः- 19/09/2026

-: निविदा सूचना :-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में नगर पंचायत, कमालगंज में 15वें वित्त आयोग योजनान्तर्गत (टाइड/अनटाइड) ग्राण्ट में प्राप्त धनराशि से जिलाधिकारी महोदय, फर्रुखाबाद के द्वारा प्राप्त स्वीकृति दिनांक 06/3/2026 के अधीन निम्न सारणी अनुसार निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्म/एजेन्सी/ कम्पनी/ ठेकेदार दिनांक 22/10/2026 समय 4.00 बजे तक सील बन्द निविदा दे सकते है। निविदा पत्र, निविदा आमंत्रण तिथि से एक दिन पूर्व तक किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय से निर्धारित मूल्य जमा कर प्राप्त किये जा सकते है। प्राप्त निविदा दिनांक 23/10/2026 सायंकाल 4.30 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी। निविदा के साथ आगंणन की 02 प्रतिशत जमानत धनराशि एवं शेष 08 प्रतिशत जमानत धनराशि अनुबन्ध के समय जमा करना अनिवार्य होगा। जमानत धनराशि अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत, कमालगंज के नाम बन्धक होगी, जो एन0एस0सी0/एफ0डी0आर0/आर0टी0जी0एस0/नगद जमा रसीद फार्म-5/टी0डी0आर0 के रूप में ही स्वीकार की जायेगी। बिना जमा जमानत राशि व सशर्त निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदा को स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार नगर पंचायत के सक्षम अधिकारी को सुरक्षित रहेगा। नियम व शर्ते कार्यालय कार्य दिवस में अवलोकन कर सकते है।

क्र0 स0	कार्य का विवरण	आगणन की धनराशि (लाख में)	निविदा मूल्य + जी0एस0टी0	धरोहर राशि 2 प्रतिशत	कार्य पूर्ण का समय
1	नगर के विभिन्न स्थानों पर आवश्यकतानुसार नवीन हैण्डपम्प अधिष्ठापन का कार्य।	7.20	850	14500	01 माह
2	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के सामने बड़ी पाइप लाइन में लीकेज एवं वाल्व मरम्मत का कार्य।	1.54	200	3100	01 माह
3	बंशी बिल्डिंग से श्री शकील मास्टर के घर होते हुये हरिमोहन नेता के घर तक इण्टलॉकिंग एवं नाली निर्माण कार्य।	3.24	400	6500	01 माह
4	श्री मंजर मास्टर के घर से श्री जियाउद्दीन नेता के घर तक इण्टलॉकिंग एवं नाली निर्माण कार्य	2.49	300	5000	01 माह
5	नन्दकिशोर के घर से एम0सी0 वर्मा के घर से होते हुये महेश चन्द्र वर्मा के घर तक इण्टलॉकिंग एवं नाली निर्माण कार्य।	1.62	200	3250	01 माह
6	राजेश औदीच्य के घर से पप्पू दीक्षित के घर तक इण्टलॉकिंग एवं नाली निर्माण कार्य।	4.66	550	9350	01 माह
7	श्री पाल के घर से नकीशेर के घर तक इण्टलॉकिंग एवं नाली निर्माण कार्य।	2.34	300	4700	01 माह
8	खुर्शीद के घर से रिजवान के घर तक इण्टलॉकिंग एवं नाली निर्माण कार्य।	1.34	200	2700	01 माह
9	शिवा साउण्ड सर्विस के घर से श्री मान सिंह वर्मा के घर तक इण्टलॉकिंग एवं नाली निर्माण कार्य	1.53	200	3100	01 माह
10	संजू शंखबार के घर से गोविन्द गुप्ता के घर तक इण्टलॉकिंग एवं नाली निर्माण कार्य।	2.02	250	4100	01 माह
11	नफीस के घर से डा0 रमा कुशवाह के घर तक इण्टलॉकिंग एवं नाली निर्माण कार्य।	3.80	450	7600	01 माह
12	शिवधनी चक्की से शिरावाले के घर तक इण्टलॉकिंग एवं नाली निर्माण कार्य।	4.52	550	9100	01 माह
13	रामसिंह के घर से बाला जी बिल्डिंग तक इण्टलॉकिंग एवं नाली निर्माण कार्य।	4.52	550	9100	01 माह
14	पप्पू शंखबार के घर से गुड्डन के घर तक इण्टलॉकिंग एवं नाली निर्माण कार्य	2.41	300	4900	01 माह

(रामानन्द यादव)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत कमालगंज।

(राजबेटी शंखवार)
अध्यक्ष
नगर पंचायत कमालगंज।

डीएम-एसपी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण

- प्रभावितों को दिया हरसंभव सहायता का भरोसा

समृद्धि न्यूज़, महाराजगंज।

पिछले चार दिनों से हो रही अतिवृष्टि के दृष्टिगत जिलाधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल एवं पुलिस अधीक्षक शक्ति मोहन अवस्थी ने रविवार को जनपद के बाढ़ प्रभावित एवं संवेदनशील क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। दोनों अधिकारियों ने सबसे पहले टेल फाल पहुंचकर नारायणी नदी के जलस्तर एवं आसपास के क्षेत्रों की स्थिति का निरीक्षण किया।गण्डक बैराज से लगभग 4 लाख 16 हजार क्यूसेक पानी छोड़े जाने के कारण नारायणी नदी का जलस्तर बढ़ा हुआ है। इसके चलते कुछ क्षेत्रों में बाढ़ जैसे हालात उत्पन्न हुए हैं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को पूरी सतर्कता के साथ स्थिति पर लगातार निगरानी रखने तथा प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं तत्काल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसके पश्चात जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने निचलौल तहसील के गेड़हवा गांव पहुंचकर बाढ़ जैसे हालात का सामना कर रहे ग्रामीणों से संवाद किया। जिलाधिकारी ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन उनकी सहायता के लिए पूरी तरह तत्पर है और किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होने दी जाएगी। गेड़हवा गांव में लगभग 350 परिवार अतिवृष्टि के कारण उत्पन्न बाढ़ जैसे हालात से प्रभावित हैं।

डीएम ने उपजिलाधिकारी निचलौल को निर्देशित किया कि सभी प्रभावित ग्रामीणों को राशन किट उपलब्ध कराई जाए तथा तत्काल कम्युनिटी किचन शुरू कराया जाए, जिससे प्रभावित परिवारों को भोजन की समस्या न हो। साथ ही उन्होंने प्रभावित क्षेत्र में मोबाइल मेडिकल यूनिट स्थापित कर आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए और उन्होंने पशुओं की सुरक्षा को भी प्राथमिकता देते हुए पृथक सुरक्षित स्थल चिन्हित करने तथा वहां भूसा एवं चारे की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां भी बाढ़ जैसे हालात हैं, वहां प्रशासनिक टीमें सक्रिय रहें और राहत एवं बचाव से संबंधित सभी आवश्यक इंतजाम पहले से सुनिश्चित किए जाएं। पुलिस अधीक्षक श्री शक्ति मोहन अवस्थी ने पुलिस विभाग एवं अन्य क्विक रिस्पांस टीमों को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर प्रभावित नागरिकों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (वि/रा) डॉ प्रशांत कुमार, उपजिलाधिकारी निचलौल अवनीश त्रिपाठी, तहसीलदार निचलौल अमित सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य सेवाओं को और प्रभावी बनाने का डीएम ने दिया निर्देश

समृद्धि न्यूज़, महाराजगंज।

जिलाधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने तथा पात्र लाभार्थियों को समय से स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में गैर-संचारी रोगों की जांच की समीक्षा करते हुए डीएम ने जांच का दायरा बढ़ाने के निर्देश दिए। पनियरा, निचलौल एवं नौतनवा में गैर-संचारी रोगों के उपचार की प्रगति अपेक्षाकृत कम पाए जाने पर उन्होंने चिन्हित लाभार्थियों का उपचार सुनिश्चित करते हुए प्रगति में सुधार लाने के निर्देश दिए।जननी सुरक्षा योजना की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने तथा योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को ससमय भुगतान सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान देने को कहा। साथ ही मातृ मृत्यु की घटनाओं की अनिवार्य रूप से प्रभावी रिपोर्टिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने निचलौल एवं लक्ष्मीपुर विकासखंडों में शल्य प्रसव की संख्या बढ़ाने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। उन्होंने कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराने के निर्देश दिए। इसके लिए जिला कार्यक्रम अधिकारी को स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय स्थापित करने हेतु निर्देशित किया।नियमित टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा में जिलाधिकारी ने निचलौल एवं पनियरा में टीकाकरण की प्रगति में सुधार लाने के निर्देश दिया। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी को प्रत्येक सप्ताह दोनों क्षेत्रों में जाकर टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा करने को कहा गया। निचलौल में टीकाकरण की खराब प्रगति तथा एएनएम द्वारा यू-विन पोर्टल पर विवरण दर्ज न किए जाने पर जिलाधिकारी ने संबंधित ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक का मानदेय रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर एएनएम आवश्यक औषधियों एवं सभी जरूरी सामग्री के साथ अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। टीकाकरण की कार्ययोजना ग्राम प्रधान, ग्राम सचिव एवं लेखपाल को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए।

खबरें एक नजर में

नपाप अध्यक्ष ने साफ सफाई के निस्तारण का दिया निर्देश

महाराजगंज। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष डा.पुष्पा लता मंगल ने रविवार को नगर पालिका परिषद कार्यालय में कर्मचारियों के साथ बैठक की इस दौरान उन्होंने अत्यधिक बारिश के कारण उत्पन्न होने वाली समस्याओं तथा आम जनता की शिकायतों के त्वरित निस्तारण को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अतिवृष्टि के दौरान जल भराव, जल निकासी, साफ सफाई सहित अन्य समस्याओं को प्राथमिकता पर किया जाए ताकि आम जनता को परेशानियों का सामना न करना पड़े बैठक बाद उन्होंने स्वयं फरेंदा रोड स्थित मणिपुरम गोल्ड लोन के सामने जल निकासी की समस्या तथा इंदिरा नगर में पेड़ गिरने की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंच स्थिति का जायजा लिया तथा फरेंदा रोड पर जल निकासी की व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक कार्रवाई कर पानी निकासी की व्यवस्था को सुनिश्चित करने को कहा श्रीमती मंगल ने कहा कि जन समस्याओं के प्रति नगर पालिका प्रशासन पूरी तरह सचेत है। इस अवसर पर सभासद गोरख पासवान, सफाई नायक इंद्रासन, ड्राइवर आरिफ खान, सोनू सहित तमाम नगर वासी मौजूद रहे।

तेज आंधी एवं वर्षा से जनपद में चार लोगों की मृत्यु

महाराजगंज। जनपद में तेज आंधी एवं वर्षा के दौरान पेड़ गिरने तथा कच्चे/खपरैल मकान क्षतिग्रस्त होकर गिरने से अलग-अलग घटनाओं में चार लोगों की मृत्यु हुई। तहसील निचलौल के ग्राम शीतलापुर निवासी पन्ने कुमार प्रजापति (30 वर्ष) की सिंदुरिया के पास कंचनपुर में पेड़ की चपेट में आने से मृत्यु हुई। तहसील फरेंदा के ग्राम जीगीनिहा में खपरैल मकान गिरने से कुशमी (69 वर्ष) की मलबे में दबकर मृत्यु हुई। तहसील सदर के ग्राम चंदन वाफी में पेड़ गिरने से गौरी शंकर (45 वर्ष) एवं उनकी पत्नी (42 वर्ष) की मृत्यु हुई। जिलाधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल ने संबंधित अधिकारियों को सभी घटनास्थलों का निरीक्षण कर जनहानि एवं संपत्ति क्षति का आकलन तथा पीड़ित परिवारों को नियमानुसार राज्य आपदा मोचक निधि से अनुमन्य आर्थिक सहायता तत्काल उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

क्षतिग्रस्त फसलों की शिकायत टोल फ्री नम्बर पर दर्ज कराएं

गाजीपुर। उप कृषि निदेशक गाज़ीपुर ने सभी कृषकों को अवगत कराया है कि वर्तमान में जनपद में अर्नव चक्रवात के कारण असमय भारी वर्षा हो रही है। ऐसे में यदि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत बीमित फसलें अतिवृष्टि अथवा जल भराव के कारण क्षतिग्रस्त हुई है तो इसकी सूचना 72 घंटे के अंदर भारत सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई टोल फ्री नंबर 14447 पर शिकायत करें। इसके अलावा बीमा कंपनी के वेबसाइट crop insurance app पर भी शिकायत कर सकते हैं। जनपद में धान व बाजरा की फसल अधिसूचित है।

हेल्थी बच्चों को दिया गया उपहार

चुनार (मिर्जापुर)। सेवा संकल्प योजना के तहत नरायनपुर ब्लाक अन्तर्गत क्षेत्रीय परियोजना अधिकारी रेनू पाण्डेय के निर्देशन में आंगनवाड़ी केन्द्र बहरामगंज में तीन हेल्थी 0 से 3 वर्ष के बच्चों को दिया गया उपहार। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि वार्ड नं0 20 की सभासद विट्ठो देवी ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर की। कार्यकर्ती अर्चना श्रीवास्तव व सहायिका रिंकी ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि द्वारा हेल्थी बच्चे नाव्या, केशव, शिवांश को तिलक लगाकर व माल्यार्पण कर उपहार देकर उत्साहवर्धन किया गया। इस दौरान कार्यकर्त्री सुमन देवी सहायिका सुनीता, गीता देवी, हेमलता श्रीवास्तव, निर्मला देवी श्रीवास्तव, शुभांगी, हर्षिता, शगुन आदि उपस्थित रही।

महिला ने दो महिलाओं के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया

हलिया (मिर्जापुर)। स्थानीय थाना क्षेत्र के चक कोटार गांव निवासी ज्ञानपती ने शनिवार की देर शाम थाने में तहरीर देकर गांव निवासी दो महिलाओं के विरुद्ध गाली गलौज मारपीट सहित जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज कराया है दी गई तहरीर में बताया की बीते 15 सितंबर को गांव निवासी कलावती व पार्वती घर आकर गाली गलौज देते हुए लाठी डंडे से मारपीट कर घायल कर दिया जान से मारने की धमकी दिया है जिस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर घायल महिला को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया भेजा दिया है इस संबंध में थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव ने बताया की महिला की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल किया जा रहा है।

हलिया ब्लॉक के स्वास्थ्य केंद्रों पर लगा आरोग्य मेला

हलिया (मिर्जापुर)। रविवार को हलिया विकास खंड के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में कुल 229 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें मुफ्त दवाएं वितरित की गई। पीएचसी हलिया में चिकित्सक विवेक खरे ने 51 पीएचसी मतवार में डॉक्टर कामेश्वर तिवारी ने 43 पीएचसी बरौंधा में डॉक्टर शालिनी सिंह ने 45 पीएचसी ड्रमंडगंज में चिकित्सक बाल कृष्ण मिश्रा ने 49,पीएचसी मुड़पेली में चिकित्सक मनीष कुमार को 41 मरीजों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया।मेले में बुखार, सर्दी-खांसी, पेट दर्द, त्वचा रोग और मधुमेह व उच्च रक्तचाप के मरीजों की जांच की गई। चिकित्सकों द्वारा मरीजों को मौसमी बीमारियों से बचाव के उपाय भी बताए गए इस दौरान सभी पीएचसी पर डॉक्टर, फार्मासिस्ट और स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे इस संबंध में प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉक्टर अवधेश कुमार ने बताया की मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला में कुल 229 मरीजों का उपचार कर दवा वितरित किया गया है।

राजकीय सम्मान के साथ रामगोविंद चौधरी पंचतत्व में विलीन

समृद्धि न्यूज़, बांसडीह (बलिया)।

जिस नेता ने जीवनभर जनता के बीच रहकर उनके सुख-दुख में साथ निभाया, उसकी अंतिम विदाई में रविवार को समूचा क्षेत्र उमड़ पड़ा। समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता एवं पूर्व मंत्री स्वर्गीय रामगोविंद चौधरी को अंतिम विदाई देने के लिए उनके पैतृक गांव गोसाईपुर में हजारों लोगों का सैलाब उमड़ पड़ा। गांव की गलियों से लेकर मुख्य मार्ग तक हर तरफ लोगों की भीड़ दिखाई दी। किसी की आंखों में आंसू थे, तो किसी के चेहरे पर अपने प्रिय नेता को खोने का दर्द। उनका पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। मुखाग्नि उनके सुपुत्र रंजीत चौधरी ने दी।

रामगोविंद चौधरी ने 25 सितंबर की शाम करीब चार बजे लखनऊ स्थित पीजीआई में अंतिम सांस ली थी। निधन की खबर से पूर्वांचल के राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। शनिवार की देर रात उनका पार्थिव शरीर पैतृक गांव पहुंचा। रविवार की सुबह होते-होते अंतिम दर्शन के लिए लोगों की भीड़ बढ़ती गई और देखते ही देखते जनसैलाब में बदल गई।

अंतिम दर्शन को उमड़ी भीड़ के कारण गोसाईपुर जाने वाले मुख्य मार्गों पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। कई स्थानों पर भारी जाम की स्थिति बन गई। वाहनों के पहिए थमने के बावजूद लोगों का उत्साह नहीं थमा। बड़ी संख्या में लोग गाड़ियां छोड़कर पैदल ही अपने नेता के दरवाजे तक पहुंचे। गांव में ऐसा दृश्य था कि हर रास्ता गोसाईपुर की ओर जाता नजर आ रहा था। रामगोविंद चौधरी के अंतिम दर्शन के लिए पक्ष-विपक्ष के नेताओं का तांता लगा रहा।राजनीतिक मतभेदों को पीछे छोड़ विभिन्न दलों के नेताओं, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। अंतिम विदाई के दौरान दलगत सीमाओं से परे एक आत्मीय माहौल नजर आया।

अंतिम दर्शन के बाद पार्थिव शरीर अंतिम यात्रा के लिए निकला तो माहौल गमगीन हो गया। हजारों लोग अंतिम यात्रा में शामिल हुए। गांव के समीप सरयू नदी के तट स्थित श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। स्वर्गीय रामगोविंद चौधरी के इकलौते पुत्र रंजीत चौधरी ने मुखाग्नि दी। मुखाग्नि के साथ ही वहां मौजूद लोगों की आंखें फिर नम हो गईं।

राजकीय सम्मान के साथ दी गई अंतिम सलामी

स्वर्गीय रामगोविंद चौधरी की अंतिम विदाई में राजकीय सम्मान भी दिया गया। अंतिम संस्कार के दौरान उनके पैतृक निवास पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर सलामी दी गई। राजकीय सम्मान के साथ दी गई अंतिम सलामी के दौरान माहौल और भी गमगीन हो गया। मौजूद लोगों ने नम आंखों से अपने नेता को अंतिम विदाई दी।

रामगोविंद चौधरी के दरवाजे पर सुबह से श्रद्धांजलि देने वालों का तांता

रविवार की सुबह से ही स्वर्गीय रामगोविंद चौधरी के दरवाजे पर श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा रहा। सलेमपुर सांसद रमाशंकर राजभर विद्यार्थी, सांसदराममुआल निषाद, जमानियां विधायक ओमप्रकाश सिंह, फेफना विधायक संग्राम यादव, समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद गिरि, समाजवादी पार्टी महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष सीमा राजभर बागी, सकलडीहा विधायक एवं स्वर्गीय रामगोविंद चौधरी के समधी प्रभु नारायण सिंह यादव, विधायक सिकंदरपुर मोहम्मद जियाउद्दीन रिजवी, पूर्व भाजपा विधायक संजय यादव, सपा जिलाध्यक्ष देवरिया व्यास जी यादव, स्नातक एमएलसी आशुतोष सिन्हा, सपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष पुनीता सिंह सोनी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष भुवनेश्वर चौधरी, भाजपा नेता संजीव वर्मा, सपा जिला प्रवक्ता सुशील पांडेय 'कान्ह जी', मिर्जापुर के पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शिवशंकर यादव, एमएलसी रविशंकर सिंह पप्पू, डॉ. हरिमोहन, मंटू सिंह,ममता सिंह, विकेश सिंह, सोनू सिंह, सदर के सपा नेता रामजी यादव, नवानगर के पूर्व ब्लॉक प्रमुख विवेक सिंह, नगर पंचायत सिकंदरपुर के प्रतिनिधि संजय जायसवाल समेत बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रभारी मंत्री दारा सिंह ने दुदही नपं कार्यालय एवं डिजिटल लाइब्रेरी का किया लोकार्पण

समृद्धि न्यूज़, कुशीनगर।

प्रदेश सरकार के कारागार मंत्री एवं जनपद के प्रभारी मंत्री दारा सिंह चौहान ने रविवार को दुदही नगर पंचायत में नवनिर्मित आदर्श नगर पंचायत कार्यालय एवं वातानुकूलित डिजिटल लाइब्रेरी का विधिवत पूजन-अर्चन के साथ लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने डिजिटल लाइब्रेरी का अवलोकन कर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली तथा इसे विद्यार्थियों एवं युवाओं के लिए उपयोगी सुविधा बताया।

कार्यक्रम के दौरान प्रभारी मंत्री ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने आयुष्मान भारत सहित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आमजन को मिल रही सुविधाओं का उल्लेख किया। कार्यक्रम से पूर्व प्रभारी मंत्री ने गांधी चौक स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके उपरांत सैनिक बैंड एवं मशाल धावकों द्वारा उनका स्वागत किया गया तथा उन्हें नवनिर्मित डिजिटल लाइब्रेरी तक ले जाया गया। स्थानीय विधायक फाजिलनगर सुरेंद्र सिंह कुशवाहा ने प्रभारी मंत्री का स्वागत किया। कार्यक्रम में नगर पंचायत सेवरही की अध्यक्ष सोनिया जायसवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय, नगर पंचायत अध्यक्ष दुदही शायदा खातून सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने नगर क्षेत्र में कराए जा रहे विकास कार्यों तथा डिजिटल लाइब्रेरी जैसी सुविधाओं को विद्यार्थियों एवं युवाओं के लिए उपयोगी बताया। प्रभारी मंत्री ने नगर पंचायत अध्यक्ष शायदा खातून एवं कार्यक्रम के आयोजन में सहयोग करने वाले अजीम आलम सहित संबंधित लोगों को बधाई दी। उन्होंने नगर पंचायत क्षेत्र में विकास कार्यों को आगे बढ़ाने तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। इस अवसर पर विधायक कसया पीएन पाठक, विधायक हाटा मोहन वर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रेम चंद्र मिश्र, अधिशासी अधिकारी रवि पटेल सहित नगर पंचायत के समस्त सभासद, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत सूचना विभाग की प्रदर्शनी का प्रभारी मंत्री ने किया उद्घाटन

कुशीनगर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, कुशीनगर द्वारा कुशीनगर स्थित संग्रहालय परिसर में लगाई गई प्रदर्शनी का रविवार को मंत्री, कारागार विभाग एवं जनपद के प्रभारी मंत्री दारा सिंह चौहान जी ने फीता काटकर उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों तथा प्रदेश सरकार की उपलब्धियों से संबंधित प्रचार-प्रसार सामग्री एवं चित्र प्रदर्शित किए गए हैं। प्रभारी मंत्री जी ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए सूचना विभाग द्वारा किए जा रहे प्रचार-प्रसार कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनी के माध्यम से जनसामान्य को सरकार की योजनाओं, नीतियों एवं उपलब्धियों की जानकारी सहज रूप से प्राप्त होती है। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री जी ने संग्रहालय में रखे भगवान महात्मा बुद्ध से जुड़े अवशेषों एवं मूर्तियों का भी अवलोकन किया तथा उनके संबंध में संबंधित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर विधायक कसया पीएन पाठक, विधायक फाजिलनगर सुरेंद्र सिंह कुशवाहा, विधायक हाटा मोहन वर्मा, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश जायसवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय, मुख्य विकास अधिकारी वंदिता श्रीवास्तव, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट कसया, सहायक निदेशक सूचना अशोक कुमार सहित संग्रहालय के अधिकारी-कर्मचारी एवं अन्य दर्शकगण उपस्थित रहे।

भूमि विवाद को लेकर मारपीट, पति-पत्नी घायल, मुकदमा दर्ज

हलिया (मिर्जापुर)। स्थानीय थाना क्षेत्र के देवरी गांव में भूमि विवाद को लेकर मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता प्रभावती पत्नी सहदेव चमार निवासी देवरी ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया है कि 24 सितंबर की शाम करीब 6 बजे गांव के ही बिहारी पुत्र मोलई उर्फ़परखू व मुन्दर पुत्र बिहारी उसकी जमीन पर आकर भद्दी-भद्दी गाली देने लगे मना करने पर लाठी-डंडे से मारपीट करने लगे। बीच-बचाव करने आए पति को भी मारकर सिर फोड़ दिया। दोनों को चोट आई है। जान से मारने की धमकी भी दी गई। आरोप है कि सुशीला पत्नी जयप्रकाश भी गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी दे रही है और सरहंगई से मड़हा चढ़ा रहे हैं। तहरीर के आधार पर थाना हलिया पुलिस ने सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर लिया है। मामले की जांच उपनिरीक्षक सुरेन्द्र राम को सौंपी गई है।

भाजपा सरकार में व्यापारियों का हो रहा उत्पीड़नः प्रदीप जायसवाल

- मिर्जापुर मण्डल में हुआ पीडीए व्यापारी सम्मेलन
- मिर्जापुर व भदोही के कालीन निर्यात की स्थिति बदतरः अशोक यादव

समृद्धि न्यूज़, मिर्जापुर।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव जी के निर्देश पर समाजवादी पार्टी से व्यापारियों से जोड़ने के लिए समाजवादी व्यापार सभा उत्तर प्रदेश लगातार पूरे प्रदेश के 75 जिलो के 18 मंडलो के मण्डलीय व्यापारी सम्मेलन के आयोजन के क्रम में जनपद मिर्जापुर के स्टेशन रोड स्थित लान में रविवार को मिर्जापुर, भदोही व सोनभद्र का पीडीए व्यापारी मंडलीय सम्मेलन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में समाजवादी व्यापार सभा के प्रदेश अध्यक्ष श्री प्रदीप जायसवाल, पूर्व मंत्री कैलाश चौरसिया, सपा जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी, कार्यवाहक जिलाध्यक्ष अशोक यादव, जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह पटेल, मुन्नी यादव, परवेज खान, आशीष यादव, संतोष गोयल मंचासीन रहे। सम्मेलन की अध्यक्षता समाजवादी व्यापार सभा के जिलाध्यक्ष गणेश केशरी ने किया तथा संचालन प्रदेश सचिव व्यापार सभा चंदन यादव ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ श्री महाराजा अग्रसेन जी महान दानवीर भामाशाहसहसबाहु जी महाराज के साथ डॉ. भीमराव अम्बेडकर, डॉ. राम मनोहर लोहिया, धरतीपुत्र पूज्यनीय नेता मुलायम सिंह यादव जी के स्मृति में चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्जवलित करके किया गया। अतिथियों को बुके, माल्यार्पण तथा स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया। सम्मेलन में समाजवादी व्यापार सभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल ने कहा कि आज भाजपा सरकार में सबसे ज्यादा उत्पीड़न व्यापारियों का ही हो रहा है। जीएसटी के नाम पर कभी यूपीआई के नाम पर व्यापारियों को लूटा जा रहा है। भाजपा सरकार की व्यापारी नीतियों पर जमकर निशाना साधा और सपा शासन के फैसलों को गिनाया। सम्मेलन में रोहित शुक्ला, झल्लू यादव, रमाशंकर कोल, रूपेश वर्मा, रोहित त्रिपाठी, डॉ. अरविन्द श्रीवास्तव, शक्ति श्रीवास्तव, डॉ. संतोष सिंह, राजेश भारती, अभय यादव, राममिलन यादव, सलीम बादशाह, रामगोपाल बिन्द, रविन्द्र यादव, जेपी सोनकर, रवि सोनकर, अमरेश सोनकर, अभिषेक दूबे, जहांआरा, मेवालाल प्रजापति, धनंजय सिंह आदि सैकड़ो लोग मौजूद रहें।

नरायणी नदी का जलस्तर बढ़ने से गांवों में पहुंचा बाढ़ का पानी

- डीएम ने किया प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण

समृद्धि न्यूज़, कुशीनगर।

नेपाल में पिछले तीन दिनों से हो रही छिटपुट बारिश तथा नेपाल से गंडक (नारायणी) नदी में पानी छोड़े जाने के कारण जनपद के निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है। नदी के बढ़ते जलस्तर से हरिहरपुर, मरचहवा, शिवपुर, महदेवा, सालिकपुर सहित आसपास के गांव प्रभावित हुए हैं। स्थिति को देखते हुए जिलाधिकारी संजय चौहान ने आज बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर जलभराव की स्थिति का जायजा लिया तथा छितौनी तटबंध एवं विरभार ठोकर का निरीक्षण कर तटबंधों की सुरक्षा एवं नदी के बढ़ते जलस्तर की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने मौके पर मौजूद संबंधित अधिकारियों से बाढ़ की वर्तमान स्थिति की जानकारी प्राप्त करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सुबह 6:35 बजे छोड़ा गया 4 लाख क्यूसेक पानी जनपद की सीमा के पास पहुंच रहा-डीएम: जिलाधिकारी संजय चौहान ने बताया कि पिछले तीन दिनों से छिटपुट बारिश हो रही है। एक साथ अधिक वर्षा होने के कारण निचले क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो रही है। सीमावर्ती जनपद होने के कारण नेपाल से भी गंडक नदी, जिसे नेपाल में नारायणी नदी के नाम से जाना जाता है, में समय-समय पर बड़ी मात्रा में पानी छोड़ा जा रहा है। उन्होंने बताया कि रविवार सुबह 6:35 बजे लगभग 4 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया था, जो अब लगभग जनपद की सीमा के पास से गुजर रहा है। डीएम ने बताया कि वर्तमान में दो गांवों के लगभग 1400 परिवार प्रभावित हैं। गांवों में जाने वाले मार्ग पूरी तरह जलमग्न हो गए हैं। लगभग 600 परिवारों को बाढ़ चौकी के पास तटबंध पर सुरक्षित रूप से शिफ्ट किया गया है। उनके लिए भोजन एवं रहने की व्यवस्था की गई है तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा हेल्थ कैंप भी लगाया गया है। पीएसी की फ्लड वाहिनी एवं एसडीआरएफ की टीम मौके पर तैनात है। राजस्व, पुलिस एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन का प्रयास है कि किसी भी व्यक्ति को जनहानि अथवा पशुहानि का सामना न करना पड़े।

तटबंधों की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता के निर्देशः डीएम ने छितौनी तटबंध एवं विरभार ठोकर के निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तटबंधों एवं संवेदनशील स्थलों की लगातार निगरानी की जाए। कहीं भी कटान, रिसाव अथवा क्षति की स्थिति दिखाई देने पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाढ़ प्रभावित लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

गाजीपुर में सेवा समर्पण अभियान के तहत स्वास्थ्य शिविर डिप्टी सीएम ने किया अमृत फार्मेसी और सीटी स्कैन का लोकार्पण

समृद्धि न्यूज़, गाजीपुर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष के सार्वजनिक सेवा काल के अवसर पर शनिवार को लंका मैदान में सेवा समर्पण अभियान के तहत वृहद स्वास्थ्य सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में बहु विशेषज्ञ चिकित्सा केंद्र के माध्यम से विशेषज्ञ चिकित्सकों ने लोगों को निःशुल्क परामर्श और चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध कराईं। स्वास्थ्य शिविर 26 से 28 सितंबर तक चलेगा। इस दौरान डिप्टी सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 वर्षों तक राष्ट्र सेवा के लिए खुद को समर्पित किया है। उनके सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के संकल्प को स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार हर व्यक्ति को सस्ती और सुलभ चिकित्सा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके बाद डिप्टी सीएम महर्षि विश्वामित्र स्वशासी राजकीय मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे। यहां उन्होंने नवनिर्मित अमृत फार्मेसी, अत्याधुनिक सीटी स्कैन मशीन और चार मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर का लोकार्पण किया। उन्होंने अमृत फार्मेसी और ऑपरेशन थिएटरों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि इन सुविधाओं के शुरू होने से गरीब मरीजों को सस्ती दवाएं और कम खर्च में जांच की सुविधा मिलेगी। डिप्टी सीएम ने मेडिकल कॉलेज के प्रथम बैच के एमबीबीएस उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं से भी मुलाकात की। प्राचार्य डॉ. आनंद मिश्रा ने मेडिकल कॉलेज के विकास से जुड़े पांच प्रस्ताव उनके समक्ष रखे। इनमें 300 और 200 बेड के अस्पतालों से संबंधित कार्य, दोनों अस्पतालों को जोड़ने के लिए सीसी रोड व संपर्क मार्ग, एकेडमिक व एडमिनिस्ट्रेशन ब्लॉक तथा लेक्चर थिएटर को कवर्ड कॉरिडोर से जोड़ने, एडमिनिस्ट्रेशन ब्लॉक में अतिरिक्त कक्षों और ट्रॉमा सेंटर के संचालन से जुड़े कार्य शामिल रहे। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद डॉ. संगीता बलवंत, जिला पंचायत अध्यक्ष सपना सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष सरिता अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश राय समेत जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

राज्य अध्यापक पुरस्कार से सुशोभित डॉ. ऋतु श्रीवास्तव का नवाचार हुआ अपलोड

गाजीपुर। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने अवगत कराया है शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, रचनात्मकता तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विकसित करने के लिए सदर ब्लाक के कंपोजिट स्कूल डीलिया की सहायक अध्यापिका डॉ ऋतु श्रीवास्तव का नवाचार, (गतिविधियों से विज्ञान की जिज्ञासा) राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, लखनऊ (एससीईआरटी) के आधिकारिक उद्गम पोर्टल पर चयनित होकर तथा पांच दिवस की कार्यशाला के पश्चात इसका वीडियो तैयार होकर अपलोड हुआ है। शिक्षिका के इस प्रयास का मुख्य उद्देश्य नवाचार शिक्षण पद्धतियों तथा गतिविधियों के द्वारा बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना ,कक्षा शिक्षण को रुचिकर बनाना और विद्यालय में उनकी नियमित उपस्थिति को सुनिश्चित करना है।बच्चों को किताब तक सीमित न रखकर प्रयोगात्मक एवं गतिविधि आधारित शिक्षण से विद्यार्थियों में विज्ञान के सिद्धांत को समझने की जिज्ञासा बढ़ायी, रटने की पद्धति को छोड़कर क्यों और कैसे? पर उनका ध्यान केंद्रित किया । इन प्रयासों के परिणाम स्वरुप न केवल बच्चों की उपस्थिति में सुधार हुआ बल्कि विज्ञान के प्रति उनका डर भी जिज्ञासा में बदल गया।